

बॉबमैत्री
Bobmaitri

अप्रैल-जून • April - June 2023

Bearth
BANKING FOR A GREENER PLANET



बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda



गृह पत्रिका House Journal

कॉर्पोरेट एल्बम

Corporate Album

2nd Edition of bobWorld Digital Conclave 2023



The 2nd Edition of bobWorld Digital Conclave 2023, attended by 350+ delegates with 25+ insightful sessions was organised by the Bank. An incredible event explored the theme of "Creating Digital Moats" & discussing unique & sustainable digital banking products. On the occasion, Bank launched 5 innovative digital products - bobWorld UPI Lite, Interoperable Cardless Cash Withdrawal (ICCW), RuPay Credit Card linking with bob World UPI, Digital Personal Loan Takeover and Outward Remittance through bob World app! The event was graced by Top Management - Shri Sanjiv Chadha, Ex-MD & CEO, Executive Directors Shri Ajay K. Khurana, Shri Debadatta Chand and Shri Joydeep Dutta Roy. Shri Akhil Honda, Chief Digital Officer was also present on the occasion.

Annual Baroda Radiance Conclave

Glimpses of the Annual Baroda Radiance Conclave in the presence of Shri Joydeep Dutta Roy, ED & Shri Virendra Somvanshi, Head - WMS. The event saw the pan India Radiance team coming together to celebrate the achievements of FY23 and strategize for momentous growth in the new FY.



उ.प्र. पुलिस के शहीद के परिजन को ₹75 लाख का दुर्घटना बीमा का चेक प्रदत्त



लखनऊ अंचल की उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय शाखा के शुभारंभ के मौके पर पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. श्री विजय कुमार एवं बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री अजय के. खुराना एवं अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार सिंह ने उ.प्र. पुलिस के शहीद कर्मि स्व. श्री भेदजीत सिंह के शोकाकुल परिवार को वेतन पैकेज के अंतर्गत ₹ 75 लाख की दुर्घटना बीमा का चेक प्रदान किया।

Chennai Zone awarded with The State Level Best Banker award by Hon'ble CM of Tamilnadu



Shri MK Stalin, Hon'ble Chief Minister of Tamilnadu, presented the State Level Best Banker award for the year 2022- 23 to Mr A.Sarvanakumar, General Manager & Zonal Head and Mr Suresh Gajendran, Dy General Manager & Dy Zonal Head, Chennai Zone.

**प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
Managing Director
& Chief Executive Officer's Message**



**देबदत्त चांद
Debadatta chand**

प्रिय साथियो,

बैंक की गृह पत्रिका बॉबमैत्री के डिजिटल संस्करण के माध्यम से आप सभी से पहली बार अपने विचार साझा करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है।

दशकों के बैंकिंग अनुभव की समृद्ध विरासत एवं ग्राहकों के अटूट भरोसे की नींव पर खड़े भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के दायित्व का निर्वहन करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। हालांकि बतौर कार्यपालक निदेशक मैं मार्च 2021 से ही एक बड़ौदियन के रूप में इस संगठन की कार्य-पद्धति, संस्कृति और विगत वर्षों में अर्जित की गई उपलब्धियों का प्रत्यक्ष रूप से साक्षी रहा हूँ। आपसी समन्वय के साथ काम करने की भावना, श्रेष्ठ बुनियादी मूल्य और उत्तम नैतिक मूल्य वाले कार्मिक ही इस संस्था को महान संस्थानों की कतार में अग्रिम स्थान पर खड़ा करने में सहयोग कर रहे हैं।

बैंक हमेशा ही नई चुनौतियों, अनुभवों और नए प्रयोगों को स्वीकार करने में अग्रणी रहा है। इनमें निजी संस्थान से प्रमुख नियुक्त करने, आईआईटी में नवाचार केंद्र स्थापित करने या बीजीएसएस के रूप में परिचालन संस्थान स्थापित करने जैसे हमारे प्रयोगों का अन्य संगठनों ने अनुसरण किया है। कॉर्पोरेट गवर्नेंस, जोखिम प्रबंधन, ग्राहक सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व, प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारा श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन लगातार प्राप्त होने वाले पुरस्कारों एवं सम्मानों से परिलक्षित होता है। मुझे विश्वास है कि हम ग्राहकों, कारोबारियों और वैश्विक समुदाय के पसंदीदा साझेदार बनने के उद्देश्य से बदलती बैंकिंग जरूरतों के लिए स्वयं को विकसित और समय के हिसाब से ढालना जारी रखेंगे।

हम यह भी मानते हैं कि सफलता अपने साथ जिम्मेदारियाँ और चुनौतियाँ साथ लाती हैं। जब आप फील्ड में काम कर रहे होते हैं, तब आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है या आप लक्ष्य अर्जित करने का दबाव महसूस कर सकते हैं लेकिन यही वो क्षण होते हैं जब आपकी वास्तविक प्रतिभा और मानसिक दृढ़ता उभर कर सामने आती है। ऐसे समय में, अपनी और अपने बैंक की क्षमताओं और सामर्थ्य पर भरोसा रखें। एक उत्कृष्ट बैंक में अपनी प्रभावशीलता को कभी भी कम करके न आँके। याद रखें कि आप महज एक कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि परिवर्तन के ध्वजवाहक हैं।

विगत वित्तीय वर्ष के परिणाम शानदार रहे हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान बैंक ने 16.6% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 21 लाख करोड़ के कुल व्यवसाय के मील स्तंभ को पार कर लिया है। इस दौरान 26.8%

Dear Colleagues,

It gives me great pleasure to share my thoughts with all of you for the first time through the digital edition of the Bank's house journal 'BobMaitri'.

I feel proud having assumed the responsibility of Managing Director and Chief Executive Officer of India's International Bank standing on the foundation of rich legacy of decades of banking experience and unwavering trust of customers. However, as an Executive Director and a Barodaian, I have been a direct witness to the functioning, cultural heritage and achievements of this organization since March 2021. The spirit of working with mutual coordination, great core values and the workforce with the best ethical standards is contributing to its leading position in the league of great institutions.

The Bank has always been in the forefront in accepting new challenges, creating new experiences and taking new initiatives. Appointing a head from a private institution, setting up an innovation center in IIT or establishing an institution like BGSS are some of our experiments which have been adopted by other organizations. Our outstanding performance in various areas like Corporate Governance, Risk Management, Customer Service, Social Responsibility, Technology is reflected in the accolades and awards we have been constantly receiving. I am confident that we will continue to evolve and adapt ourselves to the changing banking needs with the aim of becoming the preferred partner of customers, businesses and the global community.

We also acknowledge that success brings responsibilities alongwith challenges. While you are working in the field, you may face challenges or feel the pressure of achieving targets but these are the moments when your real talent and tenacity is tested. In such times, have faith in yourself and your bank's strength and capabilities. As a part of a great bank, you must remember that you are not just an employee, but a change maker.

The results of the last financial year have been excellent. The Bank has crossed the milestone of 21 lakh crore's total business with a YoY growth of 16.6% during the financial

की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) के साथ रिकॉर्ड ₹14110 करोड़ का शुद्ध लाभ जमीनी स्तर पर काम कर रही हमारी सभी परिचालन इकाइयों की जी-टोड मेहनत को परिलक्षित करता है। इस लाभप्रदता का फायदा बैंक के स्टाफ सदस्यों के साथ हमारे शेयरधारकों को भी हुआ है जिन्हें हम प्रति शेयर ₹5.50 का लाभांश जारी करने में सफल रहे हैं। वसूली टीमों के अथक प्रयासों के कारण हमारी आस्ति गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है, वहीं अग्रिम क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण बैंक के रिटेल ऋण पोर्टफोलियो में भी 26.8% की समग्र वृद्धि हुई है।

इन उपलब्धियों में हमारे डिजिटल चैनल्स की भूमिका अहम है जो आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में नई पीढ़ी के ग्राहक वर्ग की पहली पसंद बन गए हैं। बॉब वर्ल्ड ऐप में अन्य बैंकों के खातों को इंटीग्रेट करने की सुविधा जैसी विशेषताओं ने इस ऐप को और खास बना दिया है। बॉब वर्ल्ड और डिजिटल ऋण पोर्टल के माध्यम से पूर्व स्वीकृत ऋणों के विकल्प के चलते बैंक ने रिटेल अग्रिम के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है।

ग्राहक अनुभव को और बेहतर बनाने की दिशा में बैंक ने अपनी वेबसाइट पर 'बॉब वीडियो चैट' और 'बॉब लाइव चैट' की सुविधा आरंभ की है जो ग्राहकों की सभी समस्याओं और शंकाओं का तत्काल निस्तारण करेगी। साथ ही, ग्राहक सपोर्ट के लिए 11 भाषाओं में एक ही टोल फ्री नंबर 1800 5700 की 24x7x365 उपलब्धता बैंक और ग्राहक के बीच में सेतु सिद्ध होगी। डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रहने की रणनीति के अन्तर्गत अब बैंक के 5393 एटीएम में यूपीआई आधारित 'इंटर ऑपरेबल कार्डलेस नकदी आहरण' (ICCW) की सुविधा दी गई है। नेशनल ई-गवर्नंस सर्विसेज लिमिटेड की साझेदारी में बैंक द्वारा बड़ौदा इंस्टा प्लेटफॉर्म पर ई-बीजी (इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी) की सुविधा एवं 'बॉब वर्ल्ड स्टार्ट-अप' के अंतर्गत गिफ्ट सिटी गांधीनगर में आईएफएससी शाखा की स्थापना भी नए दौर के उद्यमियों की जरूरतों एवं आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में बैंक द्वारा की जा रही अभिनव पहलों का ही हिस्सा हैं।

व्यवसाय की इन अभिनव पहलों के बीच इन सुविधाओं को हमारे मूल्यवान ग्राहकों तक पहुंचाने वाले हमारे मानव संसाधन को कार्य-स्थल पर उचित माहौल देकर उनकी प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए उनका बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुझे इस बात की खुशी है कि मानव संसाधन के एक मानक सूचकांक के रूप में हम एक बार फिर 'ग्रेट प्लेस टु वर्क' वाले बैंक के रूप में चयनित किए गए हैं। हम इस वित्तीय वर्ष में भी हमारे कर्मचारियों के लिए और बेहतर पहल करने हेतु प्रयासरत रहेंगे ताकि वे बेहतर दक्षता के साथ लक्ष्य केंद्रित होकर व्यवसाय संवर्धन हेतु कार्य कर सकें।

अथर्ववेद में कहा गया है कि 'कृतं मे दक्षिणे हस्ते जयो मे सव्य आहितः' अर्थात् यदि कर्म करना मेरे दाएं हाथ में है, तो विजय मेरे बाएं हाथ में आ ही जायेगी। इस सूत्र वाक्य के साथ यदि हम अपने प्रयासों को जारी रखेंगे, तो मैं पूर्णतया आशान्वित हूँ कि हम एक बार फिर व्यवसाय के हर मानदंड पर सफलता की दहलीज़ को पार करने में सफल होंगे।

शुभकामनाओं सहित,



देबदत्त चांद

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

year 2022-23. The record net profit of ₹ 14110 crore with Net Interest Income (NII) of 26.8% during the period is a reflection of the untiring efforts put in by all our field level operating units. This profitability has benefited the staff members of the Bank as well as our shareholders for whom we have been able to declare a dividend of ₹ 5.50 per share. Our asset quality has registered an improvement due to continuous efforts by recovery teams, at the same time the Bank's retail loan portfolio has also grown by 26.8% due to significant growth in overall advances.

Our digital channels which have become the first choice of next generation customer's in today's changing economic scenario have contributed significantly in all these achievements. Features such as aggregation of accounts from other banks into the BOB World app, makes the app unique. The Bank has made significant achievements in the area of retail advances with the feature of pre-approved loans through Bob World and digital loan portal.

In order to enhance the customer experience, the Bank has introduced 'BOB Video Chat' and 'BOB Live Chat' facility on its website for instant resolution of all customer complaints and queries. Also, the 24 x 7 x 365 availability of a single toll free number 1800 5700 in 11 languages for customer support acts as a bridge between the bank and the customer. As a part of the strategy to be at the forefront of the digital revolution, the Bank's 5393 ATMs have now been provided with UPI based 'Inter operable Cardless Cash Withdrawal' (ICCW) facility. e-BG (Electronic Bank Guarantee) facility on Baroda Insta platform in partnership with National e-Governance Services Limited and setting up of IFSC branch at GIFT City Gandhinagar under 'Bob World Start-ups' are part of the innovative steps taken by the Bank towards fulfillment of needs and aspirations of new age entrepreneurs.

Amidst these innovative business initiatives, it is also our collective responsibility to ensure better health of our human resources who extend these facilities to our valuable customers by providing a suitable work place environment and training facilities according their needs. I am happy that we have been once again been selected as a 'Great Place to Work' Bank which is a benchmark indicator of human resources. In the current financial year also, we will ensure to take more initiatives for our employees so that they can work for business growth in a focussed manner with greater efficiency.

It is said in the 'Atharvaveda' that 'कृतं मे दक्षिणे हस्ते जयो मे सव्य आहितः' which means if I do hard work with right hand, victory will automatically come to my left hand. If we continue our efforts with this motto, I am quite sure that we will once again succeed on all the business parameters.

With best wishes,



Debadatta Chand

Managing Director & Chief Executive Officer

कार्यकारी संपादक / Executive Editor

संजय सिंह / Sanjay Singh

संपादक / Editor

पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक / Assistant Editor

अम्ब्रेश रंजन कुमार Ambresh Ranjan Kumar

सहयोग / Associate

जयपाल सिंह शेखावत Jaipal Singh Shekhawat

पत्रिका संवाददाता / Magazine Correspondents

बीसीसी	BCC	उमानाथ मिश्र
अहमदाबाद	Ahmedabad	चन्द्रवीर सिंह राठौड़
बड़ौदा	Baroda	सुधा मिश्रा
बेंगलुरु	Bengaluru	नीना देवस्ती एम
भोपाल	Bhopal	चंदन वर्मा
चंडीगढ़	Chandigarh	मोनिका सिंह
चेन्नै	Chennai	जी कृष्ण प्रिया
एर्णाकुलम	Ernakulam	सुमी पी यू
हैदराबाद	Hyderabad	गौरी वी एम
जयपुर	Jaipur	सोमेश्वर यादव
कोलकाता	Kolkata	वंदना जैन
लखनऊ	Lucknow	मोहम्मद इरशाद
मंगलुरु	Mangaluru	पुष्पलता बी एन
मेरठ	Meerut	महीपाल चौहान
मुंबई	Mumbai	रेश्मा जलगांवकर
नई दिल्ली	New Delhi	पंकज वर्मा
पटना	Patna	मानिक चंद्र तिवारी
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
राजकोट	Rajkot	संजय कुमार आर्य

बैंक ऑफ बड़ौदा के लिए प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा - 390007 से संपादित एवं प्रकाशित.

ई-मेल : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

Edited and published for Bank of Baroda at Head Office, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Baroda - 390007.

E-mail : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

इस अंक में Contents

अप्रैल-जून • April-June 2023



03 प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

06 कार्यकारी संपादक की कलम से

07 The Utility of data analytics to make Banks More Productive and Customer Oriented in India



11 कठिन मेहनती स्मार्ट मेहनती

12 आयोजन एवं रोजगार मेले

18 बैंक में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस)-उपयोगिता एवं महत्व



22 De-Dollarization: A Myth or Reality?

24 साक्षात्कार : श्री प्रकाश वीर राठी, मुख्य महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

27 सम्मान समारोह



35 Fed's Taper Tantrum and Emerging Market Economics

42 Fortifying the Vault : Pioneering Security Advances in the Banking Industry

47 बैंक ऑफ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान 2023

48 सत्यनिष्ठा — प्रेरणा एवं आवश्यकता



50 Importance of Internal Credit Rating in Bobicon

55 डिजिटल ऋण : चुनौतियां एवं संभावनाएं

58 Periodic updation of KYC information (Re-KYC)

60 Methods of Money Laundering



64 राजभाषा गतिविधिया

65 पदोन्नतियां

67 कॉर्पोरेट एल्बम

बॉबमैत्री, बैंक ऑफ बड़ौदा के कर्मचारियों के लिए प्रकाशित की जाती है। इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

BOBMAITRI is published for all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रूपांकन : सैप प्रिंट सोल्यूशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई - 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed at : SAP Print Solutions Pvt. Ltd., 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.



कार्यकारी संपादक की कलम से / The Executive Editor Speaks

संजय सिंह, कार्यकारी संपादक। Sanjay Singh, Executive Editor

प्रिय पाठकों,

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' का एक और अंक आप सभी को समर्पित करते हुए अतीव हर्ष हो रहा है। आप सभी जानते हैं कि ईएसजी की संकल्पना के अंतर्गत बैंक अपनी नई टैगलाइन 'बैंकिंग फॉर ए ग्रीनर प्लेनट' के प्रयासों के तहत नई-नई पहलें कर रहा है। बैंक की सभी कॉर्पोरेट पत्रिकाओं,

न्यूजलेटर्स आदि के लिए उपलब्ध प्लेटफॉर्म बॉब अभिव्यक्ति ऐप भी ईएसजी के मुख्य उद्देश्यों में से एक कार्बन फुटप्रिंट कम को करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पाठकों तक पत्रिका की त्वरित उपलब्धता के साथ यह ऐप बैंक द्वारा प्रकाशित पठनीय और ज्ञानवर्धक पत्रिकाओं एवं न्यूजलेटर्स के कीमती गुलदस्ते में तब्दील हो गया है जिसे किसी भी समय मोबाइल स्क्रीन पर अपनी सुविधा अनुसार एक्सेस किया जा सकता है।

वर्षों से बॉबमैत्री का एक विशेष पाठक वर्ग रहा है जो नए एवं समसामयिक विषयों पर जानकारियों के लिए इसे पढ़ता रहा है। इन पाठकों के लिए हाल ही में हमने 'करें बॉबमैत्री से मैत्री' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसे काफी अच्छा प्रतिसाद मिला। इसे ध्यान में रखते हुए, हम गृह पत्रिका के प्रत्येक अंक पर आधारित प्रतियोगिताओं के शृंखलावार आयोजन पर विचार कर रहे हैं।

निज भाषा में बैंकिंग की दूरगामी सोच को आगे बढ़ाते हुए बॉब वर्ल्ड में 12 भारतीय भाषाओं के समावेश के बाद अब हम व्हाट्सएप बैंकिंग में भी क्षेत्रीय भाषाओं की उपलब्धता के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। अंग्रेजी एवं हिन्दी के बाद अब गुजराती में भी व्हाट्सएप बैंकिंग सेवा शुरू कर दी गई है और मराठी एवं उड़िया सहित 7 क्षेत्रीय भाषाओं में इसे शुरू किए जाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। सभी महत्वपूर्ण भारतीय भाषाओं में उपलब्ध व्हाट्सएप बैंकिंग की सुविधा अपने आप में एक अनूठा प्रयोग होगा और ग्राहक अनुभव की दृष्टि से इसका काफी दूरगामी परिणाम आएगा।

इस अंक में हमने श्री किशोरी दास के आलेख 'बैंक में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस) - उपयोगिता' को शामिल किया है जिसमें शाखा के रोजमर्रा के कामकाज में क्यू मैनेजमेंट के माध्यम से ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने के विषय में जानकारी दी गई है। श्री सिद्धार्थ कांबले ने अपने आलेख 'Importance of Internal Credit Rating in Bobicon' में ग्राहकों की जोखिम आधारित रेटिंग के लिए Bobicon पोर्टल की उपयोगिता के बारे में उल्लेख किया है। डॉ. सत्येंद्र कुमार का 'THE UTILITY OF DATA ANALYTICS TO MAKE BANKS MORE PRODUCTIVE AND CUSTOMER ORIENTED IN INDIA', सुश्री मुक्ता तुंगेकर का 'Fed's Taper Tantrum and Emerging Market Economies', श्री जे राजेश कुमार का "Fortifying the Vault: Pioneering Security Advances in the Banking Industry" ऐसे महत्वपूर्ण आलेख हैं जो हमारे पाठकों को मौजूदा बैंकिंग परिदृश्य में हो रहे बदलाव और रुझान से अवगत कराएंगे। आपको विविधतापूर्ण पठन अनुभव प्रदान करने के लिए इस अंक में श्री हरीहर देवम का आलेख 'सत्यनिष्ठा - प्रेरणा एवं आवश्यकता' और श्री अंकित जैन के आलेख 'कठिन मेहनती बनाम स्मार्ट मेहनती' को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा, इस अंक में बैंक में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट भी प्रकाशित की गई है।

उपर्युक्त के अलावा, बैंक को मिले विभिन्न पुरस्कारों तथा राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों को भी इस अंक में शामिल किया गया है। मुझे विश्वास है कि पठन सामग्री में विविधता आप सभी सुधी पाठकों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी। मैं सभी बड़ों-दियन से अनुरोध करता हूँ कि पत्रिका में रचनात्मक योगदान करते रहें और अपनी प्रतिक्रियाओं/ सुझावों से हमें बॉब अभिव्यक्ति ऐप पर लाइक, कमेंट अथवा bobmaitri@bankofbaroda.com मेल कर अवगत कराएं ताकि हम इस पत्रिका को अंक दर अंक और बेहतर बना सकें।

शुभकामनाओं सहित,

(संजय सिंह)

Dear Readers,

I am very much delighted to present another issue of Bank's house journal 'Bobmaitri'. As you know that our bank is taking new initiatives with its new tagline 'Banking for a Greener Planet' under the concept of Environment, Social Governance (ESG). The Bob Abhivyaakti App, developed with the objective of providing all corporate magazines, newsletters etc. of the bank on a single platform is also an important step towards reducing carbon footprint which is one of the most common objectives of ESG. With features like instant access and convenience of scrolling anytime on the mobile screen, this app has turned into a potpourri of magazines and informative newsletters published by the bank.

Over the years, Bobmaitri has had a committed readership which regularly refers it for information on new and contemporary topics. For them, we recently organized a quiz competition 'Karen Bobmaitri se Maitri' which got a huge response. Keeping this in mind, we are considering to continue such quiz competitions based on each & every issue of the magazine.


Having started the facility of interface in 12 Indian language in Bob World, now we are taking forward the vision of providing banking facilities in our own languages and putting in efforts to render WhatsApp Banking services in them as well. After launching WhatsApp Banking service in English and Hindi, Bank has provided WhatsApp banking service in Gujarati also and incorporation of 7 other regional languages including Marathi and Oriya is also in pipeline. The facility of WhatsApp Banking in all major regional languages will be a unique experiment and this will enhance the experience of the customers and give enduring results.

In this issue we have covered Shri Kishori Das's article 'बैंक में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस) - उपयोगिता' which suggests about improving customer service through queue management in the branch banking. Mr. Siddharth Kamble's article 'Importance of Internal Credit Rating in Bobicon' depicts the utility of Bobicon portal for risk based rating of customers. Dr. Satyendra Kumar's 'THE UTILITY OF DATA ANALYTICS TO MAKE BANKS MORE PRODUCTIVE AND CUSTOMER ORIENTED IN INDIA', 'Fed's Taper Tantrum and Emerging Market Economies' by Ms. Mukta Tungekar, Mr. J Rajesh Kumar's 'Fortifying the Vault: Pioneering Security Advances in the Banking Industry' are articles which present an overview on various developments and trends happening in today's banking. Mr. Harihar Devam's article 'सत्यनिष्ठा - प्रेरणा एवं आवश्यकता' And Mr. Ankit Jain's article 'कठिन मेहनती बनाम स्मार्ट मेहनती' have also been included to provide a varied reading experience. Apart from this, reports on various activities, functions organized at different levels of the bank have also been published in this issue.

In addition to the above, this issue includes activities related to Official Language implementation and awards and honors received by the bank. I believe that diverse content of the issue will improve the experience of our readers. I request all Barodians to keep contributing for the magazine and let us know your feedback/suggestions so that we can improve the content of this magazine in the ensuing issues. You can send your feedback through the feature of comment, like available in 'Bob Abhivyaakti' app besides mailing it to us on bobmaitri@bankofbaroda.com.

With best wishes,

Sanjay Singh



The Utility of Data Analytics to Make Banks More Productive and Customer Oriented In India

Data analytics is the process of collecting, processing and analyzing large sets of data to extract valuable insights and make data-driven decisions. It involves using statistical and computational techniques to identify patterns, trends and relationships in data that can help organizations gain a deeper understanding of their operations, customers and market.

WHAT IS DATA ANALYTICS?

Data analytics is the process of collecting, processing and analyzing large sets of data to extract valuable insights and make data-driven decisions. It involves using statistical and computational techniques to identify patterns, trends and relationships in data that can help organizations gain a deeper understanding of their operations, customers and market. The process of data analytics typically involves several steps, including:

1. **Data Collection** : Data is collected from various sources, such as databases, sensors and other platforms.
2. **Data Cleaning** : The collected data is cleaned, organized and formatted to ensure accuracy and consistency.
3. **Data processing**:- The data is processed using statistical and computational techniques, such as machine learning algorithms, to extract insights and identify patterns.
4. **Data visualization**:- The insights are presented in a visually appealing and easy-to-understand format, such as charts, graphs and dashboards.

5. **Data interpretation**:- The insights are interpreted and used to make data-driven decisions.

Data analytics is widely used across industries, including finance, healthcare, retail and manufacturing, to improve decision-making, optimize operations and drive growth. With the increasing availability of data and advancements in technology, data analytics is becoming an increasingly important tool for businesses and organizations of all sizes.

WHAT IS THE NEED OF DATA ANALYTICS IN BANKING INDUSTRY?

Data analytics is essential in the banking industry due to the massive amounts of data generated by banks every day. The need for data analytics in the banking industry is because it helps banks make data-driven decisions, understand customer behavior, reduce fraud, manage risk and comply with regulations.

Banks in India are increasingly using data analytics to gain insights into customer behavior, market trends and regulatory changes. There are some big banks like HDFC Bank, ICICI Bank, Axis Bank, State Bank of India (SBI), Kotak Mahindra Bank,

Bank of Baroda and Punjab National Bank (PNB) along with medium & small size banks like Yes Bank, Federal Bank and IndusInd Bank, who have used Data Analytics successfully in the recent past and looking forward to use it in a more prominent manner.

These banks have implemented a data analytics platform to analyze customer data and provide personalized services and products to its customers. It analyzes customer data to identify their needs and preferences and offers customized financial products and services. The bank also uses machine learning algorithms to detect fraud and prevent money laundering. Here are some specific reasons why data analytics is essential in the banking industry:

1. **Customer insights:-** By analyzing customer data, banks can gain valuable insights into customer behavior, such as spending patterns, creditworthiness and demographics. These insights can be used to create targeted marketing campaigns, personalize customer experiences and develop new products and services.
2. **Fraud detection, prevention and Real-time monitoring:-** Data analytics can help banks identify fraudulent activities such as credit card fraud, money laundering and account takeover. By using machine learning algorithms and other analytical tools, banks can detect patterns and anomalies in customer data and transaction history, enabling them to identify and prevent fraudulent activities before they cause significant losses. Data analytics can be used to monitor transactions in real-time, enabling banks to identify and respond to potential fraud or suspicious activity immediately.
3. **Risk Management :-** Banks are consistently exposed to various types of risks, including credit risk, market risk and operational risk. Data analytics can help banks identify, measure and manage these risks by analyzing historical data, monitoring market trends and predicting future outcomes.
4. **Compliance:-** The banking industry is heavily regulated and banks are required to comply with various laws and regulations, such as KYC (Know Your Customer), AML (Anti- Money Laundering) and GDPR (General Data Protection Regulation). Data analytics can help banks ensure compliance by tracking and analyzing

customer data, monitoring transactions and identifying potential violations.

5. **Operational efficiency: -** Data analytics can help banks optimize their operations by identifying areas for improvement, such as reducing costs, improving customer service and streamlining processes.
6. **Customer Segmentation:** Data analytics can help banks segment customers based on their needs and preferences, allowing banks to offer more personalized products and services to their customers.
7. **Marketing and Sales:-** Banks use data analytics to identify potential new customers, target specific customer segments and optimize marketing campaigns. By analyzing customer data, banks can gain insights into customer preferences, needs and behavior, which can be used to create more effective marketing campaigns and targeted offers.
8. **Predictive modeling:** Banks can use data analytics to create predictive models that help them anticipate customer needs and behavior, such as predicting which customers are most likely to default on loans or which products are likely to sell well.
9. **Credit risk assessment and Investment analysis:** Data analytics can help banks assess credit risk by analyzing customer data, such as credit scores, income and employment history, to determine whether a customer is likely to default on a loan. Data analytics can help banks analyze investment opportunities by analyzing market trends, financial statements and other data to identify potential risks and opportunities.
10. **Competitive advantage:** Data analytics can provide banks with a competitive advantage by enabling them to make data-driven decisions that improve customer satisfaction, reduce costs and increase revenue.

Data analytics is critical to the success of the banking industry because it helps banks make better informed decisions, improve operational efficiency, reduce costs and enhance customer satisfaction.

SWOT ANALYSIS OF DATA ANALYTICS IN BANKING INDUSTRY IN INDIA

SWOT analysis of the use of data analytics in the banking industry in India can help in understanding

the strengths, weaknesses, opportunities and threats associated with this technology. Here's a SWOT analysis of the use of data analytics in the banking industry in India:

STRENGTHS: -

1. **Improved customer experience:-** With the use of data analytics, banks can provide personalized services, improve their products and offer tailor-made solutions to customers, leading to improved customer satisfaction.
2. **Fraud detection and prevention: -** Data analytics can help banks identify and prevent fraud by detecting unusual activity and patterns.
3. **Improved decision-making:-** Data analytics helps banks to make informed decisions based on real-time data, resulting in improved decision-making and faster response times.
4. **Risk mitigation and improved risk management:-** Data analytics can help banks to better manage risks by analyzing creditworthiness, predicting delinquencies and identifying trends in the market. It helps banks to identify and mitigate risks, reducing potential losses.
5. **Enhanced operational efficiency:-** Data analytics can help banks to automate manual processes, reduce turnaround time and improve operational efficiency. It streamlines their operations, reducing costs and improving efficiency.

WEAKNESSES: -

1. **High implementation costs:-** Implementing data analytics solutions can be expensive for banks, especially for smaller players in the market.
2. **Lack of skilled professionals:-** The banking industry in India faces a shortage of skilled professionals with expertise in data analytics and machine learning.
3. **Data quality: -** Poor data quality can impact the accuracy of data analytics results and make it difficult for banks to make informed decisions.
4. **Security risks:** Data analytics involves the handling of sensitive information which poses security risks if not handled properly.
5. **Regulatory compliance:** The use of data analytics must comply with various regulatory requirements, including data privacy and data protection laws, anti-money

laundering regulations and risk management guidelines. Banks need to ensure that their use of data analytics is compliant with all such regulations which can be a significant challenge.

OPPORTUNITIES: -

1. **Increased use of artificial intelligence (AI):-** The use of AI in data analytics can help banks to improve decision-making, enhance fraud detection and provide personalized services.
2. **Collaboration with fintech companies:-** Collaboration with fintech companies can help banks to leverage their expertise in data analytics and machine learning.
3. **Use of big data:-** The use of big data can help banks to gain insights into customer behavior, market trends and regulatory changes.
4. **New revenue streams:-** By analyzing customer data, banks can identify new revenue streams, such as cross-selling and upselling opportunities.
5. **New products and services:-** With data analytics, banks can develop new products and services tailored to customer needs and preferences.

THREATS: -

1. **Cybersecurity risks:-** The use of data analytics can increase the risk of cyber-attacks and data breaches, which can harm the reputation of banks and result in financial losses.
2. **Regulatory challenges:-** The regulatory environment in India is complex and banks must comply with multiple regulations which can impact the implementation of data analytics solutions.
3. **Competition from non-banking players:-** Non-banking players, such as fintech companies and digital wallets, are entering the market and they have expertise in data analytics and AI.
4. **Data privacy concerns:-** The handling of customer data raises privacy concerns and banks must ensure that they comply with relevant laws and regulations.
5. **Data overload:-** Banks may struggle to manage and analyze the large volumes of data generated by data analytics, leading to information overload and analysis paralysis.

PREREQUISITES OF USING AND IMPLEMENTING DATA ANALYTICS IN BANKS

Before implementing data analytics in banks in India, there are several prerequisites that need to be met to ensure success. Here are some of the key prerequisites:

- 1. Data quality:-** The quality of data is critical for the success of data analytics in banks.

Banks need to ensure that their data is accurate, complete and consistent. This requires proper data management practices and quality control processes.
- 2. Technology infrastructure:-** Banks need to have the right technology infrastructure to support data analytics. This includes hardware, software and network infrastructure. Banks may need to invest in new technology to support data analytics.
- 3. Skilled workforce:-** Banks need to have a skilled workforce with expertise in data analytics. This includes data scientists, analysts and other professionals with expertise in data management, data modelling and statistical analysis.
- 4. Data governance:-** Banks need to have proper data governance policies and procedures in place. This includes data security and privacy policies, as well as policies for data retention and access.
- 5. Regulatory compliance:-** Banks need to ensure that their use of data analytics is compliant with regulatory requirements. This includes data privacy and data protection laws, as well as regulatory requirements for risk management and reporting.
- 6. Clear business objectives:-** Banks need to have clear business objectives for their use of data analytics. This includes defining the specific business problems that data analytics will help to solve, as well as identifying the specific outcomes that they hope to achieve.

Implementing data analytics in banks in India requires a significant investment in terms of technology, people and processes. Banks need to ensure that they have the right prerequisites in

place to ensure success, including data quality, technology infrastructure, skilled workforce, data governance, regulatory compliance and clear business objectives.

CONCLUSION:-

In conclusion, the utility of data analytics in the banking industry in India is significant and far-reaching.

Data analytics is transforming the way banks operate, helping them to gain insights into customer behavior, market trends and regulatory changes. The usage of data analytics is helping banks to improve their operations, provide better services to customers and gain a competitive edge in the market.

By using data analytics, banks in India are able to make informed decisions, reduce operational costs and mitigate risks. It helps in detecting and preventing fraud, providing personalized services to customers and improving customer experience. Banks are also able to identify cross-selling and upselling opportunities and make more accurate credit risk assessments. Data analytics is also helping banks to ensure compliance with regulatory requirements, such as data privacy and data protection laws.


As the banking industry in India becomes more competitive and customer-centric, the usage of data analytics will become increasingly important. Banks that are able to leverage data analytics will have a significant advantage over their competitors in terms of customer satisfaction, operational efficiency and profitability.

Overall, the utility of data analytics in the banking industry in India cannot be underestimated. The insights and intelligence provided by data analytics are critical for banks to remain competitive, compliant and customer-centric.

❖❖❖



Dr. Satyendra Kumar
Chief Manager
Baroda Academy, Bhopal



कठिन मेहनती बनाम स्मार्ट मेहनती (Hard Working Vs Smart Working)

मेहनत और संयम जीवन के महत्वपूर्ण तत्व हैं जो हमें सफलता की ओर ले जाते हैं। हालांकि, मेहनत करने के तरीके और दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकते हैं। हार्ड वर्किंग और स्मार्ट वर्किंग दो ऐसे प्रमुख दृष्टिकोण हैं जिनका उपयोग करके लोग अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। इन दोनों मेहनत के तरीकों में अंतर होता है और हमें यह समझना चाहिए कि कौन सा तरीका सबसे उपयोगी हो सकता है।

स्मार्ट मेहनत और कठिन मेहनत, ये दोनों ही कामकाजी तरीके हैं जिन्हें लोग सफलता को प्राप्त करने के लिए अपनाते हैं। ये दोनों ही कार्य को पूरा करने के एक तरीके हैं, लेकिन इनमें अंतर होता है।

मेहनती कार्य करने वाले लोग अपने काम में अधिक समय व्यतीत करते हैं और अपनी मेहनत और तपस्या से सफलता को प्राप्त करते हैं। ये लोग अपने काम में बहुत मेहनत और ईमानदारी से लगे रहते हैं। उन्हें लगता है कि कामकाज के लिए लम्बे समय का उपयोग करना और अधिक परिश्रम करना जरूरी है। वे निरंतर अपने लक्ष्य की ओर प्रगति करते रहते हैं और कठिनाइयों के सामने संघर्ष करते हैं।

वहीं, बुद्धिमान कार्य करने वाले लोग अपने काम में तकनीकी और विचारशील दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। वे समय की बचत करते हैं और कार्य को सम्पूर्ण करने के लिए अपने विचारों और योजनाओं को संगठित करते हैं। ये लोग अपने काम को पूरा करने के लिए अपनी बुद्धिमत्ता और नवाचार का उपयोग करते हैं। वे समस्याओं को समझते हैं, उन्हें हल करने के लिए नए और अद्वितीय तरीकों को खोजते हैं और समय और संसाधनों का समुचित उपयोग करते हैं। इन लोगों का मकसद अपने काम को सरल और उच्चतर तरीके से करना होता है।

हार्ड वर्किंग और स्मार्ट वर्किंग में अंतर होता है। हार्ड वर्किंग वाले लोग सामान्यतः ज्यादा समय तक मेहनत करते हैं, जबकि स्मार्ट वर्किंग वाले लोग समय प्रबंधन और योजना बनाने पर जोर देते हैं। स्मार्ट वर्कर्स के

पास योजना और रणनीति का एक मजबूत निर्देशिका होती है, जिससे उन्हें कार्य को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से करने में मदद मिलती है।

सामान्यतः, स्मार्ट वर्किंग वाले लोग प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हैं और अपनी मेहनत को सही दिशा में निर्देशित करते हैं। वे नए और सुगमतर तरीकों का उपयोग करते हैं जो उन्हें काम को पूरा करने में मदद करते हैं और समय की बचत करने में सहायता प्रदान करते हैं। इसके विपरीत, हार्ड वर्किंग वाले लोग अक्सर अतिरिक्त समय और मेहनत करके अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी उनका काम व्यर्थ भी हो सकता है।

इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए एक बेहतर और संतुलित तरीके का चयन करें। हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सही योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने के लिए अपनी मेहनत का स्मार्ट तरीके से उपयोग करना चाहिए। हमें नवीनता और नई तकनीकों का उपयोग करके काम को सुगम बनाने और समय की बचत करने के लिए स्मार्ट तरीकों का अनुसरण करना चाहिए।

अंततः, हार्ड वर्किंग और स्मार्ट वर्किंग दोनों के अपने महत्व हैं, लेकिन जरूरी है कि हम अपने मेहनती दृष्टिकोण की समय-समय पर समीक्षा करें और यह देखें कि क्या हम अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए स्मार्ट तरीकों का उपयोग कर सकते हैं। सही योजना और मेहनत के साथ स्मार्ट वर्किंग हमें समय की बचत करने में सहायता प्रदान कर सकती है, जो हमारे लक्ष्यों की प्राप्ति में हमें मदद करेगी।



अंकित जैन
व्यवसाय सहायक,
अंचल कार्यालय, भोपाल

भोपाल अंचल में विशेष व्यावसायिक बैठक



दिनांक 15 अप्रैल, 2023 को श्री दिनेश पंत, मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) की गरिमामयी उपस्थिति तथा श्री नीलब चन्द्र राय, उप अंचल प्रमुख, भोपाल अंचल की अध्यक्षता में भोपाल स्थित विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुखों के साथ शाखा के परिचालन से संबंधित मुद्दों पर बैठक आयोजित की गई। उक्त अवसर पर श्री विपिन कुमार गर्ग, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क), मध्य प्रदेश, श्री सुरेश कुमार तलरेजा, क्षेत्रीय प्रमुख, भोपाल क्षेत्र, विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अंचल कार्यालय, भोपाल के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

कोल्हापुर क्षेत्र द्वारा डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कार्यक्रम



दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, कोल्हापुर में डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती मनायी गयी। कार्यालय में उपस्थित सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा बाबासाहेब को पुष्पांजलि दी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रशांत अवाढ़ एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

रायपुर क्षेत्र द्वारा जन सुरक्षा योजनाओं के लिए संतृप्ति अभियान



दिनांक 5 जून, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा जन सुरक्षा योजनाओं के लिए जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बैंक के ग्राहक एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश सिकारा एवं जनपद पंचायत सीईओ सुश्री रुही तथा बैंक की ओर से क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित बैनर्जी एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के माध्यम से ग्राहकों को जन सुरक्षा योजनाओं के संबंध में अवगत कराया गया।

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन



बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा सभी शाखा प्रमुखों की व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविन्द कुमार द्वारा विभिन्न व्यवसाय मानदंडों पर शाखाओं की समीक्षा की गई।

जबलपुर क्षेत्र में व्यावसायिक समीक्षा बैठक



दिनांक 30 अप्रैल, 2023 को जबलपुर क्षेत्र के शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक श्री कुमार नरेंद्र, क्षेत्रीय प्रमुख, जबलपुर क्षेत्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान विभिन्न व्यावसायिक मानदंडों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले शाखा प्रमुखों को सम्मानित किया गया। इस दौरान उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री हरिओम उपाध्याय एवं शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

भोपाल क्षेत्र द्वारा शिक्षा मेले में सहभागिता



दिनांक 30 जून, 2023 को राजस्थान पत्रिका की ओर से आयोजित शिक्षा मेले में भोपाल क्षेत्र द्वारा स्टॉल लगाई गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख, भोपाल श्री अखिलेश कुमार की उपस्थिति में कक्षा 12 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

कानपुर मेट्रो क्षेत्र द्वारा पुलिस सैलरी पैकेज खातों के लिए बैठक



दिनांक 30 जून, 2023 बड़ौदा पुलिस सैलरी पैकेज के खातों के लिए बैंक द्वारा किए गए MOU के संबंधों को घनिष्ठ करने के उद्देश्य से कानपुर मेट्रो के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सचिन वर्मा ने कानपुर कमिश्नरेट डीसीपी पश्चिम के श्री विजय धुल एवं डीसीपी हेड क्वार्टर, श्री तेजस्वरूप सिंह से मुलाकात की।

नाशिक क्षेत्र द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर विभिन्न आयोजन



दिनांक 11 अप्रैल, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, नाशिक में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनायी गई। कार्यालय में उपस्थित सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा महात्मा फुले के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि दी गई। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मयंक भूषण, मुख्य प्रबंधक श्री प्रसन्न पुरोहित, मुख्य प्रबंधक श्रीमती चारुशिला बनकर एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

सोलापुर क्षेत्र द्वारा डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर कार्यक्रम



दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, सोलापुर में डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गई। उपस्थित सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा डॉ. बाबासाहेब को पुष्पांजलि दी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजीवन कुमार एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

अमरावती क्षेत्र द्वारा ग्राहक संपर्क पहल कार्यक्रम का आयोजन



अमरावती क्षेत्र द्वारा दिनांक 19 मई, 2023 को अमरावती के प्रतिष्ठित सिटी लेंड व्यापारी संकुल में क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती रुची शिवलिहा की अध्यक्षता में ग्राहक संपर्क पहल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिष्ठित ग्राहक उपस्थित रहे।

Credit Officers Conclave, Trivandrum Region



Trivandrum Region conducted Credit Officers' conclave on 08th May, 2023 at Trivandrum. In this event all Credit Officers of the Region participated. Credit Officers, who have given their Best Performance for Financial 2022-2023 were felicitated by Regional Head Shri Padma Kumar J, DRM Shri Dilshob MK, SMS Head, Shri Omprakash & Credit Head Shri Haridas.

वाराणसी क्षेत्र द्वारा व्यवसाय समीक्षा बैठक आयोजित



दिनांक 17 जून, 2023 को श्री राजेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख लखनऊ अंचल की अध्यक्षता में वाराणसी क्षेत्र के शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री नीलमणि, क्षेत्रीय प्रमुख व श्री हरिशंकर प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख, वाराणसी क्षेत्र उपस्थित रहे।

नई दिल्ली अंचल द्वारा आईआईएफटी के साथ शिक्षा ऋण हेतु एमओयू



दिनांक 07 जून, 2023 को आईआईएफटी के साथ शिक्षा ऋण के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर अन्य अधिकारियों के साथ श्री राकेश कुमार शर्मा, अंचल प्रमुख, नई दिल्ली और श्री निशांत कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख, दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र उपस्थित रहे।

भा.रि.बैं. की टाउन हॉल मीटिंग में अंचल कार्यालय, बेंगलूर की सहभागिता



दिनांक 12 जून, 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित टाउन हॉल मीटिंग में बेंगलूर अंचल द्वारा बैंक की स्टॉल लगाई गई। इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी, सहायक महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार सिन्हा, विपणन विभाग के प्रमुख श्री ए.एन.जागीरदार तथा बैंक के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अंचल कार्यालय, बेंगलूर द्वारा ऑटो डीलर मीट का आयोजन



दिनांक 16 जून, 2023 को अंचल कार्यालय, बेंगलूर द्वारा ऑटो डीलर मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बेंगलूर नगर के 250 कार डीलर उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री देवव्रत दास, उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी, बेंगलूर के सभी क्षेत्रीय प्रमुख, उप क्षेत्रीय प्रमुख, एवं कार टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

पुणे अंचल एवं क्षेत्र की कार्ययोजना बैठक का आयोजन



दिनांक 10 जून 2023 को पुणे अंचल एवं क्षेत्र की व्यवसाय समीक्षा तथा कार्ययोजना बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री सी एम त्रिपाठी, उप अंचल प्रमुख, पुणे अंचल, श्री जे एन चोपड़ा, मुख्य महाप्रबंधक कार्पोरेट कार्यालय उपस्थित रहे।

खेड़ा क्षेत्र के शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक का आयोजन



दिनांक 15 जून, 2023 को महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अहमदाबाद अंचल श्री अश्विनी कुमार की अध्यक्षता में खेड़ा क्षेत्र के शाखा प्रबंधकों के साथ व्यवसाय विकास की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों को सम्मानित करते हुए महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अहमदाबाद अंचल श्री अश्विनी कुमार, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री. राकेश चलवरिया, क्षेत्रीय प्रमुख, खेड़ा क्षेत्र, श्री अमित कुमार सिन्हा तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख, खेड़ा क्षेत्र श्री अजय आर्य।

पुणे अंचल को भीष्म पितामह सम्मान प्रदत्त



दिनांक 24 से 26 अप्रैल 2023 को कार्पोरेट कार्यालय द्वारा आयोजित डिजिटल कॉन्क्लेव के दौरान डिजिटल के विभिन्न मानदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुणे अंचल को भीष्म पितामह सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में तत्कालीन कार्यपालक निदेशक श्री देवदत्त चाँद, कार्यपालक निदेशक श्री जाँयदीप दत्ता राय एवं श्री ललित त्यागी भी उपस्थित रहे।

अजमेर क्षेत्र में ऋण वितरण कैंप का आयोजन



दिनांक 26 मई, 2023 को ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन व निधन परिवारों के आजीविका संवर्द्धन से संबंधित परियोजनाओं की क्रियान्विति हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा अजमेर क्षेत्र एवं राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में केकड़ी ब्लॉक में स्वयं सहायता समूह ऋण वितरण कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अजमेर क्षेत्रीय प्रमुख श्री नितिन अग्रवाल एवं जिला परियोजना प्रबंधक श्री यू.डी पठान की उपस्थिति रहे।

उदयपुर क्षेत्र के प्रतापगढ़ जिले में ऋण वितरण कार्यक्रम



उदयपुर क्षेत्र के प्रतापगढ़ जिले में राजीविका समूह के 100 स्वयं सहायता समूहों को क्षेत्रीय प्रमुख श्री उदेश कुमार एवं जिला विकास प्रबन्धक नाबार्ड श्री महेंद्र डुडी द्वारा 5 करोड़ के ऋण तथा अन्य कृषि योजनाओं में 3 करोड़ के ऋण विवरित संवितरित किए गए।

झुंझुनू क्षेत्र में जिला स्तरीय परामर्श एवं समीक्षा समिति की बैठक



दिनांक 19.06.2023 को झुंझुनू जिले में जिला स्तरीय परामर्श एवं समीक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान झुंझुनू जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव, क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिनेश आर्य एवं कार्यवाहक सहायक अग्रणी जिला प्रबंधक श्री पवन कड़वासरा व सभी बैंकों के जिला स्तर के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दूनी शाखा, सवाई माधोपुर क्षेत्र द्वारा पेंशनर जागरूकता शिविर आयोजित



दिनांक 3 जून, 2023 को दूनी शाखा द्वारा पेंशनर ग्राहकों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें बैंकिंग उत्पाद एवं सेवाओं के विषय में जानकारी दी गई। साथ ही, बैंक द्वारा वरिष्ठ जनों को प्राथमिकता से सेवाएँ प्रदान करने, विशेष ब्याज दरों पर सावधि जमा आदि के विषय में बताया गया। इस अवसर पर दूनी शाखा प्रमुख श्री ज्ञान सिंह मीना, संयुक्त प्रबन्धक, पेंशनर ग्राहक एवं अन्य ग्राहक उपस्थित रहे।

कोलकाता मेट्रो क्षेत्र द्वारा व्यवसाय समीक्षा बैठक आयोजित



कोलकाता मेट्रो क्षेत्र द्वारा दिनांक 14 जून, 2023 को व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कोलकाता अंचल के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार तिवारी ने की। समीक्षा बैठक में उप महाप्रबंधक सुश्री मौसमी मित्रा, नेटवर्क उप महाप्रबंधक श्री रंजीत कुमार मण्डल और कोलकाता मेट्रो क्षेत्र के सहायक महाप्रबंधक श्री कल्लोल विश्वास, उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री आनंद कुमार और कोलकाता मेट्रो क्षेत्र के सभी शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

Digital Business Review Meet, Ernakulam Zone



Digital Business Review Meet was conducted by Chief Digital Officer, Mr. Akhil Handa for Ernakulam zone on 9th July, 2023. General Manager and Zonal Head Shri Sreejith Kottarathil along with Regional Heads and Deputy Regional Heads participated in the meeting. The focus was primarily on Digital Channels and platforms, merchant acquiring, digital lending platforms and Start-Up solutions. During the session, CDO interacted with Top 25 merchants of the Zone, top corporate and start-up clients.

कोटा क्षेत्र द्वारा डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम



दिनांक 14 अप्रैल, 2023 को डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय कोटा में क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेज सिंह मीना द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्जित कर उनके विचारों को याद किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जयपुर अंचल में मंथन कार्यक्रम का आयोजन



मासंप्र विभाग, अंचल कार्यालय, जयपुर के तत्वावधान में मानव संसाधन प्रबंधन से सम्बंधित नवोन्मेषी प्रयासों, अंचल के क्षेत्रों में मानव संसाधन से सम्बंधित मामलों तथा क्षेत्रीय विभाग प्रमुखों के साथ विभिन्न मुद्दों की समीक्षा करने के उद्देश्य से मंथन सम्मेलन का आयोजन दिनांक 17 मई, 2023 को किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन अंचल प्रमुख श्री कमलेश कुमार चौधरी द्वारा किया गया। उप अंचल प्रमुख श्री सुधांशु शेखर खमारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान श्री ब्रजेश कुमार सिंह मुख्य महाप्रबंधक; मासंप्र विभाग सहित श्रीमती स्वप्ना बंधोपाध्याय, महाप्रबंधक मासंप्र विभाग, बी सी सी मुंबई द्वारा टीम्स के माध्यम से प्रतिभागियों को सम्बोधित किया गया।

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई द्वारा खानवेल में एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन



दिनांक 28 मई, 2023 को बैंक ऑफ बड़ौदा, कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई द्वारा खानवेल में एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री ए के खुराना रहे। इस अवसर पर बैंक के लगभग 250 वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की।

नवलगढ़ शाखा झुंझुनू द्वारा ऋण वितरण समारोह का आयोजन



दिनांक 22 जून, 2023 को डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना-2022 के अंतर्गत ऋण वितरण कार्यक्रम के दौरान नवलगढ़ शाखा द्वारा सहभागिता की गई। इस अवसर पर झुंझुनू जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, महाप्रबंधक(जिला उद्योग केंद्र) श्री अभिषेक चौपदार व कार्यवाहक सहायक अग्रणी जिला प्रबंधक श्री पवन कड़वासरा उपस्थित रहे।

सूरत जिला क्षेत्र द्वारा ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन



दिनांक 17 मई, 2023 को सूरत जिला क्षेत्र द्वारा एसएमई मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्द्रकान्त चक्रवर्ती ने की। इस दौरान ग्राहकों को एसएमई ऋण, बैंक के विभिन्न उत्पाद एवं सेवाओं तथा लेन-देन एसएमएस की हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्धता तथा व्हाट्सएप बैंकिंग आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री नरेन्द्र पाण्डेय, मुख्य प्रबन्धक, अग्रिम विभाग श्री संदीप कुमार सहित स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

गोधरा क्षेत्र में व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन



दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को दाहोद में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान गोधरा क्षेत्र-II के श्रेष्ठ कार्य-निष्पादक शाखा प्रमुखों को अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री रोहित कुमार सहित क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य एवं शाखाओं के शाखा प्रमुख भी उपस्थित रहे।

गोरखपुर क्षेत्र द्वारा रोजगार मेले में सहभागिता



गोरखपुर क्षेत्र द्वारा दिनांक 13 जून, 2023 को रोजगार मेले में सहयोगिता की गयी। रोजगार मेले में 240 युवाओं को लाभार्थी नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, भारत सरकार; श्री रवि किशन, माननीय सांसद; श्री संजय कुमार मिश्र, अवर सचिव वित्तीय सेवायें विभाग, भारत सरकार; बड़ौदा यू पी ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष, श्री देवेन्द्र पाल गोवर उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ. प्र.) द्वारा रोजगार मेले का आयोजन



लखनऊ स्थित इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में दिनांक 13 जून, 2023 को छठवें रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, माननीया केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास व अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही, कार्यक्रम में श्री योगेश शुक्ला माननीय विधायक, बकशी का तालाब तथा श्री सुशील कुमार सिंह, निदेशक, वित्तीय सेवायें विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार भी उपस्थित रहे। लखनऊ में आयोजित रोजगार मेले हेतु प्रदेश स्तर पर राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ. प्र.) के संयोजक बैंक ऑफ बड़ौदा को नोडल विभाग के रूप में नामित किया गया था। श्री राजेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक व संयोजक, एस.एल.बी.सी. (उ. प्र.) के संयोजन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

जबलपुर में आयोजित लाइली बहना योजना में सहभागिता



मध्यप्रदेश शासन द्वारा नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य से लाइली बहना योजना की शुरुआत दिनांक 10 जून 2023 को माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कर-कमलों द्वारा जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की गई। उक्त योजना में बैंक ने बैंकिंग पार्टनर के रूप में अहम भूमिका का निर्वहन किया। उक्त अवसर पर बैंक के स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

भोपाल क्षेत्र द्वारा रोजगार मेले में नियुक्ति पत्रों का वितरण



दिनांक 13 जून, 2023 को भोपाल में संपन्न रोजगार मेले में क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा 3 सदस्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में बैंक की ओर से वरिष्ठ प्रबंधक- मानव संसाधन प्रबंधन विभाग श्री अदील रहमान उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान द्वारा रोजगार मेले का संयोजन



जायपुर में दिनांक 13 जून, 2023 को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान के संयोजन में सभागार, राज्य कृषि प्रबन्धन संस्थान में रोजगार मेला कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार ने अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश भर में 70000 से अधिक अभ्यर्थियों को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया गया। इस अवसर पर श्री अभिजित फूकन, आर्थिक सलाहकार, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, श्री चेतन कुमार जैन, प्रधान आयुक्त, सीजीएसटी - सीबीआईसी, भारत सरकार एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से श्री कमलेश कुमार चौधरी, संयोजक, एसएलबीसी राजस्थान एवं महाप्रबंधक, श्री सुधांशु शेखर खमारी उप अंचल प्रमुख, श्री आलोक सिंघल सहायक महाप्रबंधक सहित केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों एवं विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सहभागिता की गई।

अंचल कार्यालय, बड़ौदा द्वारा रोजगार मेले का संयोजन



देश भर में रोजगार मेला कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 13 जून, 2023 को अंचल कार्यालय, बड़ौदा के संयोजन में महात्मा गांधी नगर गृह, रावपुरा-वडोदरा में रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय रेलवे, सीबीआईसी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, इंडिया पोस्ट, सिडबी, पीएफआरडीए ईसीआईएस और अन्य सहित विभिन्न संगठनों में कुल 150 लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

बैंक में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस) - उपयोगिता एवं महत्व

क्यू मैनेजमेंट सिस्टम क्या है? बैंक में इसके प्रयोग की आवश्यकता, उपयोगिता एवं औचित्य क्या है? वर्तमान परिदृश्य में ग्राहकों के लिए कितना ग्राह्य है? वर्तमान समय के मुताबिक कितना प्रासंगिक है? नया क्यू मैनेजमेंट सिस्टम, जो मूलतः तकनीक पर निर्भर है, इसको लेकर ग्राहकों में क्या समझ है? हम इन्हें बिन्दुओं को समझने की कोशिश करेंगे।

हम जानते हैं कि बैंकिंग सेवा क्षेत्र में आती है। सभी बैंकिंग उत्पाद एवं तकनीक के केंद्र में ग्राहकों की आवश्यकता, सुविधा तथा सहूलियत को ध्यान में रखा जाता है। आज सभी बैंकों में कमोवेश एक जैसे उत्पाद एवं तकनीकें हैं। हटकर, अगर कुछ है तो बस सेवा देने का तरीका। आज सभी चीजों की नकल की जा सकती है, परन्तु सेवा देने के तरीके की नहीं। बैंक में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम सेवा देने का एक नायाब तरीका है। अतः यह व्यवस्था दूसरों से थोड़ी हटकर है। **हम भीड़ को नियंत्रित कर भीड़ से अलग हो जाते हैं।**

साधारण शब्दों में कहें तो क्यू मैनेजमेंट सिस्टम का अर्थ है ग्राहकों को कतार में खड़ा न होने देना बल्कि सेवा देने से पहले उनकी सुविधाओं का उचित का ध्यान रखना। ग्राहकों को टोकन देने के बाद, उनके बैठने के लिए उचित व्यवस्था, पीने के लिए पेय जल का प्रबंध, मनोरंजन के लिए एलईडी, साफ-सुथरा बैंक परिसर तथा अन्य जरूरी सुविधाओं का प्रबंध करना। वस्तुतः कतार प्रबंधन बैंकर तथा ग्राहकों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने का एक अवसर है। ग्राहकों से संवाद करने तथा उनकी जरूरतों को जानने का मौका मिलता है। हमें अपने उत्पादों तथा सेवाओं को बेचने एवं क्रॉस सेलिंग का सुअवसर मिलता है। वैल्यू एक्जिक्यूटिव भी अपने उत्पादों को ग्राहकों के बीच प्रमोट कर सुगमता से बेच सकता है। एक अच्छी ग्राहक सेवा ही व्यवसाय की बुनियाद है। अतः क्यू मैनेजमेंट सिस्टम सेवा का विकल्प नहीं बाध्यता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कतार प्रबंधन प्रणाली के औचित्य एवं उपयोगिता को विभिन्न कारणों से कम करके आँका जाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं। अधिकतर लोगों का मानना है कि आज सूचना एवं तकनीकी का युग है, जहां कतार घटाने या इसकी जरूरत पर ही प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। बहुत हद तक उनका मानना सही भी है। एक समय था, जब लोग कतार में लगकर बिजली का बिल भरते थे, बस, ट्रेन, सिनेमा का टिकट बुक करते थे। आज सूचना प्रौद्योगिकी में नई क्रांति के कारण सभी जरूरतों की पूर्ति घर बैठे कर लेते हैं। समाज का एक वर्ग कतार में खड़ा होने को

तौहीन समझता है। जो निरक्षर या कम पढ़े-लिखे लोग हैं वे अपने आप को मजबूर समझते हैं। तात्पर्य यह है कि कतार में कोई भी खड़ा रहना नहीं चाहता है। अब प्रश्न उठता है कि इसका समाधान क्या है? क्यू मैनेजमेंट सिस्टम ही इसका समाधान है।

हमें याद है कि एक समय में नोकिया का फोन, फिल्म कैमरा(कोडेक), एचएमटी घड़ी, पीसीओ, टाइप राइटर, फ़ैक्स मशीन, पेजर, कैसेट टेप, फ्लॉपी डिस्क तथा रोटरी फोन सर्वत्र नजर आता था। आज उसका अस्तित्व भी नहीं है। इसके प्रमुख कारण तकनीक में तेजी से बदलाव होना, अपने आप को समय के साथ न बदलना तथा ग्राहकों के मांग के अनुसार अपने उत्पाद में तब्दीली न लाना है। हमें भी समय के साथ बदलना है, अन्यथा जो आज विकल्प नजर आता है, कल वह अपरिहार्य होगा। हमें भी समय के साथ बदलना है। क्यू मैनेजमेंट सिस्टम की आदत ग्राहक एवं बैंक के हित में है। इसे अपनाना तथा इस्तेमाल करना आसान है। हमें भी इसे अपनाकर ग्राहक सेवा की एक मजबूत बुनियाद रखनी है।

क्यू मैनेजमेंट सिस्टम ग्राहकों की सुविधाओं तथा जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। ग्राहकों की भाषा में इसे सरल विकल्पों के साथ प्रयोग किया जा सकता है। चूंकि ये प्रारंभिक चरण में है; इसलिए अपनाने में थोड़ी हिचकिचाहट है परंतु समय के साथ ये मील स्तंभ साबित होगा। इस सिस्टम को अपनाने के प्रमुख लाभ हैं -प्रतीक्षा समय में कमी, बेहतर सेवा गुणवत्ता, बेहतर ग्राहक अनुभव, बेहतर सेवा संगठन, बेहतर कर्मचारी दक्षता तथा कर्मचारी संतुष्टि।

इसके अतिरिक्त, बैंकों का मूल्यांकन ग्राहक को प्रदान की जाने वाली क्यूएमएस सेवाओं में कार्यनिष्पादन के आधार पर किया जाता है। बैंक के कार्यनिष्पादन को उद्योग मानकों के अनुरूप बनाने के लिए निर्धारित विभिन्न मेट्रिक्स के साथ बेंचमार्क स्थापित किए गए हैं। यही कारण है कि क्यूएमएस के उपयोग को बढ़ावा देना बैंक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हमारे बैंक में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम(क्यूएमएस) की अक्टूबर 2019 में पायलट बेसिस पर 573 शाखाओं में शुरुआत की गई थी। इसका प्रारंभ मुंबई से किया गया था तथा इसमें सफलता के बाद भारत की 1266 शाखाओं में ग्राहक के आवागमन के आधार पर लागू किया गया था। हमारे लिए एक सुनहरा अवसर है कि हम इस सुविधा का उपयोग कर इसका भरपूर लाभ उठा सकते हैं। यह व्यवसाय वृद्धि में सहायक हो सकता है। पूर्णरूप से सिस्टम में कार्यान्वित करने से इसके फायदों का अनुभव ले सकते हैं।

हमारे बैंक में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम(क्यूएमएस) कैसे कार्य करती है इसका सांक्षिप्त ब्योरा निम्नानुसार है-

Welcome Screen: It is basically a "Touch-to Start Screen" which act as the first interface between the Customer and the kiosk.

Date and Version will be displayed at the bottom of every screen.



Customer Type Selection Screen: type of customer is selected. Back button is also provided to go back to the previous screen. Radiance option is configurable, when required it will be enabled or disabled.



Service Option Selection Screen: Customer selects single/multi services as per their requirement.



Category Selection Screen: Main Categories will be displayed to the customer and they have to opt the service as per their requirement.



Sub Category Selection Screen: main categories are divided into sub-categories provided by the Bank for opting. Cash Transaction is divided into Cash Deposit and Cash Withdrawal sub category.



Cash Deposit Category Selection Screen: sub categories of cash deposit are displayed for selection.



Cash Withdrawal Category Selection Screen: sub categories of cash withdrawal are displayed for selection.



Fund Transfer Service Selection Screen: main Fund Transfer is segregated into further sub categories.



Account Opening Service Selection Screen: Account Opening is segregated into sub categories.



Other Services Selection Screen: Other Services are segregated into sub categories.



Mobile Number Entering Screen: After selecting Service, the below mobile number entering screen will be displayed where customer has to enter their mobile number to receive an SMS against their selected service. Once the customer click on Get Token button, token will be generated.



Mobile Number Confirmation Screen: once mobile number is entered, the mobile number will be displayed in next screen as 'The mobile number you have entered is XXXXXXXXXX Press 'Yes' to confirm and 'No' to re-enter.



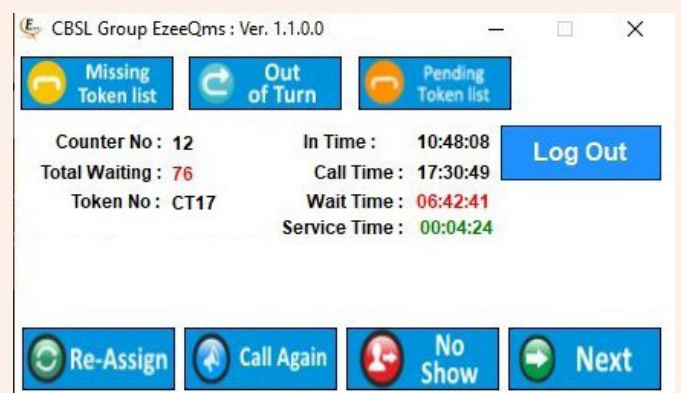
Token Display & Thank you Screen: On clicking "Yes" the token will be displayed with all the details for few seconds and receipt will be generated thanking the customer for using services.



Counters Call Application (Web)



Below is the dashboard for counter Call display, click on the next button to call the customer



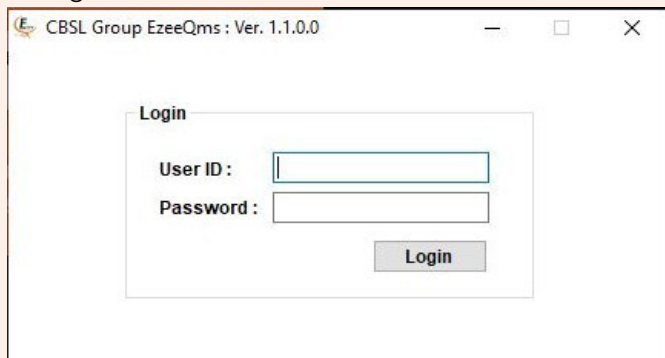
Missing Token List Out of Turn

Break

Re-Assign Call Again No Show Next

Pending Tokens Token Details Total Waiting Sign Out

Login Screen: This is the home screen and the user has to Login with their credentials.



Counter Call Main Screen: This is the main screen for counter Call display



Image 1.2 (TV Display part 1)

Token Calling Details will include the token number which is to be called next form the queue. The screen is divided into the ratio of 60:40 respectively.

Token Calling Details		Expected Wait Time Details		
Token No	Counter No	TOKEN NO	SERVICE ID	EWT
		CT1	1	00:10:00
		CT2	2	00:05:00
		FT3	9	00:10:00
		CT4	1	00:14:00
		CT5	3	00:15:00
		CT6	1	00:24:00
		CT7	1	00:29:00

ग्राहकों एवं स्टाफ के लिए बैंक में अनुशासन स्थापित करने में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम(क्यूएमएस) एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैंक के रोजमर्रा के काम काज में सहूलियत होती है। बैंक परिसर का माहौल खुशनुमा एवं तनावरहित होता है। जैसे घड़ी डिटर्जेंट के विज्ञापन में कहा गया है- पहले इस्तेमाल करें फिर विश्वास करें। हम भी क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस) के संबंध में कहना चाहते हैं — पहले इस्तेमाल करें फिर विश्वास करें। एक बार इसे पूर्णरूप से प्रयोग करके देखें, आप इसके प्रशंसक बन जाएंगे। एक फिल्म में अमिताभ बच्चन जी का डायलॉग है — हम जहां खड़े होते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है। क्यू मैनेजमेंट सिस्टम(क्यूएमएस) कहता है, मैं जहां खड़ा होता हूँ लाइन वहीं समाप्त होती है। आइये इसे अपनाएं एवं सफल बनाएँ।



किशोरी दास

मुख्य प्रबंधक

लॉकर, क्यूएमएस एवं नमूना हस्ताक्षर विभाग
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

Bank Bags Cloud Innovation Awards 2023



Our Bank wins CXO TV's Cloud Innovation Awards 2023 in the Smart Digital Category. Shri Girish Mansani, DGM, Digital Banking received the honor on behalf of the Bank.

Bank Receives Golden Mikes Awards 2023



Bank shines at Golden Mikes Awards 2023 with Gold medal in the Radio-Innovation category for Best Use of Sponsorship in an On-Air/On-Ground Radio Campaign for LALBAUGH LIVE, Silver for the Radio-Creativity category for Best Single Commercial-Insurance, Banking & Financial Services for the 115 Hours of RJ Marathon campaign and Bronze in the Radio-Promotion category for Best on Ground Promotion for/by a Brand-Single Radio Station for the Foundation Day.



De-dollarization: A Myth or Reality?

Advent of US dollar as the world's reserve currency

A reserve currency is a currency which is held by central banks in significant quantities. It is also widely used in international trade and financial transactions. The Bretton Woods Agreement formally crowned dollar as the world's reserve currency in 1944, replacing the pound sterling. Under this agreement, a total of 44 countries agreed to accept US dollar as the official reserve currency. Soon enough, more countries pegged their currencies to the dollar, which in turn was pegged to gold.

While this helped in bringing calm to the foreign exchange market in the beginning, increasing expenditure by the US necessitated the need for printing more dollars. As a result, the supply of dollars was much more than the actual gold reserves leading to a run on gold. This necessitated the need for decoupling of dollar from gold which gave birth to the floating exchange rates which are still in use today.

Dollar remains the world's reserve currency even today, a place that it has continued to hold for more than 70 years. It not only accounts for more than 50% of total world reserves, but a majority of the global trade is also invoiced in dollar terms. As per estimates by the Bank for International Settlements (BIS), dollar accounted for 88% of the world's total transactions in 2022. This gives dollar a dominance over other major currencies.

What is de-dollarization and why has it gained importance?

In recent times, there has been increasing talks of de-dollarization. This essentially challenges the dollar's domination in global transactions. De-dollarization entails reducing the reliance on the dollar, by undertaking trade and other financial transactions in other currencies. This also means that foreign exchange reserves are diversified, in either other currencies or alternate sources such as gold etc.

The issue has gained more traction recently due to two primary reasons. First, because of the overwhelming amount of transactions involving dollars and the increased interlinkages between nations, US monetary policy decisions have a wide ranging economic impact on other countries as well. This was true during the taper tantrum episode of 2013, when quantitative tightening by the Federal Reserve resulted in a rush of foreign outflows from several emerging countries including India, which led to increased foreign exchange volatility.

Second, due to its dominant position, US can and has waged economic war against countries through sanctions. This in fact happened in case of Iran and Venezuela in the past and more recently in case of Russia. In 2022, US imposed economic sanctions on Russia in response to Russia's invasion of Ukraine. As a result, Russia was essentially left out from the heavily US dollar dominated global financial system. However, given the importance of Russia as a major exporter of oil to several parts of the world, the sanctions led to considerable dissatisfaction in the world. Several countries tried to secure Russian oil, bypassing the US sanctions by paying for the oil in their respective currencies. There is a growing list of countries which are favoring a move away from dollar. These include Russia, Iran, China, Saudi Arabia as well as India. In fact, the BRICS nation has recently made a strong push towards a common currency for the region.

There is also chatter about the replacement for dollar as a reserve currency with alternatives such as Euro and Chinese Yuan being suggested. However, these also have their own set of problems. The share of dollar in foreign currency reserves has also seen a decline from around 71% in 2001 to 54.7% in Q1CY23. Concomitantly, global central banks have been shoring up their gold reserves, as an alternate to dollar. A recent report by World Gold Council estimated that global central banks' purchase of gold has been increasing at a steady pace and reached a record high in 2022. In the period Jan-Mar'23, global central banks bought 228.4 tons of gold, an increase of about 176%.

Is de-dollarisation feasible?

The Swift data showed that in terms of most used currency for international payments, dollar still occupies a dominant share. In fact, its share has increased to 59.7% in Apr'23 compared with 45% in Jan'19. On the other hand, Euro which is the second most used currency has seen a drop in its share in international payments to 11.5% in Apr'23 from 34.5% in Jan'19. Thus, dollar still plays a predominating vehicle currency role.

In terms of trade as well, US occupies the dominant position. As per the UNCTAD report on Global Trade Outlook 2023, US occupies the primary position (share at 13.2%) in terms of merchandise imports, followed by China (share at 10.6%) and Germany (share at 6.1%). In terms of exports as well, it is only second to China with share of around 8.3%. In terms of commercial services (both imports and exports), US holds the first rank. In the past 5 years, these shares have remained largely inflexible.

So the shine of dollar is not likely to fade overnight. As Michael Pettis in his article pointed out 'The role of the dollar in the global system of trade and capital flows is unprecedented, mainly because of the unprecedented role of the US economy in global trade and capital imbalances'. In terms of FDI inflows as well, US tops the chart, with US\$ 388 bn flows received in 2022.

Thus, an alternate to dollar does not seem feasible at least in the near to medium term. To build a case for de-dollarisation entails finding an alternate regime. In the most simple terms, the size of the US economy, the freely convertible nature of the dollar (unlike the Chinese yuan) and the relative political and economic stability of the US compared with both Europe and China, suggests that the dollar is unlikely to be replaced. Any talk of de-dollarization should hence start with reducing the concentration in global trade. This would lubricate other currencies in terms of liquidity and would facilitate greater cross border payments.

The 'hysteresis' of dollar would continue to persist even if an alternate currency as a medium of exchange is in place. It is not easy to challenge the dollar's position. A lot is contingent on the evolution of capital market which is still underdeveloped in many economies. Apart from this, transparent governance is also of utmost necessity.

However, with digital payments gaining prominence and talks about Central Bank Digital Currency (CBDC), the future discussion of de-dollarisation remains open-

ended. This could reduce switching costs and increase currency competition which in turn might promote the internationalization of new currencies.

Internationalisation of Rupee:

This is yet another dimension in cross border payments. However, for India, it comes with a lot of hiccups especially because India still has only a partial convertible capital account. RBI has recently come up with a working group report, where directives have been in place to put rupee as a lubricant currency.

It suggested adoption of a standardised approach for examining the proposals on bilateral and multilateral trade arrangements. Further it has also said that non-residents should be allowed to open rupee account outside the country.

India already has rupee arrangements with Bhutan and Nepal. Even with Sri Lanka there have been talks to extend the arrangement of similar kind. In the latest foreign trade policy a total of 18 countries, including UK, Germany, Singapore and others have agreed on making trade settlements in rupee terms.

For improving cross border payments, it is essential to identify key trading partners and the nature of trade. For India, the key trading partners for imports include China (13.8% in FY23), UAE (7.4%), US (7.1%), Russia (6.3%) and Saudi Arabia (5.9%). Hence extension of similar arrangements would be beneficial and it would first start with baby steps to increase the liquidity of rupee in these countries.

As Keynes rightly pointed out that 'The difficulty lies not so much in developing new ideas as in escaping from old ones'. Hence, ideas of either BRICs currency or the Chinese Yuan replacing the dollar, or even a more local internationalisation of currency may seem fancy, but the good ol' dollar seems irreplaceable at the current juncture and is based on its evolution with regard to share in global GDP, terms of trade and capital flows.

In conclusion, de-dollarisation would require a complete rejig of the global financial system, which seems unlikely. In 2022, dollar represented more than 90% of global foreign exchange transaction amounting to US\$ 6.6 trillion. Most of the global offshore debt is also dollar denominated and a majority of trade transactions are also invoiced in dollar terms. It is highly unlikely that any single currency pair could fit in the dollar's shoes. However, we may see a more fractured global trading system with several currencies vying for the elusive top spot.



Aditi Gupta

Senior Manager (Economist)

Economic Research Department, BCC, Mumbai



Dipanwita Mazumdar

Senior Manager (Economist)

Economic Research Department, BCC, Mumbai

“हमारा बैंक फ्यूचर रेडी बैंक है”

– श्री प्रकाश वीर राठी



श्री प्रकाश वीर राठी, मुख्य महाप्रबंधक का साक्षात्कार

श्री प्रकाश वीर राठी बैंक की सेवा से 30 अप्रैल, 2023 को मुख्य महाप्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हुए। अपनी लगभग 39 से अधिक वर्ष की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप मुख्य महाप्रबंधक (मासंप्र) के रूप में बैंक को अपनी सेवाएं दे रहे थे। टीम बॉब मैत्री ने श्री राठी से उनके व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन के संबंध में बातचीत की। प्रस्तुत हैं, बातचीत के प्रमुख अंश – संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं।

मैं गांव में एक किसान परिवार में पैदा हुआ, वहीं पला-बढ़ा। हमारे घर पर भी खेती होती थी अतः कृषि मेरी पृष्ठभूमि रही। मैं जाट परिवार से हूँ जो अधिकतर खेती का कार्य करते हैं पर मेरे पिताजी सर्विस में थे। इसलिए घर में एक मिला-जुला माहौल था। गांव के ही इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट करने के बाद मैंने अग्रणी विश्वविद्यालय गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से कृषि स्नातक की शिक्षा प्राप्त की और उसके बाद स्नातकोत्तर करते समय ही बैंक में कृषि अधिकारी के रूप में मेरा चयन हो गया। 7 अप्रैल 1984 को मैंने तत्कालीन बरेली कॉर्पोरेशन बैंक लिमिटेड की अमरोहा शाखा में कृषि अधिकारी के रूप में जॉइन किया।

आपने बैंकिंग को कैरियर के रूप में क्यों चुना ?

पढ़ाई करते समय मैं रिसर्च क्षेत्र में जाने की सोच रहा था और इस दिशा में काम भी अच्छा चल रहा था। उस समय मेरे पास कई विकल्प थे। मुझे इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च की फेलोशिप मिलती थी जो कि मेरिट के आधार पर मिलती है। मैं एथलीट था तो मुझे स्पोर्ट्स की एक स्कॉलरशिप भी मिलती थी। मुझे विश्वविद्यालय के बेस्ट स्टूडेंट की स्कॉलरशिप भी मिलती थी। इसमें से किसी एक ही स्कॉलरशिप को लिया जा सकता था अतः मैंने सबसे अधिक एवं श्रेष्ठ स्कॉलरशिप इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च की स्कॉलरशिप को चुना। इसी बीच बरेली कॉर्पोरेशन बैंक में कृषि अधिकारी की भर्ती निकली थी और उस समय मैं घर गया हुआ था। उस जमाने में हाथ से लिखकर आवेदन भेजा जाता था। मेरे पिताजी ने मुझे आवेदन भरने के लिए कहा पर मैं तैयार नहीं था। तब उन्होंने कहा कि तुम पेपर पर साइन कर दो बाकी ऐप्लिकेशन मैं भर दूंगा। मेरा फॉर्म पिताजी ने ही भरा था। फिर परीक्षा हुई और मैं पास

हो गया। इस बीच पिताजी का स्वर्गवास हो गया। हम दो भाई थे तो मैंने यह सोचा कि इस समय परिवार पर बोझ बनने के बजाय जब नौकरी मिल ही रही है तो उसे स्वीकार कर लिया जाए। ऑफर आया और मैंने उसे स्वीकार कर लिया। उसके बाद फिर न कहीं आवेदन किया और न ही कोई इंटरव्यू दिया। कई जानने वाले लोग थे जो ऑफर लेकर आए पर कहीं और नहीं गया।

मुख्य महाप्रबंधक के पद पर पहुंचने तक की आपकी यात्रा कैसी रही ? अपने समकक्ष बैंकों में बैंक ऑफ बड़ौदा को आप कहां पाते हैं ?

यात्रा चुनौतीपूर्ण होते हुए भी आनंदमय थी। 3 जून 1999 को बरेली कॉर्पोरेशन बैंक का विलय बैंक ऑफ बड़ौदा में हुआ। मैंने लगभग 15 वर्ष उस बैंक में काम किया। इस दौरान 1993 में एक बार पदोन्नति प्रक्रिया हुई परंतु उस समय मैं बरेली कॉर्पोरेशन बैंक के ऑल इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन का महामंत्री हुआ करता था और कुछ ऐसी परिस्थितियां बनीं कि मैंने उस प्रक्रिया में प्रतिभागिता नहीं की। मेरे सारे प्रमोशन बैंक ऑफ बड़ौदा में आकर ही हुए। ये सारे प्रमोशन एक ही प्रयास में हुए केवल मुख्य प्रबंधक से सहायक महाप्रबंधक श्रेणी में प्रमोशन तीसरे प्रयास में हुआ। चूंकि मैं ऑफिसर्स एसोसिएशन का महामंत्री था तो प्रबंधन के साथ मेरा सामना अलग-अलग परिस्थितियों में होता था। कभी अच्छी स्थिति बनती तो कभी अप्रिय भी। पर इन सबके बीच यात्रा जारी रही। मैंने मेहनत की और मेरी मेहनत और निष्ठा की प्रशंसा भी हुई और कुल मिलाकर मैं अपनी यात्रा से संतुष्ट हूँ।

बैंक ऑफ बड़ौदा की बैंकिंग क्षेत्र में एक अलग पहचान है। बैंक को इस मुकाम तक लाने में हमारे सभी वरिष्ठ साथियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बैंक को इतने मजबूत तरीके से आगे बढ़ाया है कि बैंक आज भी मजबूती के साथ खड़ा है। बैंकिंग उद्योग में आपको कुछ चीजें अन्य बैंकों में अच्छी मिल जाएंगी परंतु जो बड़ौदियन का जोश है वह अन्यत्र

नहीं मिलेगा। हमने बैंक के लिए अच्छा करने की कोशिश की है और मुझे भरोसा है कि आगे भी यह परंपरा जारी रहेगी।

आपको शाखा प्रमुख, क्षेत्रीय/ अंचल प्रमुख तथा कार्पोरेट विभाग प्रमुख के तौर पर कार्य करने का व्यापक अनुभव है, इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा ?

हर शाखा/कार्यालय एक नई चुनौती लेकर आता है। मैंने ग्रामीण, शहरी, अर्द्धशहरी, शहरी एवं मेट्रो सभी शाखाओं में काम किया है। स्केल II में मुझे पूरनपुर शाखा में भेजा गया था। उस शाखा का विशेष जिज्ञासा चाहूंगा। यह बहुत विषम शाखा थी। मुझे आज भी याद है कि हमने एक बार सुबह 3.30 बजे शाखा बंद की थी। वहां दिन में चार-चार बार कैश रेमिटेन्स होता था। 300-400 ग्राहकों की भीड़ लगी होती थी। वास्तव में तो वह स्केल III की शाखा थी जहां कोई जाने को तैयार नहीं रहता था। मुझे इस शाखा में यह कहकर भेजा गया कि आप बहुत अच्छा कर सकते हैं। यह शाखा मेरे कैरियर में मील का पत्थर साबित हुई। मैंने इस शाखा को बहुत अच्छे तरीके से चलाया और यहीं से मेरा स्केल III का प्रमोशन भी हुआ।

उसके पहले पहाड़ पर रामगढ़ पल्ला नामक शाखा हुआ करती थी जहां कोई जाना नहीं चाहता था। उस समय श्री खंडेलवाल कार्यपालक निदेशक थे और उन्होंने प्रमोशन की दृष्टि से मुश्किल शाखाओं में सेवा की अवधि को डेढ़ गुना मानने के निर्देश दिए थे। मेरे साथ जो लोग वर्ष 2000 में प्रमोटे हुए थे जब वर्ष 2003 में प्रमोशन प्रक्रिया आई तो वे लोग पात्र नहीं हो पाए क्योंकि उस समय 5 साल की पात्रता का मानदंड था परंतु मैं पात्र हो गया क्योंकि मेरी पोस्टिंग कठिन एवं ग्रामीण केंद्रों पर रही थी और उस सेवाकाल को डेढ़ गुना सेवाकाल माना गया। यह शाखा भी मेरे लिए विशेष रही।

अन्य भूमिकाओं में कार्य करते हुए व्यवसाय की दृष्टि से रायपुर एवं जयपुर क्षेत्र एवं राजनैतिक दृष्टि से रायबरेली क्षेत्र चुनौतीपूर्ण थी। जब मैं जयपुर अंचल का अंचल प्रमुख था तब जयपुर अंचल ने लगभग सभी मानदंडों में पुरस्कार प्राप्त कर नए व्यावसायिक आयाम स्थापित किए।

बैंक के मानव संसाधन प्रबंधन विभाग के प्रभारी के रूप में आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा ?

जब मैंने वर्ष 2020 में यह पद संभाला तो यह समामेलन का दौर था जो अपने आप में काफी चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया थी। मानव संसाधन एकीकरण की प्रक्रिया को पूरा करने में मेरी और मेरे विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही बैंक के उच्च प्रबंधन से विचार-विमर्श करके अधिकारियों-कर्मचारियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण बदलाव भी किए गए जैसे सेवा शर्तों में संशोधन, परिलब्धियों में बदलाव, ऋण, बीमा आदि से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह समय कोविड महामारी का दौर भी था जिसमें कर्मचारियों के लिए विविध योजनाएं लाना, स्टाफ सदस्यों में नया विश्वास पैदा करना आदि जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए गए। इन कामों की पूरे बैंकिंग जगत में सराहना हुई और कई बैंकों ने, यहां तक कि भारतीय रिज़र्व बैंक ने हमसे इन कार्यों की सूची, पीपीटी आदि प्राप्त की और इन कार्यों को सराहा भी।

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया ?

जब आप बैंक के लिए अधिक प्रतिबद्ध होते हैं तो इसका प्रभाव कहीं न कहीं आपके परिवार पर तो पड़ता ही है। प्रमोशन के नतीजे समय पर घोषित करने थे, अतः मैं अपने निजी काम के लिए सेवानिवृत्ति के समय भी छुट्टी नहीं ले पाया और मेरी कई छुट्टियां लैप्स हो गईं। मैं यहीं कहूंगा कि मैंने परिवार और बैंक दोनों में सामंजस्य स्थापित करने की कोशिश की और बहुत हद तक कामयाब भी रहा।

आप बैंक की गृहपत्रिका 'बॉबमैत्री' की विषय-वस्तु प्रबंधन समिति के एक अत्यंत सक्रिय सदस्य रहे हैं। बॉबमैत्री को और अधिक रुचिकर बनाने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेंगे ?

बॉबमैत्री पहले से ही एक अच्छी पत्रिका है जिसमें नित नए सुधार हो रहे हैं। मेरा सुझाव यह है कि लेख संक्षिप्त होने चाहिए ताकि पाठकों को आकर्षित कर सके। गागर में सागर की स्थिति होनी चाहिए। आलेख सम-सामयिक विषयों पर होने चाहिए। भाषा सरल होनी चाहिए। कुछ आलेख किसी विषय विशेष पर हो सकते हैं परंतु सभी आलेख एक ही विषय पर हों यह जरूरी नहीं है। अनुपालन आदि महत्वपूर्ण विषय नियमित रूप से पत्रिका का भाग होने चाहिए।

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषतः बैंक ऑफ बड़ौदा के संदर्भ में ?

बैंक ऑफ बड़ौदा भविष्य को देखकर ही काम करता है। आज बैंकिंग में बहुत परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में सजग रहना बहुत जरूरी है। इस परिवर्तनकारी दौर में हमें महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में आंतरिक समिति बनाकर उनकी राय लेनी चाहिए, केवल बाहरी समितियों पर निर्भरता नहीं रखनी चाहिए। दोनों के बीच सामंजस्य बनाकर काम किया जा सकता है क्योंकि ऐसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं जिनके बारे में आंतरिक टीम को बेहतर तरीके से जानकारी होती है। हम फ्यूचर रेडी बैंक हैं और हम हर चुनौती के लिए तैयार हैं।

व्यक्तित्व विकास एवं कैरियर विकास की दृष्टि से हिंदी भाषा के महत्व को आप किस रूप में देखते हैं ?

हिंदी हमारे बोल-चाल की भाषा है। हिंदी महत्वपूर्ण है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे समझना और समझाना दोनों ही आसान है। हमें बैंकिंग परिप्रेक्ष्य में भाषाओं में संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी को साथ लेकर चल सकते हैं। यहां एक बात मैं जरूर कहना चाहूंगा कि हिंदी भाषी क्षेत्र के लोग अपना सारा काम हिंदी में करते हैं, यह बहुत अच्छी बात है लेकिन जब वे विदेशी टेरिस्ट्रीज में पोस्टिंग हेतु इंटरव्यू देते हैं तो यह भी अत्यावश्यक है कि वे अंग्रेजी में भी दक्ष बनें क्योंकि जहां उन्हें पोस्टिंग मिलेगी वहां अंग्रेजी की प्रासंगिकता अधिक रहेगी।

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को ?

बैंक का भविष्य उज्वल है। बैंक बहुत अच्छा कर रहा है। देखिए, बैंक में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। हमें उसके लिए तैयार रहना चाहिए। अभी भविष्य में भी कई चुनौतियां आएंगी और मुझे भरोसा है कि हम उनका

सामना कर पाएंगे। हमारा बैंक भविष्य के चुनौतियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार है। बड़ौदियन ने अपनी सेवा के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। We are best and we will remain best! बैंक का 115 वर्षों का शानदार इतिहास रहा है जिसमें वरिष्ठ साथियों ने बहुत अच्छी संस्कृति विकसित की है। छोटी-मोटी चुनौतियों से बैंक हिलने वाला नहीं है। इस मौके पर मैं उन सभी वरिष्ठ साथियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिनके खून-पसीने से यह बैंक इतना मजबूत बना है। बैंक 2-3 वर्षों में नहीं बना है बल्कि 115 वर्षों की मेहनत का परिणाम है। हमारे बड़ौदियन साथियों का यह प्रयास होना चाहिए कि जब भी कोई वरिष्ठ शाखा में किसी काम से आए तो उन्हें ससम्मान सेवा प्रदान करें। साथ ही, सभी ग्राहकों को भी बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करें। प्रतिस्पर्धा की भावना

को सकारात्मक रूप से लेते हुए अनुपालन के साथ बैंक को आगे बढ़ाएं।

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे ?

इस बारे में मैंने अभी बहुत कुछ सोचा नहीं है। चूंकि मैं खेती से भी जुड़ा रहा हूँ, स्पोर्ट्सपर्सन भी हूँ, स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहता हूँ, यात्रा का भी शौकीन हूँ तो इन्हीं सब चीजों में समय व्यतीत करूंगा। जो शौक अभी तक पूरे नहीं हुए हैं उन्हें पूरा करने का बेहतरीन अवसर मिल रहा है तो इस समय का पूरा उपयोग करने का प्रयास करूंगा।

बैंक एवं बड़ौदियन साथियों के लिए आपका संदेश ?

मैं हमारे बैंक, सभी बड़ौदियन साथियों व उनके परिवारों के उज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

DANCING IN THE RAIN



Arunkumar P T
Special Assistant,
Chikmagalur Main Branch

The other day I was coming home from work and it was raining. It was too little like a sprinkler in agricultural land spraying water. Since the rain was too low, I was walking home with the usual speed, earphones plugged in, operating mobile, looking out here and there and while I was busy in that, a notification popped up on the mobile screen and it was a photo from my friend all the way from Nevada, United States which is like lowest rainfall place in there. As I was scrolling through the pictures, my mobile screen was little drenched in the little rainfall and it felt awesome to see it. A low and cool rainfall on the lowest rainfall place in the US, so i thought it would be a good interaction to send him the screenshot of rainfall on Nevada. So, I took the screenshot and there wasn't any water dripping on it and I felt so stupid to witness that. I'm not super intelligent, but i remember all the MIS Codes of a jewel loan, SHG loan and staff festival advance, So i think I know something. But it felt so stupid that I tried to take screenshot of the rain drops on my mobile using screenshot. Not my proudest moment, but said ayyoo devaa and moved on.

Moving on, at work the next day, I was at my usual stuff at cash counter, I stood up to drink water and I saw this little girl, some 6 year probably, all dressed up in a silk dress or something I don't know what they call it, anyway, she was glowing like a Diya on deepavali festival. Just by the look of it and on the ornaments she wore, I estimated the gross income of the family, schemes that we can canvas to her parents, sukanya samruddhi account in her name, maturity amount of it if they save ₹500 per month and so on. I sat down to continue the work, her mother was at cash counter and she enquired about fixed deposit for her daughter's education purpose in future. I explained few short and long

term schemes. I stood up again to give interest rate Excel and maturity amount chart prepared by officer which would help them understand the scheme in an easy and better way. While we were in the middle of the conersation, her daughter, who was in full enjoyment mode eating her chips from packet, giggling and all, suddenly became quite upset and she got up from her seat, struggled to get down from her chair and on to floor and ran few steps and hugged her. For a few seconds I couldn't realise what just happened I realised a important lesson that day. A banker me was in calculator mode thinking of business I can bring to the bank. A parent like the woman was thinking of reducing difficulties in her daughter's future by saving regularly to make her tomorrow better. But the little girl was right, she was living in the moment, she enjoyed every piece of chip she ate, laughed and giggled at everyone who waved hands at her and when the chips were over, she immediately ran to her mother because she didn't want anything else. She tore down my world of materialism and taught me life sometimes is very simple. Having fun while we're in this world and always be closer to our loved ones. I mean I'm not saying one shouldn't save for their future etc. While I was thinking in future and the mother was stuck in past about difficulties faced by her and thinking about how to reduce the toughness of her daughter life, the daughter was pretty straight forward, she lived in the moment, danced in the rain while we elders were running for the shelter because we can't afford to get sick and unable to show up for work the next day. It's important to take yesterday's lessons to better manage tomorrow, but for today, let's live a little, an insight I got from that kid will stay for many more rainy years.

भोपाल क्षेत्र द्वारा शाखा सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 20 मई, 2023 को भोपाल क्षेत्र द्वारा शाखा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान व्यवसाय विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु शाखा प्रमुखों को श्री विपिन कुमार गर्ग, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क), मध्यप्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री राम अवतार शर्मा, सहायक महाप्रबंधक, एसएमई, भोपाल क्षेत्र, श्री अशोक कुमार, सहायक महाप्रबंधक, टीटी नगर शाखा, भोपाल क्षेत्र, श्री जय प्रकाश यादव, उप क्षेत्रीय प्रबंधक, भोपाल क्षेत्र तथा विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

दुर्ग क्षेत्र द्वारा बीसी सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 07 जून, 2023 को दुर्ग क्षेत्र द्वारा बीसी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले बैंक मित्रों एवं बीसी सुपरवाईजर्स को क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद काटकर एवं नए पदस्थ क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनंत माधव द्वारा सम्मानित किया गया।

अमृतसर क्षेत्र द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 20 मई, 2023 को अमृतसर क्षेत्र की शाखाओं हेतु पठानकोट में वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन क्षेत्रीय प्रमुख श्री सतपाल मेहरा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2022-2023 में व्यवसाय के विभिन्न मानदंडों में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं और स्टाफ सदस्यों को क्षेत्रीय प्रमुख श्री सतपाल मेहरा द्वारा सम्मानित किया गया।

जालंधर क्षेत्र द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 21 अप्रैल, 2023 को जालंधर क्षेत्र द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन क्षेत्रीय प्रमुख श्री देवराज बंसवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में वित्तीय वर्ष 2022-2023 में व्यवसाय के विभिन्न मानदंडों में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं और स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया।

शिमला क्षेत्र द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 30 अप्रैल, 2023 को शिमला क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्रीपाल सिंह तोमर की अध्यक्षता में वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2022-2023 में व्यवसाय के विभिन्न मानदंडों में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं और स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर का सम्मान



दिनांक 21 जून, 2023 को नेटवर्क छत्तीसगढ़, भोपाल अंचल द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। श्री सजीव मेनन, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, भोपाल अंचल, श्री अन्मय कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक, नेटवर्क, छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर क्षेत्र की शाखाओं तथा क्षेत्रीय कार्यालय को विभिन्न पैरामीटरों में पुरस्कृत किया गया।

सम्मान समारोह/Felicitations

वाराणसी क्षेत्र द्वारा बीसी सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 13 जून, 2023 को वाराणसी क्षेत्र के बीसी एवं बीसी सखी हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान व्यवसाय के साथ राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु उन्हें सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें बैंक के उत्पादों में हिंदी भाषा का समावेश जैसे टैब से खाता खोलते समय एसएमएस हेतु हिंदी भाषा का चयन, व्हाट्स एप में हिंदी सक्रियन, बॉब वर्ल्ड एक्टिवेट करते समय हिंदी भाषा का चयन आदि की जानकारी दी गई। श्री नीलमणि, क्षेत्रीय प्रमुख आयोजित कार्यक्रम में श्री राजेश सिंह, अंचल प्रमुख, लखनऊ अंचल ने भी टीम्स एप के माध्यम से जुड़कर मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। इस समारोह में 500 से अधिक बीसी एवं बीसी सखी उपस्थित रहे।

एस एम एस अमरावती क्षेत्र को पुरस्कार



अमरावती क्षेत्र की एस एम एस शाखा को जे श्रेणी में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। दिनांक 4 मई, 2023 को कार्यपालक निदेशक श्री अजय खुराना के कर-कमलों से एस एम एस प्रमुख श्री दिलीप जयसिंघानी द्वारा पुरस्कार ग्रहण किया गया।

सूरत जिला क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 20 जून, 2023 को महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री योगेश कुमार अग्रवाल द्वारा सूरत क्षेत्र का दौरा किया गया। इस दौरान अंचल कार्यालय द्वारा चलाए गए एबीसी कैम्पेन की विजेता शाखाओं के साथ-साथ अधिकतम क्वालिटी कासा खाते खोलने वाली शाखाओं एवं पर्सनल लोन वाली शाखाओं को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख, श्री चन्द्रकांत चक्रवर्ती एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री नरेन्द्र कुमार पाण्डेय सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

देहरादून क्षेत्र द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन



दिनांक 20 मई, 2023 को देहरादून क्षेत्र द्वारा श्री राकेश कुमार, नेटवर्क डीजीएम, मेरठ अंचल की अध्यक्षता में "पुरस्कार वितरण समारोह" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले शाखा प्रमुखों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री नेत्र मणि और उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बिशम्बर दत्त सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जामनगर क्षेत्र द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 21-22 अप्रैल, 2023 को दीव में जामनगर क्षेत्र का वार्षिक सम्मान समारोह 2022-23 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को श्री एमके साहू, क्षेत्रीय प्रमुख, जामनगर द्वारा सम्मानित किया गया।

पुणे जिला क्षेत्र द्वारा शाखा उत्कृष्टता सम्मान कार्यक्रम आयोजित



दिनांक 15 अप्रैल, 2023 को पुणे जिला क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को पुरस्कृत किया गया। श्रीमती नंदिनी गावकवाड एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय वानखेडे द्वारा पीसीएमसी के प्रमुख श्री अतुल चव्हाण का सत्कार किया गया।

'ग्रो विथ कम्प्लायंस' में बेंगलूरु अंचल को पुरस्कार



अक्टूबर 2022 से जनवरी 2023 तक आयोजित ग्रो विथ कम्प्लायंस अभियान में बेंगलूरु अंचल को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा अभियान में समग्र निष्पादन में बेंगलूरु अंचल को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यकारी निदेशक श्री ललित त्यागी एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री अजय कुमार खोसला के कर-कमलों से बेंगलूरु अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री शिवराम सहित निरीक्षण विभाग के स्टाफ ने पुरस्कार ग्रहण किया।

मिशन तिजोरी अभियान के तहत बेंगलूरु अंचल सम्मानित



लॉकर आबंटन हेतु आयोजित मिशन तिजोरी अभियान में बेंगलूरु अंचल अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा। प्रधान कार्यालय द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में बेंगलूरु अंचल, क्षेत्रीय कार्यालय-बेंगलूरु-उत्तर, दक्षिण तथा मध्य प्रथम स्थान पर रहे। अंचल की इंदिरानगर शाखा अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रही। इस अवसर पर बेंगलूरु अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री बी.शिवराम, बेंगलूरु-दक्षिण के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री शोभन बाबू, बेंगलूरु-उत्तर के उप क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री भुवनेश्वरी, अंचल कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक श्री आर.प्रसन्नराम, मुख्य प्रबंधक सुश्री सी.जी.मिनी तथा अन्य पुरस्कार विजेता उपस्थित रहे।

मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक बैठक एवं सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 06 मई, 2023 को मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र द्वारा शाखाओं हेतु व्यावसायिक बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए नेटवर्क डीजीएम श्री पी के राउत एवं मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेजप्रकाश तुलस्यान।

तेलंगाना उत्तर क्षेत्र द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 2 मई, 2023 को तेलंगाना उत्तर क्षेत्र के सभी शाखाओं के शाखा प्रमुखों हेतु वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री मन मोहन गुप्ता, अंचल प्रमुख, हैदराबाद अंचल, श्री गोविंद प्रसाद वर्मा, नेटवर्क डीजीएम-1, श्री एमवीएस सुधाकर, नेटवर्क डीजीएम-2 एवं श्री सी. वी. एस. चंद्रशेखर, क्षेत्रीय प्रमुख, तेलंगाना उत्तर क्षेत्र उपस्थित रहे।

आणंद में शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन



दिनांक 15 जून, 2023 को आणंद क्षेत्र के शाखा प्रमुखों के लिए आयोजित समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह में शाखा प्रमुखों को सम्मानित करते हुए महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अहमदाबाद अंचल श्री अश्विनी कुमार, नेटवर्क उप महाप्रबंधक श्री. राकेश चलवरिया, क्षेत्रीय प्रमुख, आणंद क्षेत्र श्री राज कुमार महावर एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख, आणंद क्षेत्र श्री राजेन्द्र किशोर शाह।

गांधीनगर क्षेत्र द्वारा "वार्षिक सम्मान समारोह" आयोजित



दिनांक 8 जून, 2023 को गांधीनगर क्षेत्र द्वारा आयोजित "वार्षिक सम्मान समारोह" में शाखा प्रमुखों को सम्मानित करते हुए उप महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख, अहमदाबाद अंचल श्री पी.के.बाफना, क्षेत्रीय प्रमुख, गांधीनगर श्री बी.एल.गहलोत एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख, गांधीनगर क्षेत्र श्री आलोक कुमार।

सम्मान समारोह/Felicitations

अहमदाबाद क्षेत्र 2 द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 21 अप्रैल, 2023 को अहमदाबाद क्षेत्र 2 द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री अरविन्द विमल, क्षेत्रीय प्रमुख, श्री प्रभात श्रीवास्तव, उप क्षेत्रीय प्रमुख के कर कमलों से वित्त वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया।

मेहसाना क्षेत्र द्वारा व्यवसाय समीक्षा बैठक आयोजित



दिनांक 3 जून 2023 को मेहसाना क्षेत्र की शाखाओं के लिए समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें शाखा प्रमुख को सम्मानित करते हुए महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री अश्विनी कुमार, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री राकेश चलवारिया, क्षेत्रीय प्रमुख, मेहसाना श्री संजीव कुमार राणा तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख, मेहसाना श्री मनोज कुमार रस्तोगी।

बीकानेर क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों हेतु सम्मान समारोह आयोजित



बीकानेर क्षेत्र द्वारा दिनांक 6 मई, 2023 को श्री योगेश यादव, क्षेत्रीय प्रमुख एवं श्री संदीप कुमार खेतान, उप क्षेत्रीय प्रमुख की अध्यक्षता में शाखा प्रमुखों की व्यवसाय समीक्षा बैठक (वित्तीय वर्ष 2022-23) का आयोजन किया गया तथा आगामी वित्तीय वर्ष हेतु प्रमुख व्यावसायिक मापदंडों पर चर्चा की गई। इस दौरान शाखा प्रमुखों के लिए आयोजित "सम्मान समारोह कार्यक्रम" के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले शाखा प्रमुखों को सम्मानित किया गया।

साबरकांठा क्षेत्र द्वारा शाखा समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 16 जून, 2023 को साबरकांठा क्षेत्र द्वारा आयोजित शाखा समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह में शाखा प्रमुखों को सम्मानित करते हुए श्री अश्विनी कुमार, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अहमदाबाद अंचल, श्री. राकेश चलवारिया, नेटवर्क उप महाप्रबंधक, श्री एस के राठोड, क्षेत्रीय प्रमुख, साबरकांठा क्षेत्र एवं श्री हरेश पटेल, उप क्षेत्रीय प्रमुख, साबरकांठा क्षेत्र।

भुज क्षेत्र में समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 19 जून, 2023 को महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा की उपस्थिति में भुज क्षेत्र के शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान वर्षपर्यंत उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा प्रमुखों को सम्मानित किया गया।

अहमदाबाद क्षेत्र 3 द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 9 जून, 2023 को अहमदाबाद क्षेत्र 3 द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न व्यावसायिक मानदंडों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्टाफ सदस्यों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। श्री जगजीत कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख एवं श्री पराग गोगाटे, उप-क्षेत्रीय प्रमुख के कर कमलों से श्रेष्ठ कार्य करने वाली शाखाओं एवं स्टाफ सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

जयपुर अंचल द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादनकर्ता शाखाओं का सम्मान



दिनांक 21 अप्रैल, 2023 को अंचल कार्यालय, जयपुर द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न व्यावसायिक मानदंडों में अंचल में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शाखाओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन कर्ताओं को श्री कमलेश कुमार चौधरी, अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक ने ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री सुधांशु शेखर खमारी उप अंचल प्रमुख, श्री संतोष कुमार बंसल, उप महाप्रबंधक नेटवर्क-1, श्री बी एल मीना, उप महाप्रबंधक नेटवर्क-2, श्री वी एस नारंग, उप महाप्रबंधक रक्षा बैंकिंग, जयपुर अंचल सहित भारी मात्रा में बैंक के कार्यपालक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह आयोजित



दिनांक 8 जून, 2023 को क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर पी मीना की अध्यक्षता में शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। साथ ही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली शाखाओं के शाखा प्रमुखों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अभिषेक कमल एवं शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र द्वारा वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह आयोजित



ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र द्वारा दिनांक 17 मई, 2023 को वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह का आयोजन क्षेत्रीय प्रमुख, श्री चन्दन दत्ता के नेतृत्व में किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अंचल प्रमुख, श्री देवब्रत दास एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप अंचल प्रमुख, सुश्री मौसमी मित्रा एवं नेटवर्क उप महाप्रबंधक श्री पी के दास उपस्थित थे।

जयपुर अंचल को कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा प्राप्त पुरस्कार



दिनांक 23 से 25 मई 2023 तक मुंबई में आयोजित वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन (एबीसी) में जयपुर अंचल को कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा जारी मासिक रोलिंग ट्रॉफी में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार अंचल प्रमुख श्री कमलेश कुमार चौधरी ने बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा सहित सभी कार्यपालक निदेशकों के कर कमलों से ग्रहण किया। श्री सुधांशु शेखर खमारी उप अंचल प्रमुख ने अखिल भारतीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ उप अंचल प्रमुख श्रेणी का द्वितीय पुरस्कार एवं श्री संतोष कुमार बंसल व श्री बी एल मीना ने अखिल भारतीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ उप महाप्रबंधक नेटवर्क के प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार अर्जित किए। इस अवसर पर जयपुर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता को अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान, भीलवाड़ा क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर पी मीना को तृतीय स्थान और अलवर क्षेत्र प्रमुख श्री राजेश शर्मा को चतुर्थ स्थान हासिल करने के उपलक्ष्य में भी सम्मान प्राप्त हुए। इस अवसर पर अंचल के सभी क्षेत्रीय प्रमुख भी उपस्थित रहे।

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह आयोजित



बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा दिनांक 20.05.2023 को पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न व्यावसायिक मानदंडों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविन्द कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सिलीगुड़ी क्षेत्र द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित



दिनांक 12 जून, 2023 को सिलीगुड़ी क्षेत्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें शाखाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अंचल प्रमुख श्री संजय कुमार तिवारी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिलीप कुमार प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री दीपज्योति बोरठाकुर एवं सभी शाखाओं के शाखा प्रमुख एवं क्षेत्रीय कार्यालय स्टाफ सदस्य विभाग उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह/Felicitations

वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन में हैदराबाद अंचल सम्मानित



वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन में हैदराबाद अंचल को वित्त वर्ष 2022-23 हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कारों के साथ हैं श्री मन मोहन गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक, श्री रितेश कुमार, महाप्रबंधक, श्री सी एच राजशेखर, उप अंचल प्रमुख तथा अंचल के सभी क्षेत्रीय प्रमुख।

केएमआर 2 क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह 2022-23 आयोजित



दिनांक 20 मई, 2023 को कोलकाता मेट्रो 2 द्वारा शाखा सम्मान समारोह 2022-23 का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री देवब्रत दास, अंचल प्रमुख, सुश्री मौसुमी मित्रा, उप अंचल प्रमुख, श्री पी.के.दास, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क), कोलकाता अंचल, श्री बानीब्रत बिश्वास, क्षेत्रीय प्रमुख, कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र, श्री पबित्र मल्लिक, उप क्षेत्रीय प्रमुख, कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र एवं विशेष रूप से श्री कल्लोल बिश्वास, क्षेत्रीय प्रमुख, कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र, क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्दन दत्ता, कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र, सभी शाखाओं के शाखा प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र को श्रेष्ठ अनुपालन हेतु सम्मान



सीआईएडी विभाग, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा दिनांक 12 मई, 2023 को अनुपालन विषय पर आयोजित सम्मेलन में बेहतर अनुपालन हेतु कार्यपालक निदेशक श्री ललित त्यागी एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री अजय के खोसला द्वारा उप क्षेत्रीय प्रमुख, ग्रेटर कोलकाता क्षेत्र श्री तपन कुमार दास एवं निरीक्षण एवं लेखा-परीक्षा विभाग के प्रमुख श्री सूर्य प्रकाश चौधरी को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

"Glittering Stars" Felicitation Function at Ernakulam Zone



"Glittering Stars" – Felicitation Function of performers at the Zonal Level for the FY 22-23 was organised on 07th May 2023 at Alleppey, Ernakulam. Top performing branch heads, agriculture officers, wealth executives and regional department heads attended the felicitation function along with staff from Zonal Office, MID Corporate and ZIAD Ernakulam. General Manager and Zonal Head Shri Sreejith Kottarathil along with Network DGM Shri Naga Subramaiam Mandava., felicitated the performers and also enlightened staff on the road map for the FY 23-24. Regional Heads and Deputy Regional Managers also attended the meeting.

कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र को लॉकर आबंटन हेतु सम्मान



दिनांक 3 अप्रैल, 2023 को बड़ौदा में सभी अंचल एवं क्षेत्रों के लिए आयोजित सम्मान समारोह के दौरान दिनांक 01.07.2022 से 30.09.2022 तक प्रधान कार्यालय द्वारा सबसे अधिक लॉकर आबंटित करने हेतु श्री अजय कुमार खोसला, मुख्य महाप्रबंधक द्वारा श्री पवित्र मल्लिक, उप क्षेत्रीय प्रमुख, कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र एवं परिचालन एवं सेवाएं विभाग प्रमुख श्री आशीष करमाकर को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अंचल कार्यालय, बड़ौदा द्वारा उत्कृष्टता सम्मान कार्यक्रम आयोजित



दिनांक 06 मे, 2023 को बड़ौदा अंचल की उत्कृष्ट कार्यनिष्पादनकर्ता क्षेत्रों एवं स्टाफ सदस्यों हेतु वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रों और स्टाफ सदस्यों को विभिन्न मानदंडों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री भवानी सिंह राठौड़, नेटवर्क डीजीएम-1 श्री शरद पाणिग्रही एवं अंचल के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

Hydrabad Zone becomes Topper in Grow with Compliance Campaign



Hydrabad Zone remained Topper in spot rectification in grow with compliance 1.0 campaign and 2nd position in ATR reduction. Zonal Head was felicitated by Executive Director Mr. Lalit Tyagi and Chief General Manager Mr. Ajay Kumar Khosla.

विजयवाड़ा क्षेत्र को कासा प्रीमियर लीग हेतु पुरस्कार



विजयवाड़ा क्षेत्रीय कार्यालय ने कासा प्रीमियर लीग गुप सी के तहत अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना एवं श्री जयदीप दत्ता रॉय के कर-कमलों से पुरस्कार ग्रहण करते हुए पूर्व क्षेत्रीय प्रमुख वी एस मुर्ति एवं श्रीनिवास रेड्डी।

बरेली अंचल में 'अचीवर्स नाइट' समारोह आयोजित



दिनांक 05 जून, 2023 को बरेली अंचल द्वारा अंचल प्रमुख श्री एम अनिल की अध्यक्षता में अचीवर्स नाइट समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विगत वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न मानदंडों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले अंचलाधीन क्षेत्रों और विभागों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री प्रेम सिंह नेगी, नेटवर्क उपमहाप्रबंधक श्री राकेश कुमार और श्री बृज मोहन मीना सहित अंचल कार्यालय और विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बड़ौदा शहर क्षेत्र - II द्वारा सम्मान समारोह आयोजित



बड़ौदा शहर क्षेत्र - II द्वारा दिनांक 17 मई, 2022 को क्षेत्र के स्टाफ सदस्यों हेतु वार्षिक पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बड़ौदा अंचल की नेटवर्क डीजीएम सुश्री वीणा के शाह ने की। इस अवसर पर बड़ौदा शहर क्षेत्र-II के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज कुमार सहित क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

'रिइन्वेंट निवेशक सम्मेलन' में चेन्नई अंचल को सम्मान



कालिकट क्षेत्र के सहयोग से आयोजित 'रिइन्वेंट निवेशक सम्मेलन' के दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केरल के उद्यम एवं वाणिज्य मंत्री श्री राजीव द्वारा अंचल प्रमुख श्री श्रीजित कोट्टारत्तिल को सम्मानित किया गया। इस दौरान श्री कण्णन बी क्षेत्रीय प्रमुख एवं सुश्री आशा कुरुप, उप क्षेत्रीय प्रमुख भी उपस्थित रहे।

सूरत शहर क्षेत्र-II द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



दिनांक 03 जून, 2023 को सूरत शहर क्षेत्र-II द्वारा शाखाओं हेतु वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख श्री वी. के. घाटिया ने की। कार्यक्रम में वर्ष के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली शाखाओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश कुमार सिंह सहित क्षेत्र अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

बैठके

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, उत्तर प्रदेश की तिमाही बैठक सम्पन्न



दिनांक 26 जून, 2023 को कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की मार्च 2023 हेतु तिमाही बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में माननीय श्री सुरेश खन्ना, मंत्री – वित्त एवं संसदीय कार्य, उत्तर प्रदेश सरकार व श्री राजेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख की गौरवमयी उपस्थिति रही।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति राजस्थान की 157 वीं बैठक सम्पन्न



दिनांक 27 जून, 2023 को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 157 वीं बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री अजय कुमार खुराना, कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता एवं श्री कमलेश कुमार चौधरी, महाप्रबंधक एवं संयोजक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, श्री सुधांशु शेखर खमारी उप अंचल प्रमुख व श्री आलोक सिंघल सहायक महाप्रबंधक की उपस्थिति तथा श्री अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान सरकार की सह अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में श्री भवानी सिंह देथा, प्रमुख शासन सचिव, आयोजना विभाग, श्री जितेंद्र कुमार उपाध्याय, शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार, श्री राजीव सिवाच, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, श्री दिनेश कुमार यादव, सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर तथा केंद्र व राज्य के उच्चाधिकारियों, बीमा कंपनियों तथा अन्य सभी बैंकों के प्रतिनिधियों द्वारा सहभागिता की गई।

राजकोट में टाउन हॉल बैठक का आयोजन

दिनांक 9 अप्रैल, 2023 को कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना की गरिमामयी उपस्थिति में राजकोट में टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री विजय कुमार बसेठा, अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक, राजकोट अंचल, श्री जे बी रोहड़ा, उप महाप्रबंधक एवं श्री नरेंद्र सिंह, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, गुजरात की 177वीं बैठक सम्पन्न



दिनांक 30 मई, 2023 को बैंक ऑफ बड़ौदा के संयोजन में कार्यरत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, गुजरात 177 वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना द्वारा की गई। बैठक में सुश्री मोना खंडार (आईएएस) प्रमुख सचिव (आर्थिक मामले), वित्तीय विभाग, गुजरात सरकार, श्री महेश बंसल, संयोजक – राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, गुजरात एवं महाप्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, अहमदाबाद अंचल श्री अश्विनी कुमार, तथा विभिन्न आईएएस, सदस्य बैंकों के प्रमुख उपस्थित रहे।

पटना अंचल में टाउन टॉल बैठक सम्पन्न



कार्यपालक निदेशक श्री ललित त्यागी ने अपने पटना अंचल के दौरे के दौरान दिनांक 13 अप्रैल, 2023 को टाउन हॉल बैठक को सम्बोधित किया। इस दौरान श्री त्यागी ने स्टाफ को न्यू एज बैंकिंग की ओर उन्मुख होने का मंत्र दिया और मानव संसाधन से जुड़ी पहलों पर भी प्रकाश डाला। स्टाफ टाउन हॉल बैठक में महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री सोनाम टी भूटिया ने कार्यपालक निदेशक के समक्ष पटना अंचल की गतिविधियों का उल्लेख करते हुए अंचल की व्यावसायिक स्थिति को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया।



Fed's Taper Tantrum and Emerging Market Economies

Prologue

The Federal Reserve

Professing FED as the most powerful economic institution in the world may not be an overstatement. The U.S Central banking system, The Federal Reserve not only manages money supply in United States, but also sets interest rates and regulates the US financial market. Constituting of a seven-member board of Governors led by Fed Chair Jerome Powell & based in Washington DC, the FED Reserve has also acted as lender of last resort during financial meltdown of 2008 and more recent in the devastating times of the Pandemic,

The interest rates target are set by FOMC (Federal Open Market Committee) which also manages money supply. The FOMC is responsible for setting interest rate targets and managing the money supply.

The Fed Mandate

The Federal Reserve has been operating under a mandate from Congress to effectively achieve the goals of maximum employment & stable prices, what is now commonly referred to as the Fed's "dual mandate." A variety of Policy tools are deployed to manage financial conditions that facilitate achievement of dual mandate target- in other words, conducting Monetary Policy.

Apart from above two mandate, Fed also aims at managing moderate long term interest rates.

Price stability, which forms the first part of dual mandate, aims at keeping inflation low and stable over long run, protecting the purchasing power of the Dollar from erosion on account of high inflation. Such stability places the corporates and financial institutions in a comfort zone while formulating future strategies and borrowing or lending for

longer tenures. The FED seeks to achieve inflation that averages 2 percent over time.

Employment, the second part of the dual mandate, aims at the highest level of employment which an economy can sustain over time. A rather hard to measure concept, any shortfalls of employment from its maximum targets are ascertained by a wide range of employment indicators.

An economy with low and stable inflation paves way for friendly business conditions, onwardly encouraging planning, saving and investment and hence growth, which in turn needs manpower to generate goods and services, thereby leading to a spike in employment. Hence it can be stated that the goals of maximum employment and price stability go hand in hand. However, there have been paradoxes in the past, when the US economy faced record high level of both inflation and unemployment, prompting the FED to combat the inflation with a rise in interest rates, but this led to two back to back recessions.

Currently, the FED's most important lever to achieve its mandate is buying or selling of US Treasury bonds in the Open Market, which influences banking reserves and interest rates. Hence, purchase of bonds by FED pumps liquidity into financial system, which leads to reduction in interest rates, thereby reducing the cost of borrowing. Alternatively, sale of Bonds leads to rise in interest rates thereby increasing the cost of borrowing and reducing inflation. The money supply can also be increased by making loans to Commercial Banks by FED at an interest rate it sets (discount rate).

One of the key policy tools to achieve a balance between these two mandates is Tapering

Tapering is not a term one comes across often, but off late, it has been the buzzword of the Board Rooms across the globe. A mention of Quantitative Easing becomes inevitable before tapering is elaborated.

Quantitative Easing (QE): Central Banks across the borders, including Fed are known for their innovative measures to support economy during crisis. Be it financial crisis of 2008 or the pandemic induced global meltdown, the Federal Reserve made large scale purchase of U.S. Treasury bonds and mortgage-backed securities (MBS) by injecting reserves into the banking system. This was a kind of monetary stimulus programme in the name of quantitative easing.

Hence Quantitative Easing (QE) can be best described as a Central Bank's programme of

purchasing securities to increase money supply, reduce interest rates and to encourage consumption and investment activities in the economy.

QE, which was first employed by Fed during the great recession of 2008, was again introduced in March 2020 in response to the acute dysfunction of the Treasury and mortgage-backed securities (MBS) markets after the outbreak of COVID-19 and to support the US economy. As a result of these purchases, the size of the Fed's balance sheet more than doubled from about \$4 trillion prior to the pandemic to nearly \$9 trillion at the start of 2022.

Another move along with the bond purchase was reduction in Policy Rate by Fed commonly called as Fed Rate (American sibling of Indian Repo Rate). Hence QE is a double edged sword which pumps liquidity in the market through bond buying and the Fed Rate cut induces a fall in overall interest rates in the economy.

Quantitative Tightening

This purchase of Bonds as a part of QE, which was kick-started by Fed in March 2020 lasted till November 2021, when US economy was back on recovery mode. With inflation running well above its long-run target, Fed's focus primarily shifted on returning price growth to its 2% target. Thus the accommodative monetary policy being followed by Fed for past 2 years began to be unwound. And so began the end of QE era in March 2022 and beginning of Quantitative Tightening in June 2022.

At the end of QE, the securities nearing maturity were reinvested by Fed to maintain the size of its Balance Sheet. At the same time, Fed stopped reinvesting up to \$30 billion in maturing Treasuries and \$17.5 billion in maturing MBS every month, passively shrinking its assets as those securities "roll off" without being replaced. Thus began the process of Quantitative Tightening.

Tapering: Needless to say, the act of unleashing money into the system could not be done limitlessly. Nearly \$120 billion was being added since March 2020 onwards, the impact of which was not limited to the US Economy. Such funds were being taken by the US investors to other markets for investments in shares and bonds. Hence, Fed has been trying to make an exit from QE in a phased manner by reducing the bond purchase by \$15 (\$10 billion in Treasuries and \$5 billion in Mortgage Backed Securities) every month (from purchase \$ 120 billion each month). The process of slowly curtailing the monthly bond purchase programme (hence injecting liquidity in the system) is referred to as tapering.

So when Fed started tapering, it not only reduced the monetary stimulus it was providing to the system

but also started tightening the monetary policy. Tapering also led to an increase in interest rates.

Implications of Tapering: As discussed above, tapering is a tool to combat additional money supply injected in the financial system by a central Bank. So whenever tapering has been devised by the Fed, not only the liquidity in the US economy reduced, Interest Rates as well as the Bond Yields went up making US more attractive to investors, consequently making funds from US dearer.

In the Emerging Market Economies, tapering by Fed may lead to the outflow of Foreign Capital, which in turn may dry up the Foreign Investment in the Equity and bond market leading to a fall in Stock Market and a rise in bond yields. This might also lead to depreciation in the domestic currencies of the EMEs.

Such unexpected reaction from investors to the Fed's decision to reduce its bond purchases is known as the "taper tantrum."

Taper Tantrum:



A taper tantrum is a knee-jerk reaction by investors after the Federal Reserve announces scaling back its asset purchases.

A taper tantrum refers to the sharp climb in bond yields caused by investor reactions to a central bank announcing future tapering of bond-buying programs. Investors may react by selling bonds, which topples the price of bonds and raises the yield. Even if the central bank does not stop purchasing bonds immediately, investors may sell off their bonds, which forces yields to rise. These sales are said to be a "tantrum" in reaction to the news of a tapering.

The term was first coined in May 2013 when the then U.S. Federal Reserve (Fed) Chairman, Ben Bernanke, announced the central bank would begin tapering asset purchases at a future date.

How Does a Taper Tantrum Work?

While investors typically react to any central bank news, the strength of their reaction depends on

whether the news is expected or unexpected. If investors are not anticipating an announcement of tapering asset purchases, this new information may cause them to change their strategy.

Investors will get a head start by selling off bonds causing yields to rise sooner. Since they react before the central bank has actually stopped buying bonds, it is as if investors are having a tantrum at the news of tapering.

If instead, investors expected the news from the central bank, there would be no new information that would alter their strategy.

Such Taper tantrum was first witnessed by the economies in 2013 when made a sudden exit announcement in QE. The tapering of 2013 is generally referred to Taper 1.0, as being discussed.

Taper 1.0: Flashback 2013

As discussed above, 2008 financial crisis triggered a long recession. At that time, the U.S Fed came up with the QE Plan. This helped keep the lending rates low and also increased liquidity in the economy.

Consequently, low lending rates encouraged more people to take loans and boosted spending. Then, once the economy showed signs of healing, the Fed announced reducing the QE program by 2013. This announcement created panic in the markets and that is how the word 'Tantrum' originated due to the overreaction of investors after the announcement.

Impact on Emerging Markets and India

During the QE period, lending rates had fallen significantly in the United States. Hence, those lending money in American market started looking towards better places to park their excess money – which found its way into the Emerging Markets like India. This led to an upswing in Foreign Institutional Investors (FIIs) in India.

Until one day in 2013, the Fed decided to begin tapering. As a result, American investors in EMEs started to pull the plug on their investments in the bond markets leading to a fall in bond prices, indicating higher bond yields that made stock prices less lucrative.

As emerging markets including India, Indonesia, Brazil and Turkey had high current account deficits and a strong dependence on foreign capital inflows, these economies were vulnerable to sudden stops in these capital inflows and were severely hit by inflationary pressures in 2013 due to tapering.

Foreign investors went on a selling spree from equities and bonds causing capital outflows sufficient enough to weaken the local currencies in

EMs, for example the value of rupee had dipped over 15% between May-Aug 2013 in India. As the local currencies fell, foreign investors feared of losing from their holdings leading to a possible pull as they need to pay more to hedge against a rising foreign exchange risk.

It severely affected inflation in EMs. For example, RBI had to raise interest rates to control capital outflows in 2013 in India.

Back in India, with capital outflows, India's fragility became more evident. Trade deficit widened to \$136 bn in 2013- 14 from \$6 bn in 1990-91.

Exchange rate depreciated sharply crossing Rs.60 a dollar in Aug'13 despite foreign exchange reserves of almost \$20bn being used up to support the currency. India was on watch with a negative outlook.

Current account deficit (CAD) rose to 4.8% of GDP in 2012-13 largely due to increase in gold imports as there was high demand for gold as an asset induced by high inflation of 12.17% in that particular year.

In response, RBI had to ease restrictions on foreign borrowing by companies and encouraged Indian banks to attract NRI deposits to mobilise currency. Customs duty was imposed on gold imports and fiscal deficit was reduced by cutting government planned expenditure. These actions brought rupee below Rs.60 to a dollar and CAD was narrowed to 1.7% in 2013-14. Forex were at almost \$300bn that gave enough time to take corrective steps.

Taper 2.0 (2021-22): Minus Tantrum?

On November 3, 2021, the Fed announced a taper in asset purchases to the tune of USD 10 billion in treasuries and USD 5 billion in MBS per month (Taper 2).

In December 2021, the Fed announced a doubling of its tapering speed and said the asset purchases would end in March 2022.

However, with the Russian invasion of sovereign territory of Ukraine on February 24, 2022 and the consequent disruption in supply chain of commodities, especially, the Crude Oil and the Natural Gas, for which Russia has been a major exporter, world economies witnessed rising inflationary pressures, but as against the expectations, the war did not change the FOMC's plans to raise interest rates and since its March 2022 meeting, the FED has been raising the interest rates in its every scheduled policy beginning with minimal 25 bps in March 2022 and 75 bps since June 2022 to Nov 2022, after which the rise has been slowly reduced to 50 bps and 25 bps in March 2023, the focus being to bring down the inflation from 9.1% to 2% over time.

FOMC Meeting Date	Rate Change (Bps)	Federal Funds Rate
May 3, 2023	+25	4.00% to 4.25%
March 22, 2023	+25	4.75% to 5.00%
Feb 1, 2023	+25	4.50% to 4.75%
Dec 14, 2022	+50	4.25% to 4.50%
Nov 2, 2022	+75	3.75% to 4.00%
Sept 21, 2022	+75	3.00% to 3.25%
July 27, 2022	+75	2.25% to 2.50%
June 16, 2022	-75	1.00% to 1.25%
May 6, 2022	+50	0.75% to 1.00%
March 17, 2022	+25	0.25% to 0.50%

Fed's rate hikes since March 2022

However, despite all geopolitical and economic mayhem, the Taper 2 announcement was somewhat anticipated by the financial markets given the past experience with Taper 1 and hence minimal tantrums were thrown by the markets as an adverse reaction to Taper 2. Also, Fed hinting subtly at chances of taper in the periods leading up to the Taper 2 announcement, the taper was mostly factored in and had only marginal impact.

Especially Indian Economy, which is much better placed currently and is far more resilient in comparison to 2013 to withstand the impact of a possible repeat of the US taper tantrum.

India is currently the fifth largest foreign exchange reserves holder in the world after China, Japan, Switzerland and Russia. The forex reserves are currently at \$578.778 billion as at end-March 2023, in comparison to forex reserves which were nearly half of the current levels at \$304.2 billion in 2014 fiscal after the taper tantrum incident. While the external debt-to-GDP ratio, which compares total external debt to country's GDP, stands at 20.1 in the 2013-14 fiscal, it stood at 23.9.

Indian Economy is nowhere near that kind of condition (2013 taper tantrum) for a simple reason that it has better macroeconomic stability and inflation being under control, Indian economy has much better external balance. In fact, the taper tantrum happened in 2013, when inflation was high at around 10-11%, CAD was mostly 5% or 6% and growth was around 5%.

Indian capital markets lost ₹34,178 crore to portfolio outflows, including ₹29,168 crore from equity markets, since the US Fed announcement of 3 November 2021 about asset purchase reduction. This is significantly less than the ₹79,375 crore outflows from capital markets in 2013, including ₹19,165 crore from equity markets and ₹60,210 crore from debt markets.

A lower current account deficit as a percentage of GDP, larger foreign exchange reserves and stronger economic growth in Taper 2 vis-a-vis Taper 1 period

imply that the Indian economy is in a much better shape to withstand Fed tightening and manage any associated change in volatility in financial markets.

Though the rising prices of crude oil and gold, both of which India imports, could disrupt its balance of payments but it can be well said the country's economy has taken the taper well and is not vulnerable to such a pullback.

The Current Scenario

The Fed held its policy rate steady in its June 2023 policy, targeting a 5%-5.25% range, but policymakers signalled further rate hikes ahead given still unacceptably high inflation and its slow progress towards the Fed's 2% goal amid a strong labour market.

However, with Fed Chair's statement that that the projections about rate hike is not a guarantee and no decision has been made, coupled by the Fed officials estimating a calls for a 3.9 percent core inflation rate and a drop in joblessness from 4.5 percent in March to 4.1 percent in June, there could be an uncertainty about whether Fed will end up following through with these estimated increases.

Further rate hike also depends on the extent to which the US economy could be hit by the chaos in the Banking sector. The Collapse of Silicon Valley Bank, Signature Bank & First Republic earlier this year could deliberate Fed to plan a balancing act between financial stability and price stability, the former requiring looser financial conditions, which in turn could risk aggravating price increases.

These bank failures could also impact the economy, especially if banks decide to tighten their lending, more than before, in response to higher rates from the Fed. Less credit in the financial system could adversely affect spending and cool inflation, meaning the Fed might not have to raise interest rates as high.

Back in India, with inflation continuing to remain above the mandated 4 per cent target, RBI has also decided to keep the repo rate unchanged in its April & June 2023 policy, after six hikes in a row since May 2022. However, RBI's status quo is being cited as "a pause and not a pivot" and, in line with its US Counterpart's stance, it is anticipated that future policy decisions will be totally depending on incoming economic data and the future global macro scenario.



Mukta Tungekar
Chief Manager,
Zonal Office, Baroda



अंचल कार्यालय, अहमदाबाद



अंचल कार्यालय, बेंगलूरु



अंचल कार्यालय, पुणे



अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, मंगलूरु



अंचल कार्यालय, बड़ौदा



अंचल कार्यालय, लखनऊ



क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, नाशिक



क्षेत्रीय कार्यालय, उडुपी



क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल



क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे जिला



क्षेत्रीय कार्यालय, दक्षिणी दिल्ली



क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर



Mauritius Territory



क्षेत्रीय कार्यालय, अयोध्या



क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, मंड्या



मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र



क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर



क्षेत्रीय कार्यालय, मेहसाना



क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, बांसवाड़ा



क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत शहर



क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा



क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे जिला



क्षेत्रीय कार्यालय, दक्षिणी दिल्ली



Data Centre, Hyderabad



क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून

प्रधान कार्यालय बड़ौदा में योग दिवस का आयोजन



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में स्टाफ सदस्यों के लिए योग सत्र आयोजित किया गया जिसमें वरिष्ठ कार्यपालकों सहित स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। सत्र के उपरांत श्री दिनेश पंत, मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन), श्री योगेश अग्रवाल, अंचल प्रमुख, बड़ौदा अंचल एवं श्री मनमोहन गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक ने योग प्रशिक्षक का स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

International Yoga Day celebrations at Baroda Corporate Centre, Mumbai



International Yoga Day was celebrated at Bank of Baroda's Corporate Centre in Mumbai. The Yoga and meditation session was attended by the Bank's Senior Executives and staff. The event turned out to be very enthusiastic and inspirational for all.

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व / Corporate Social Responsibility

दुर्ग क्षेत्र द्वारा अभिनव कौशल विकास केंद्र को प्रशिक्षण सामग्री प्रदत्त



दिव्यांगों की आत्मनिर्भरता के लिए समर्पित सृजन फाउंडेशन द्वारा संचालित अभिनव कौशल विकास एवं पुनर्वास केंद्र, सेक्टर भिलाई की शुरुआत दिनांक 17 जून, 2023 को दुर्ग क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख अरविंद काटकर द्वारा की गयी। दिव्यांगों के कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए क्षेत्र द्वारा चार कंप्यूटर, एक टेबल व कुर्सी फाउंडेशन को भेंट की गई। उक्त अवसर पर फाउंडेशन के महासचिव श्री राकेश शर्मा, अध्यक्ष श्री ज्ञान चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री वीआर चन्नावर तथा अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

कोल्हापुर क्षेत्र द्वारा महानगरपालिका को ई-कचरा संकलन वाहन भेंट



क्षेत्रीय कार्यालय, कोल्हापुर द्वारा दिनांक 19 अप्रैल, 2023 को इचलकरंजी महानगरपालिका को कचरा संकलन हेतु दो कचरा संकलन वाहन प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्री प्रशांत अवाढ, क्षेत्रीय प्रमुख, कोल्हापुर क्षेत्र एवं महानगरपालिका के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

त्र्यंबक शाखा ने त्र्यंबकेश्वर देवस्थान को किए बैग भेंट



दिनांक 23 जून, 2023 को नाशिक क्षेत्र की त्र्यंबक शाखा द्वारा प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर देवस्थान को बैंक की ओर से 1500 बैग दान किए गए। इस अवसर पर नाशिक क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विकास कुमार, देवस्थान के ट्रस्टी श्री संतोष कदम एवं श्रीमती तृप्ती धरणे, त्र्यंबक शाखा के शाखा प्रमुख श्री मनोज देशमुख एवं त्र्यंबक शाखा के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

Fortifying the Vault: Pioneering Security Advances in the Banking Industry



Introduction:

In an era marked by digital advancements and evolving cyber threats, the banking industry has recognized the critical importance of enhanced security and fraud prevention measures. As customers increasingly rely on online and mobile banking services, banks have prioritized safeguarding sensitive financial data, protecting against fraud and building trust with their clientele. This article explores the various strategies and technologies deployed by banks to strengthen security, combat fraud and ensure a secure banking experience for customers.

Cyber Security in Financial Sector Management (CS-FSM):

Cybersecurity is necessary to safeguard a system, network and technology against illegal access. In today's technologically advanced world, a company must have a dedicated cybersecurity team to monitor potential cyber threats and devise strategies for countering them. Cybersecurity mainly includes secure payment, the online privacy of the user, an antivirus firewall, mobile security, security padlock, data protection, computer protection and a specific global shield. For any company that processes electronic payments or transactions, payment security is critical to information security; keeping abreast of the most recent developments in e-commerce and secure transaction methods and seeking guidance on implementing them in their business.

Cyber threats are attempts to secure unauthorized access to change or delete private information to demand money from victims or to disrupt business.

Cybercrime includes everything from identity theft, malware threats, email and online fraud to bank fraud. Businesses and individuals use this method to guard their data centres and other digital systems. The lack of scalability, sluggish response times and inability to spot advanced and insider threats are among some of the problems with conventional approaches to network security. Cybercriminals use AI and data poisoning, as well as model theft strategies to automate their attacks. To mitigate these cybersecurity risks, banks must implement robust security measures such as multi-factor authentication (MFA), encryption, real-time monitoring of transactions and file integrity monitoring (FIM). Banks should also educate their customers on how to protect themselves from cyber threats and provide regular updates on any new security threats or vulnerabilities. By implementing these best practices, banks can ensure the security and privacy of customer data while providing convenient access to banking services through digital channels. The emergence of new technologies, such as 5G and IoT, is opening up more comprehensive access to banking apps. Quantum computing has the potential to transform the industry even further. Banks must be agile and innovative to adapt to the changing technology landscape.



Advanced Authentication Methods:

Banks are adopting advanced authentication methods to fortify security and provide robust protection against unauthorized access. Traditional password-based authentication is being supplemented or replaced by biometric authentication, including fingerprint or facial recognition, as well as multifactor authentication (MFA) that combines multiple verification factors, such as passwords, security tokens, or SMS codes. These methods significantly reduce the risk of unauthorized account access and enhance customer trust.

Machine Learning and AI-Based Fraud Detection:

The rise of machine learning and artificial intelligence has revolutionized fraud detection in the banking industry. Banks are leveraging these technologies to analyze vast amounts of data, detect patterns and identify potential fraudulent activities in real-time. Machine learning algorithms can learn from historical data and adapt to emerging fraud patterns, enabling banks to stay one step ahead of fraudsters.



Behaviour Analytics and Anomaly Detection:

Behaviour analytics is another powerful tool employed by banks to detect fraudulent activities. By monitoring customer behaviour and transaction patterns, banks can establish baseline profiles for individual customers and identify deviations that may indicate potential fraud. Advanced anomaly detection algorithms help identify suspicious activities and trigger alerts for further investigation.

Encryption and Data Protection:

Banks are employing robust encryption techniques to protect sensitive customer data both at rest and during transmission. Secure socket layer (SSL) and transport layer security (TLS) protocols are widely implemented to secure online communication between customers and banking systems. Additionally, data encryption techniques are used to protect stored customer information, ensuring that even in the event of a security breach, the data remains encrypted and inaccessible to unauthorized individuals.

Collaboration and Information Sharing:

Banks are increasingly collaborating with industry peers, law enforcement agencies and cybersecurity organizations to combat fraud collectively. Sharing information about emerging threats, fraud trends and attack patterns enables banks to develop proactive strategies and enhance their defence mechanisms. These collaborations foster a collective effort to protect the industry and its customers from evolving security risks.

Continuous Monitoring and Threat Intelligence:

Real-time monitoring and alerts play a crucial role in fraud prevention. Banks employ sophisticated monitoring systems and threat intelligence tools to detect and respond to security threats promptly. These systems

continuously monitor network traffic, user activities and system logs for suspicious behaviour, potential vulnerabilities, or security breaches. Advanced security information and event management (SIEM) systems enable banks to aggregate, correlate and analyze security events in real-time, helping security teams respond quickly to potential threats and mitigate risks. Any suspicious or abnormal behaviour triggers immediate alerts, allowing banks to take swift action and prevent potential fraudulent transactions. Prompt notification to customers about suspicious activities also enables them to respond quickly and safeguard their accounts.

Customer Education and Awareness:

Banks recognize the importance of educating customers about security best practices and raising awareness about common fraud schemes. Through interactive platforms, educational campaigns and personalized communications, banks empower customers to understand potential risks and adopt secure behaviours. Through regular communication and awareness campaigns, banks empower customers to play an active role in safeguarding their financial information and report any suspicious activities promptly. Educated customers become the first line of defence against fraud attempts, creating a collective and vigilant environment.

Conclusion:

As the banking industry embraces digital transformation and faces evolving cyber threats, enhanced security measures and fraud prevention have become imperative. By deploying advanced authentication techniques, leveraging machine learning and AI-based fraud detection, employing behaviour analytics, promoting information sharing and educating customers, banks are strengthening their security posture and instilling trust among customers. These proactive measures demonstrate the industry's commitment to safeguarding customer data, ensuring secure transactions and staying ahead in the ongoing battle against fraud. By prioritizing security and fraud prevention, banks aim to build trust with customers and ensure a secure and reliable banking experience in an increasingly interconnected world.

Reference:

1. Mishra S. Exploring the Impact of AI-Based Cyber Security. *Financial Sector Management. Applied Sciences*. 2023; 13(10):5875. <https://doi.org/10.3390/app13105875>
2. "A test of resilience: Banking through the crisis and beyond," *Global Banking Annual Review*, May 2021, McKinsey.com.
3. OECD (2020), *Financial Consumer Protection Policy Approaches in the Digital Age: Protecting consumers' assets, data and privacy*. www.oecd.org/finance/Financial-Consumer-Protection-Policy-Approaches-in-the-Digital-Age.pdf



J. Rajesh Kumar

Chief Manager (Faculty)
Baroda Academy, Chennai

विश्व पर्यावरण दिवस/World Environment Day

अंचल कार्यालय, मंगलूरु एवं मंगलूरु शहर क्षेत्र



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अंचल प्रमुख श्रीमती गायत्री आर द्वारा बैंक क्वार्टर्स के परिसर में वृक्ष लगाया गया। श्री संजय एस वाली, क्षेत्रीय प्रमुख मंगलूरु शहर क्षेत्र एवं अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अंचल कार्यालय, बेंगलूरु



अंचल कार्यालय, बेंगलूरु परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बेंगलूरु अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री देवब्रत दास ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी, सहायक महाप्रबंधक श्री आर.प्रसन्नराम तथा अंचल कार्यालय के स्टाफ उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर



5 जून, 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित बैनर्जी एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, अमृतसर



क्षेत्रीय कार्यालय, अमृतसर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोक कुमार के नेतृत्व में अमृतसर कैंट के पास वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख और क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ द्वारा 50 पौधे लगाए गए।

क्षेत्र 3, अहमदाबाद



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री प्रदीप बाफना, उप अंचल प्रमुख, अहमदाबाद अंचल एवं श्री जगजीत कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख, अहमदाबाद 3 द्वारा से कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री पराग गोगाटे, उप क्षेत्रीय प्रमुख एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर



क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम गुप्ता की अध्यक्षता में क्षेत्रीय कार्यालय नागपुर द्वारा दिनांक 05.06.2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के तहत क्षेत्रीय कार्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख एवं कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस / World Environment Day

क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद 1



विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद 1 के तत्वावधान में स्थानीय विद्यालय के सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय कुमार चौधरी ने जिला स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया।

क्षेत्रीय कार्यालय, पुत्तूर



क्षेत्रीय कार्यालय पुत्तूर क्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री देवीप्रसाद शेटी, क्षेत्रीय प्रमुख ने स्वामी विवेकानंद कन्नड माध्यम स्कूल, पुत्तूर परिसर में वृक्ष लगाया। समारोह में स्कूल के अध्यापक गण, विद्यार्थी गण एवं क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु उत्तर



क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु-उत्तर द्वारा "विश्व पर्यावरण दिवस" के अवसर पर "कर्नाटका शीप एंड वुल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड" कार्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेंगलूरु-उत्तर क्षेत्र की उप क्षेत्रीय प्रबंधक सुश्री आर.भुवनेश्वरी, आर.टी.नगर शाखा के शाखा प्रमुख श्री प्रवीण, कर्नाटका शीप एंड वूल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ जे पंपापती और बैंक के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे जिला तथा पुणे शहर



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुणे जिला क्षेत्रीय कार्यालय तथा पुणे शहर कार्यालय ने मिलकर पुणे स्थित तलजाई हिल पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर पुणे जिला क्षेत्रीय कार्यालय की क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती नंदिनी गायकवाड़ तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल



दिनांक 05. जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा द्रोणांचल टॉप, एमईएस के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बैंक की ओर से अंचल प्रमुख, भोपाल अंचल श्री संजीव मेनन, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क)- मध्यप्रदेश श्री विपिन कुमार गर्ग, क्षेत्रीय प्रमुख, भोपाल श्री एस के तलरेजा तथा अन्य कार्यपालकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाड़ा



विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय भीलवाड़ा द्वारा दिनांक 05 जून 2023 को वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर पी मीना एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस/World Environment Day

कोटा क्षेत्र



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोटा स्थित केन्द्रीय विद्यालय में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेज सिंह मीना व क्षेत्रीय कार्यालय तथा विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, तेलंगाना दक्षिण



तेलंगाना दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा हैदराबाद जिले के हिमायतनगर मंडल के तहसीलदार कार्यालय में क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी वी वी एस शर्मा के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से तहसीलदार कार्यालय परिसर में 50 नए पौधे लगाए गए। इस अवसर पर तहसीलदार, उप क्षेत्रीय श्री रमेश कुमार गुरजापु एवं क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य गण उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिवेंद्रम



दिनांक 0 जून, 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरकारी हाई स्कूल के छात्रों को पौधे वितरित किए गए। इस कार्यक्रम के अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती विद्या और क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिवेंद्रम के एस एम एस प्रमुख श्री ओम प्रकाश और क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र



मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण करते हुए श्री शैबल बैनर्जी, उप क्षेत्रीय प्रमुख एवं अन्य स्टाफ सदस्य।

सवाई माधोपुर क्षेत्र



बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, सवाई माधोपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों के सहयोग से जिले के विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री आर सी मीना, संकाय सदस्य एवं विभिन्न प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, गांधीनगर



गांधीनगर क्षेत्र स्थित बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण करते हुए क्षेत्रीय प्रमुख, गांधीनगर श्री बी.एल.गहलोत, श्री जिग्नेश प्रियदर्शी, प्रमुख बीएसवीएस एवं अन्य अधिकारी गण।

‘बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान-2023’

बैंक ने भारतीय भाषाओं के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत ‘बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान’ की वर्ष 2023 से शुरुआत की है। ‘राष्ट्र की भाषाएं, राष्ट्र की धरोहर’ की संकल्पना के आधार पर बैंक द्वारा इस सम्मान की शुरुआत की गई है। ‘बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान’ के शुभारंभ की घोषणा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा द्वारा 20 जनवरी, 2023 को जयपुर में आयोजित जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के एक विशेष सत्र में की गई। बैंक द्वारा इस सम्मान की शुरुआत भारतीय भाषाओं में साहित्यिक लेखन एवं उनके हिंदी अनुवाद कर्म को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। इस सम्मान योजना हेतु देशभर के उपन्यासकारों से प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन के उपरांत निर्णायक मंडल द्वारा विजेता उपन्यास के लेखकों एवं अनुवादकों को शॉर्टलिस्ट किया गया। दिनांक 11 जून, 2023 को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता एवं कार्यपालक निदेशकों की उपस्थिति में विजेताओं को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व, लॉन्ग लिस्ट में चयनित कृतियों के लेखकों से संवाद हेतु बैंक के शीर्ष कार्यपालकों की मौजूदगी में देश भर में विभिन्न शहरों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हमारे पाठकों के लिए प्रस्तुत है पुरस्कार के प्रथम वर्ष की सम्पूर्ण यात्रा की सचित्र रिपोर्ट – कार्यकारी संपादक



विजेता कृति के लेखक का सम्मान



भुवनेश्वर में आयोजित विचार-गोष्ठी



कोलकाता में आयोजित विचार-गोष्ठी



मुंबई में आयोजित विचार-गोष्ठी



चंडीगढ़ में आयोजित विचार-गोष्ठी



नई दिल्ली में आयोजित विचार-गोष्ठी

सत्यनिष्ठा बैंकिंग उद्योग की आधार शिला है, यह एक महत्वपूर्ण गुण है जो ग्राहकों के विश्वास और भरोसे को कायम रखता है और वित्तीय प्रणालियों की स्थिरता सुनिश्चित करता है। बैंकिंग के क्षेत्र में, जहां जिम्मेदारी और वित्तीय लेनदेन आपस में जुड़े हुए हैं, सत्यनिष्ठा नैतिक मानकों को बनाए रखने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने और इसमें शामिल सभी हित धारकों के हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सत्यनिष्ठा को अक्सर व्यक्तिगत और व्यावसायिक नैतिकता की आधार शिला माना जाता है। यह किसी व्यक्ति की सत्यता, विश्वसनीयता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निष्ठावान व्यक्ति बाहरी दबावों या प्रलोभनों की परवाह किए बिना, नैतिकता और नैतिक मानकों के प्रति अपने अटूट पालन के लिए जाना जाता है। वे अपने व्यवहार में निरंतरता प्रदर्शित करते हैं और उनके कार्य उनके मूल्यों का सच्चा प्रतिबिंब होते हैं। सत्यनिष्ठ व्यक्ति सच बोलता है और छल, झूठ और चालाकी से दूर रहता है। वह पारदर्शिता को महत्व देता है और संवाद और विश्वास के बल पर दूसरों के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने में विश्वास करता है। सत्यनिष्ठा मौखिक अभिव्यक्ति से परे है, इसमें विचारों, मजबूत इरादों और कार्यों में ईमानदारी शामिल है। सत्यनिष्ठा में किसी के कार्यों की जिम्मेदारी लेना और परिणामों के लिए जवाबदेह होना भी शामिल है। सत्यनिष्ठ व्यक्ति अपनी गलतियों या कमियों को स्वीकार करने से नहीं कतराते। वे अपनी पसंद के प्रभाव को पहचानते हैं और इससे होने वाले किसी भी नुकसान को सुधारने का प्रयास करते हैं। जवाबदेही की यह भावना उनके चरित्र को मजबूत बनाती है और उन्हें दूसरों से सम्मान दिलाती है।

सत्यनिष्ठा, दुनिया भर में पोषित एक कालातीत गुण है, जिसके सैकड़ों उदाहरण हैं जिन्होंने भारत की सामूहिक चेतना पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

"खुद वो बदलाव बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

– महात्मा गांधी

सर्वप्रथम, हम महात्मा गांधी के विशाल व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हैं, जो सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जिनकी सत्य और अहिंसा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने भारत को स्वतंत्रता की ओर प्रेरित किया। सबसे कठिन परिस्थितियों के बीच भी, अपने सिद्धांतों के प्रति उनका दृढ़ संकल्प लाखों लोगों को प्रेरित करता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करता है।

सत्यनिष्ठा में न केवल गलत को मना करना बल्कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी नैतिक निर्णय लेना भी शामिल है। इसमें व्यक्ति को अपनी पसंद के व्यापक निहितार्थों पर विचार करने और अपने नैतिक दायरे के अनुसार कार्य करने की आवश्यकता होती है। सत्यनिष्ठा व्यक्ति को अल्पकालिक लाभ या समझौते के आकर्षण का विरोध करने में सक्षम बनाती है जो उनके सिद्धांतों को कमजोर कर सकते हैं। यह उन्हें व्यक्तिगत लाभ या लोकप्रियता से ऊपर सही काम को प्राथमिकता देने का विचार देती है।



सत्यनिष्ठा - प्रेरणा एवं आवश्यकता

"ईमानदारी तभी सही काम कर रही है, जब कोई देख नहीं रहा हो।"

– सत्येंद्र दुबे

एक और उदाहरण एक भारतीय इंजीनियर सत्येंद्र दुबे की बहादुरी की कहानी में निहित है, जिन्होंने निडर होकर सरकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भ्रष्टाचार को उजागर किया था। अपने रास्ते में आने वाली धमकियों और दबावों को नकारते हुए, उन्होंने दृढ़ता के साथ अपनी ईमानदारी से समझौता करने से इनकार कर दिया, भ्रष्टाचार के व्यापक मुद्दे को सामने लाने का विकल्प चुना।

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सत्यनिष्ठा का महत्व है। कार्य स्थल में, नियोक्ताओं और सहकर्मियों द्वारा ईमानदारी को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। यह विश्वास, विश्वसनीयता और व्यावसायिकता का माहौल तैयार करता है। निष्ठावान कर्मचारियों को भरोसेमंद और नैतिक माना जाता है, जिससे उनकी विश्वसनीयता बढ़ती है और अवसरों और विकास के द्वार खुलते हैं।

नेतृत्व की भूमिका में सत्यनिष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना व्यवसाय प्रबंधन करना। सत्यनिष्ठा नेतृत्व अपने नैतिक आचरण से दूसरों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। वह ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही के उच्च मानक स्थापित करते हुए उदाहरण पेश करते हैं। ऐसे व्यक्ति अपनी टीम के सदस्यों का विश्वास और वफादारी हासिल करते हैं, सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और सामूहिक सफलता दिलाते हैं।

"ईमानदारी सही काम कर रही है, भले ही यह कठिन हो।" –किरण बेदी

भारत में सत्यनिष्ठा की कहानी एक अग्रणी पूर्व पुलिस अधिकारी किरण बेदी के शानदार कैरियर से और समृद्ध हुई है। अपनी अजेय निष्ठा और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली बेदी ने दूरगामी सुधारों को लागू किया, भ्रष्टाचार का मुकाबला किया और सामुदायिक पुलिसिंग पहल का नेतृत्व किया। कानून को कायम रखने और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के प्रति उनका अटूट समर्पण उन सभी के लिए प्रेरणा का काम करता है जो एक न्यायपूर्ण और जवाबदेह समाज के लिए प्रयास करते हैं।

बैंकर्स के लिए सत्यनिष्ठा का महत्व -

सत्यनिष्ठा सर्वोपरि - बैंकिंग में सत्यनिष्ठा सर्वोपरि है क्योंकि यह ग्राहकों के बीच विश्वास को बढ़ावा देती है। बैंक लोगों की मेहनत की कमाई और वित्तीय संपत्तियों के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। ग्राहक अपनी सुरक्षा और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपनी जमा राशियों को जिम्मेदारी से संभालने के लिए बैंकों पर भरोसा करते हैं। उच्चतम नैतिक मानकों का पालन करके, बैंक ईमानदारी का एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जहां ग्राहक इन संस्थानों को अपनी जमा-पूंजी सौंपने में सुरक्षित महसूस करते हैं।

सत्यनिष्ठा एक नैतिक दिशा सूचक - सत्यनिष्ठा एक नैतिक दिशा सूचक के रूप में कार्य करती है, जो वित्तीय क्षेत्र के भीतर बैंकों के नैतिक आचरण का मार्गदर्शन करती है। बैंकर्स के लिए अटूट सत्यनिष्ठा के साथ काम करना अनिवार्य है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक कार्य ईमानदारी, निष्पक्षता और कानूनी और नियामक आवश्यकताओं के सख्त पालन पर आधारित हो। इसमें ग्राहकों के साथ न्यायसंगत व्यवहार करना, सटीक और पारदर्शी जानकारी प्रदान करना और हितों के किसी भी टकराव से बचना शामिल है। ईमानदारी कायम रखकर बैंकर्स न केवल अपनी नैतिक जिम्मेदारियां निभाते हैं बल्कि संपूर्ण वित्तीय प्रणाली की अखंडता को कायम रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाने में - ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाने में सत्यनिष्ठा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ईमानदारी, भरोसेमंद और नैतिक आचरण जैसे मूल्यों का लगातार उदाहरण देकर,

बैंकर अपने ग्राहकों का विश्वास और अटूट समर्थन हासिल करते हैं। यह साझेदारी की भावना पैदा करता है और ग्राहकों को लंबे समय तक चलने वाले बैंकिंग संबंध स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। जब ग्राहकों को अपने बैंक पर भरोसा होता है, तो वे सेवाओं का व्यापक लाभ लेने और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी वफादारी प्रदर्शित करने के लिए अधिक इच्छुक होते हैं।

बैंकर्स के लिए न केवल कार्य स्थल में सत्यनिष्ठा महत्वपूर्ण है बल्कि व्यक्तिगत रिश्तों में भी सत्यनिष्ठा रखना जरूरी है। यह व्यक्तियों के बीच विश्वास और सम्मान की नींव बनाता है। जब लोग जानते हैं कि वे किसी की सत्यनिष्ठा पर भरोसा कर सकते हैं, तो यह संबंधों को और गहरा करता है। इसके विपरीत, ईमानदारी की कमी रिश्तों को खराब कर सकती है, संदेह पैदा कर सकती है और पारस्परिक तारतम्यता को नुकसान पहुंचा सकती है।

भारतीय संदर्भ में, ऐसे व्यक्तियों के कई प्रेरक उदाहरण हैं जिन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन में अटूट सत्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया है। ऐसा ही एक उदाहरण प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे हैं। भारत में भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें देशव्यापी पहचान मिली। अपने अहिंसक विरोध प्रदर्शन और भूख हड़ताल के माध्यम से, हजारे ने अपने

सिद्धांतों के प्रति दृढ़ समर्पण प्रदर्शित करते हुए व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा का उदाहरण दिया।

सत्यनिष्ठा व्यक्तिगत बातचीत से परे है। यह सामाजिक मूल्यों और मानदंडों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब सत्यनिष्ठा एक सामूहिक मूल्य बन जाती है, तो यह निष्पक्षता, न्याय और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देती है। जो समुदाय सत्यनिष्ठा को प्राथमिकता देते हैं, उनके सामंजस्यपूर्ण ढंग से कार्य करने, सामूहिक जिम्मेदारी और साझा नैतिक मानकों की भावना को बढ़ावा देने की अधिक संभावना होती है।

अंत में, भारत के ये चमकदार उदाहरण समय और भूगोल की सीमाओं को पार करते हुए सत्यनिष्ठा को स्थायी शक्ति के प्रमाण के रूप में स्थापित हैं। वे प्रेरित करते हैं कि कैसे सत्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित व्यक्तियों ने अपने समुदायों, संस्थानों और बड़े पैमाने पर राष्ट्र को आकार दिया है।

❖❖❖



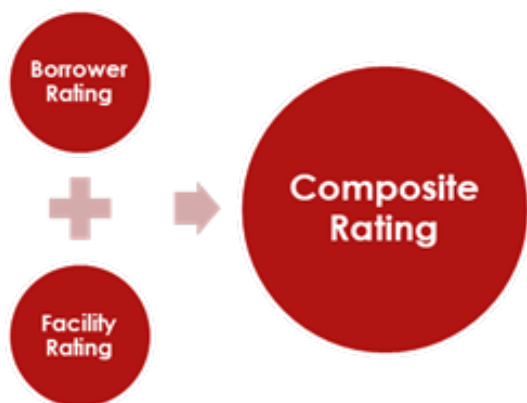
हरी हर देवम

मुख्य प्रबंधक,

बड़ौदा, एपेक्स एकेडमी, गांधीनगर

Importance of Internal Credit Rating in Bobicon

In Banking Industry lending to any non-individual borrower attracts the *Credit Risk*. Assessing the risk associated with the borrower before lending helps for better credit decisions and saving our *Bank's capital*. In order to assess the credit worthiness of the borrower, we use different type of models depending on the activity, turnover and proposed limit. All the *internal credit rating models* including **MSME Score Card** are now hosted on the web based tool **BOBICON (Bank of Baroda Intelligent Credit Origination)** which is presently accessible in only *Finacle PC*. The internal credit rating carried out using these models are of two dimensional.



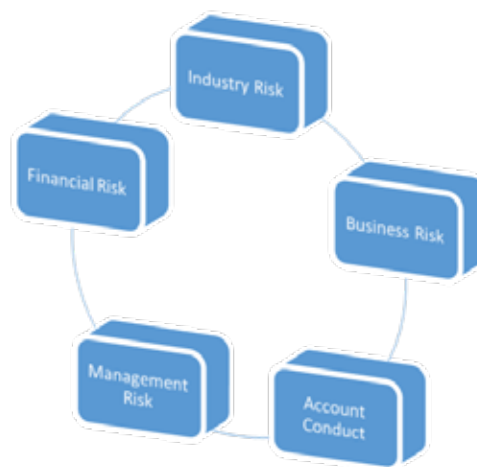
The first dimension of the rating is **Borrower Rating** which indicates, the *Probability of Default* is ranging from *BOB1* to *BOB10*.

BOB1 describes least Risk associated with the borrower and *BOB10* is the highest risk. The second dimension is *Facility Rating* which is the *LGD (Loss Given Default)* is ranging from *FR1* to *FR8*. *FR1* and *FR8* explains highly secured and least secured advances respectively. The combination of *Borrower Rating* and *Facility Rating* gives us the composite rating which depicts the expected loss is ranging from *CR1* to *CR10*. *CR1* and *CR10* describes lowest and highest **Expected Loss** respectively.

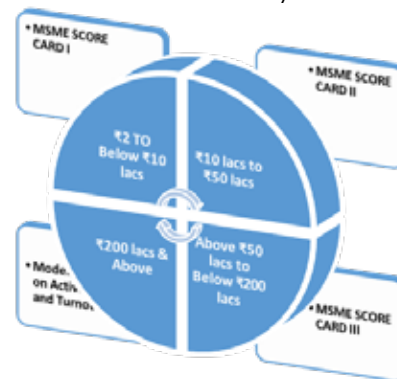
Risks Types Assessed by Rating Models

The credit rating models which are based on two-dimensional rating methodologies specified under Basel-II requirements assess five types of risks. Based on these five types of risk the credit worthiness of the borrower is judged. In some of the Internal Credit Rating Model, the *Industry Risk Score* is centrally

computed. And, for other 4 risk parameters the scoring is done manually by credit rating officer at level 1. For the MSME borrowers with proposed limit from ₹ 2 lacs to below ₹ 200 lacs rating is required to be carried out in *BOBICON*. Any one of the *three MSME Score Card Models* are selected depending on the proposed limit irrespective of activity and turnover of the borrower. The selection of MSME Score Card is purely based on the proposed limit as given in diagram.



There are Credit Rating Models other than MSME Score Card in which case, the selection of the Internal Credit Rating Model for rating the borrowers with proposed limit ₹ 200 lacs & Above depends on the type of major activity carried out by the Non- Individual Borrower and its turnover in that financial year.



The following table helps in selecting the appropriate model depending on the activity of the borrower and its annual turnover. These below models are applicable for all non-individual borrowers with the proposed limit ₹ 200 lacs & Above.

Sr. No.	Model Name	Definition
1	Trader	Units engaged in trading activities irrespective of annual turnover / income.
2	Bank	Banking activity.
3	Broker	Broking (entities registered under SEBI / FMC).
4	NBFC	NBFC Activities for entities registered with RBI/NHB/SEBI/ FMC for carrying out non-banking activity/ housing/ gold/ micro finance activity.
5	Real Estate	Real Estate Model is applicable to real estate greenfield construction projects or projects under implementation or already implemented
6	Lease Rental Discount	Units engaged in Lease Rental Activity irrespective of annual turnover / income
7	Contractor	Units engaged in Contractor Activity irrespective of annual turnover / income
8	SME	All companies with core activity as services, not falling under any of the above specified (Sr. No 1-7) categories along with MSME definition set under para 5.1 of Global Credit Exposure Management Policy of the Bank.
9	SME- Services	All companies with core activity as manufacturing/processing, not falling under any of the above specified (Sr. No 1-7) categories along with MSME definition set under para 5.1 of Global Credit Exposure Management Policy of the Bank.
10	Large Corporate Model	All infrastructure projects which have started cash/revenue/ income generation from the project operations with partial/full implementation All companies with core activity not falling under any of the above specified (Sr. No 1-7) category and with gross annual turnover of over Rs.250/- crore (excluding export sales)
11	Infrastructure - Roads	Roads/Ports/Telecom/Power; implementation stage where cash/revenue/income generation from the project is not yet started.
12	Infra Port Template	
13	Infra Telecom Template	
14	Infra Power Template	

15	MSME Scorecard	MSME borrowers enjoying credit facility (funded and non-funded) limits from Rs 2 lacs to Rs 200 lacs Or Corporate borrowers enjoying credit facility (funded and non-funded) limits less than Rs 25 lacs.
16	UAE Model	Customized credit rating model for UAE and United Kingdom operations
17	UK Model	
18	Sovereign Model	To assess risk of central government of a country.
19	Agri. Crop Loan	Units classified as Agri Priority Sector in the proposal and availing working capital facility.
20	Agri. Term Loan	Units classified as Agri Priority Sector in the proposal and availing term loan for Agri products/activities/Investments

There are two levels in BOBICON. At first level the credit rating officer at Branch, SMELF and Region carries out rating in BOBICON based on the Audited Balance Sheet in case of fresh sanctions and review. At second level the validation of the internal credit rating is carried out at Regional, Zonal and BCC level by respective Regional Risk Officers(RRO's), Zonal Risk Officers(ZRO's) and Officers posted in Rating Cell of Risk Management Department, BCC. Validation of the rating is carried out based on the details of the company mentioned in the draft proposal like proposed limit, security, financial ratio's, background of the company, conduct of the company etc. The business growth of the company is analyzed through the audited balance sheet it.

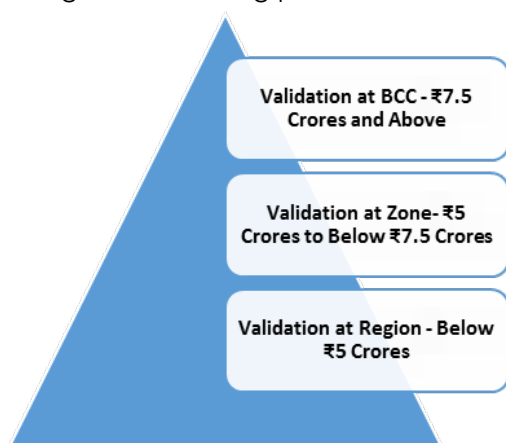
RATING PROCESS

- Step 1:** Creation/ updating of borrower / Initiation of rating by level 1 user in BOBICON
- Step 2:** Completion of borrower details, facility & collateral details
- Step 3:** Financial Input and Output in correct template
- Step 4:** Linking of financials
- Step 5:** Selection of correct rating model
- Step 6:** Completion of obligor rating & FRR computation
- Step 7:** Credit rating submission to the Validator
- Step 8:** Submission of Back papers to Validator- Soft Copy of Proposal and Balance Sheet

Internal Rating Validation (Based on Proposed Limit)

Validation of Internal Credit Rating is carried out at Regional, Zonal and BCC level depending on the proposed limit. The practice of timely carrying out internal credit rating in BOBICON based on the

latest audited balance sheet before sanction and disbursement is very important. It is also equally important to immediately provide back papers to the concerned validator. The back papers such as soft copy of draft proposal and scanned copy of balance sheet should reach the validator Mail ID immediately for validation of Internal Credit rating in BOBICON. This will help in reducing the turnaround time (TAT) in processing the proposal and quick credit decision by Sanctioning Authority and timely disbursement. The back papers for Internal Credit rating validation should be sent to validator within 3 days from the date of rating. Otherwise the validator has the right to reverse the rating in BOBICON to credit rating officer which in turn will delay the entire sanctioning and reviewing process.



As per the Global Exposure Management policy, we even can carry out rating based on *provisional balance sheet* while carrying out the review of the limit sanctioned if at the time of credit review audited balance sheet is not available. The rating based audited balance sheet should be carried out immediately, if there is difference in financial by *more than 10%* between audit and provisional financial figures. And also in the policy we have in detail regarding exemptions of rating in BOBICON e.g 100% Government guaranteed limit, 100% FDR backed BG, NPA accounts etc These types of accounts are exempted from carrying out rating in BOBICON. In most of accounts the pricing, adhoc sanction etc. are purely based on Internal Credit Rating. In deciding the DLP, Internal Credit Rating plays a very important role. So, it is mandatory that, we carry out rating beforehand. If there is discrepancy between the *rating carried out* and the *rating mentioned in the Sanctioned Credit Proposal*, then it will lead to complications like non-compliance issues, DLP issues if the internal credit rating falls under non-investment grade (BOB7 to BOB10). And also when there is drastic downgrade in the internal rating in current financial year as compared to the previous one, then this may lead

to change in sanctioning authority. For any new credit officer, understanding the use of BOBICON and learning the navigation is now not at all difficult. There is great news for the new credit rating officers that, *two courses on BOBINCON are available in Baroda Gurukul and two videos on BOBICON in Baroda Tube.*

The first course launched on BOBICON i.e. **BOBICON PART-I** explains about the internal credit rating, type of rating, proper model selection criteria and exclusion of the account from carrying out internal credit rating. And second course i.e. **BOBICON PART-II** give hands-on experience of carrying out credit rating.



In my conclusion, I would like to say that, the newly appointed credit officers and the one who is newly handling the credit portfolio should first fully understand the purpose of rating before finalizing any credit proposal. Proper understanding of model selection is very important otherwise if in case the credit rating model is wrongly selected then, it will have negative impact on our Bank's credit decisions. For any clarification related to Internal Credit Rating in BOBICON, all credit officers can approach the *Risk Officers* posted at their respective Regional and Zonal office. There is great support available from BOBICON team in Risk Management Department at Corporate Office level which extends support in resolving any technical issue related to new user id creation, SOL id transfer etc in BOBICON. For the benefit of credit officers, on regular basis trainings on BOBICON are conducted by Staff College. Credit officer can make best use of the available resource for learning "**Rating in BOBICON**". *Happy learning to you all!*



Siddharth S. Kamble
Risk Management Dept,
MMWR, Mumbai

अमृतसर क्षेत्र द्वारा बीसीएमएस आधारित कार्यशाला आयोजित



अमृतसर क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री सतपाल मेहरा की अध्यक्षता में दिनांक 6 मई, 2023 को शाखाओं के स्टाफ सदस्यों को डिजिटल उत्पाद बीसीएमएस की जानकारी देने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भरतपुर क्षेत्र द्वारा लेखा परीक्षा एवं अनुपालन कार्यशाला आयोजित



दिनांक 7-8 जून, 2023 को भरतपुर क्षेत्र द्वारा "लेखा परीक्षा एवं अनुपालन" कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के 65 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला में श्री अंकित सुनेजा, मुख्य प्रबन्धक, बड़ौदा एकेडमी, जयपुर द्वारा सत्र लिए गए।

उदयपुर क्षेत्र द्वारा मिलिट्री स्टेशन, उदयपुर में कार्यशाला आयोजित



क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में दिनांक 16 जून, 2023 को मिलिट्री स्टेशन उदयपुर में 3 राज रायफल्स यूनिट में सैन्य अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सैन्य वेतन खाता, बड़ौदा योद्धा ऋण, बड़ौदा योद्धा क्रेडिट कार्ड के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

भरुच क्षेत्र द्वारा "ऑडिट और अनुपालन" पर कार्यशाला आयोजित



दिनांक 02 जून, 2023 को भरुच क्षेत्र द्वारा संयुक्त प्रबंधकों / क्रेडिट अधिकारियों के लिए "ऑडिट और अनुपालन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय लेखा परीक्षण एवं निरीक्षण विभाग, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री अजय कुमार खोसला, जेडआईएडी, बड़ौदा अंचल के उप महाप्रबंधक श्री मोती लाल मीना, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सचिन वर्मा एवं श्री उप क्षेत्रीय प्रमुख डी. के.चौधरी तथा बड़ौदा प्रशिक्षण केंद्र के मुख्य प्रबंधक श्री त्रिलोचन साहू उपस्थित रहे।

झुंझुनू क्षेत्र में लेखा परीक्षा एवं अनुपालन विषय पर कार्यशाला



दिनांक 12-13 जून, 2023 को झुंझुनू क्षेत्र द्वारा संयुक्त प्रबंधक एवं साख अधिकारियों हेतु लेखा परीक्षा एवं अनुपालन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंतर आंचलिक लेखा परीक्षा प्रभाग, जयपुर से सहायक महाप्रबंधक श्री मदन लाल पासवान, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री पाला राम, क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख श्री ललित कुमार उपस्थित रहे।

कोटा क्षेत्र में अनुपालन एवं ऑडिट प्रशिक्षण कार्यक्रम



दिनांक 01 जून, 2023 को उप महाप्रबंधक श्री के.वी.चलापथी आंतरिक लेखा परीक्षा केंद्र प्रभारी की अध्यक्षता में क्षेत्र की शाखाओं के संयुक्त प्रबंधक व साख प्रभारियों हेतु दो दिवसीय (31 मई व 01 जून, 2023) अनुपालन एवं ऑडिट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रेष्ठ अनुपालन हेतु स्टाफ सदस्यों को क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश मेहरा व उप महाप्रबंधक श्री के.वी.चलापथी ने सम्मानित किया।

नेटवर्क विस्तार/Network Expansion

लखनऊ महानगर क्षेत्र की उत्तरप्रदेश पुलिस मुख्यालय शाखा का उद्घाटन



दिनांक 26 जून, 2023 को लखनऊ महानगर क्षेत्र की उत्तरप्रदेश पुलिस मुख्यालय शाखा का उद्घाटन उत्तरप्रदेश के पुलिस महानिदेशक श्री विजय कुमार तथा बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना एवं लखनऊ अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक श्रीमती रचना मिश्र, क्षेत्रीय प्रमुख लखनऊ महानगर क्षेत्र श्री समीर कुमार ओझा, उप क्षेत्रीय प्रमुख लखनऊ महानगर क्षेत्र, तथा बड़ी संख्या में बैंक के स्टाफ सदस्य एवं पुलिस के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

पुणे शहर क्षेत्र की पौढ़ रोड शाखा के नवीकृत परिसर का उद्घाटन



दिनांक 15.06.2023 को पुणे शहर क्षेत्र की पौढ़ रोड शाखा के नवीकृत परिसर का उद्घाटन श्री चंद्रमणि त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख, पुणे अंचल द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुणे शहर क्षेत्र के कार्यपालक एवं पौढ़ रोड शाखा के स्टाफ उपस्थित रहे।

नेवी नगर कोलाबा, मुंबई के सुमित्रा मार्केट में एटीएम का उद्घाटन



दिनांक 17 अप्रैल, 2023 को नेवी नगर कोलाबा, मुंबई के सुमित्रा मार्केट में सीएमडीई आदित्य हारा, कमोडोर बैंक (सीओ आईएनएस आंग्रे) मुंबई और श्री मनीष कौड़ा, महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय मुंबई द्वारा एटीएम का उद्घाटन किया गया। नेवी नगर कोलाबा पश्चिमी नौसेना कमान का सबसे बड़ा आवासीय क्षेत्र है जिसमें लगभग 30000 सेवारत कर्मी और परिवार रह रहे हैं।

सूरत शहर क्षेत्र में वेद रोड शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



दिनांक 15 मई, 2023 को सूरत शहर क्षेत्र की वेद रोड शाखा के नए परिसर का उद्घाटन सूरत शहर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख, श्री रंजीत रंजन दास के कर-कमलों से किया गया। इस दौरान शाखा के स्टाफ सदस्य एवं ग्राहकगण उपस्थित रहे।

डीबीयू का शुभारंभ – क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूर-उत्तर



दिनांक 6 मई, 2023 को कर्नाटक के प्रथम एवं भारत के 13वें डिजिटल बैंकिंग यूनिट (डीबीयू) का उद्घाटन गंगम्मा सर्कल में बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री अजय के. खुराना द्वारा किया गया। इस अवसर पर बेंगलूर अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी, बेंगलूर उत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री.कपिलेश के आर, बेंगलूर अंचल के क्षेत्रीय प्रमुख तथा बैंक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

ATM inaugurated of Court Road Branch, Udupi Region



New ATM attached to Court Road Branch, Udupi region was inaugurated on 15.06.2023 in the CSI Lombard Memorial (Mission) Hospital, Udupi premises. Sri. Sanatan Sathua, Regional Head, Udupi felicitating Bishop Rt.Rev. Hemachandra Kumar in the presence of Sri. Sushil D Jathanna, MD and Sri Harsha Chief Manager, Udupi Court Road Branch.

मंड्या क्षेत्र की के.आर.पेटे शाखा के नए परिसर का शुभारंभ



दिनांक 8 जून, 2023 को के.आर.पेटे शाखा के नए परिसर का शुभारंभ बेंगलूर अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री देबब्रत दास द्वारा किया गया। इस अवसर पर फोटो में हैं बेंगलूर अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी, मंड्या क्षेत्र के प्रमुख सुश्री जी.रूपा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

वड्याडूकोट्टा शाखा (कोल्लम) त्रिवेंद्रम क्षेत्र के नए परिसर का शुभारंभ



त्रिवेंद्रम क्षेत्र की वड्याडूकोट्टा शाखा (कोल्लम) के नए परिसर का शुभारंभ अंचल प्रमुख श्री श्रीजित कोट्टारत्तिल ने किया। इस अवसर पर नेटवर्क डीजीएम श्री नागा सुब्रह्मण्यम, क्षेत्रीय प्रमुख श्री पद्मा कुमार जे ने ग्राहकों को बैंक द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। इस दौरान शाखा के स्टाफ सदस्य एवं ग्राहकगण उपस्थित रहे।



सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नित नए-नए अविष्कारों और बैंकिंग के क्षेत्र में बढ़ रहे इनके उपयोगों ने हमारी बैंकिंग की सेवाओं में आमूल-चूल परिवर्तन ला दिया है और आज हमारी पूरी बैंकिंग प्रणाली डिजिटलीकृत हो गई है। आज से कुछ समय पूर्व तक बैंक मोबाइल ऐपों व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों की मदद से ग्राहकों को धन की उगाही, अंतरण व उनके बिल आदि के भुगतान की सुविधा उन्हें उपलब्ध करा रहे थे किन्तु अब ये बैंक इन्हीं मोबाइल ऐपों व साफ्टवेयरों की मदद से कम-से-कम समय में कम-से-कम दस्तावेजों के निरीक्षण पर उन्हें हजारों/लाखों का ऋण बड़ी आसानी से कुछ ही मिनटों में उपलब्ध करा रहे हैं।



यह कहना गलत नहीं होगा कि आज हमारा देश एक डिजिटल क्रांति के कगार पर खड़ा है। हमारे देश की सरकार भी डिजिटलाइजेशन पर बहुत अधिक जोर दे रही है इनके फलस्वरूप आज देश में लोगों की वित्तीय जानकारी को जुटाने वाली बहुत सी 'फिनटेक कम्पनियां' बन गई हैं। ये फिनटेक कम्पनियां, वित्तीय संस्थान, बैंक आदि द्वारा बनाए गए मोबाइल ऐपों व साफ्टवेयरों की मदद से लोगों के ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का ऑनलाइन प्रमाणीकरण (Verification) कर, उन्हें हजारों/लाखों के ऋण बड़ी ही सुलभता के साथ कम-से-कम समय में घर बैठे ही उपलब्ध करा रही हैं। वर्तमान में 'डिजिटल ऋण', बैंकों में वित्त प्रदान करने के नए आकर्षक विकल्प के रूप में जहाँ तेजी से उभर रहा है, वहीं अपनी सुविधा, समय और इच्छा के अनुरूप ऋण प्राप्त करने का एक सुनहरा अवसर आज हमारे ग्राहकों को 'डिजिटल ऋण' ने उपलब्ध कराया है। इन मोबाइल ऐपों व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे

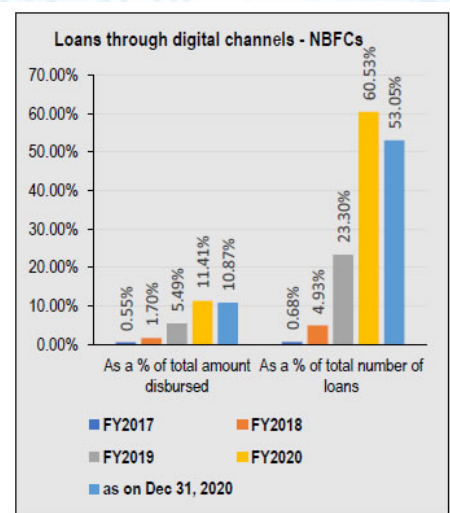
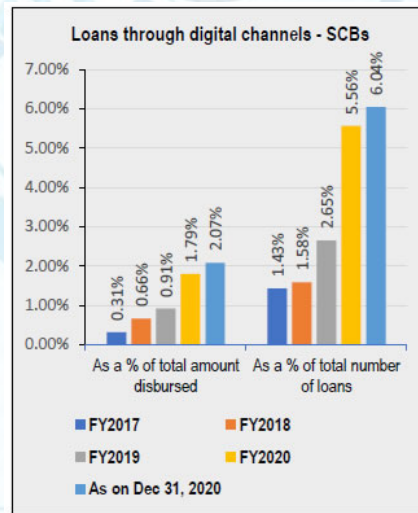
डिजिटल ऋण: चुनौतियां एवं संभावनाएं

डिजिटल माध्यमों से स्वीकृत किए जाने वाले ऋणों को ही 'डिजिटल ऋण' कहा गया है।

डिजिटल चैनल से स्वीकृत ऋणों में जहाँ कम-से-कम कागज लिए जा रहे हैं, वहीं उधारकर्ता द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों/दस्तावेजों का ऑनलाइन त्वरित प्रमाणीकरण कर, उनके द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों का तकनीकी से निर्मित साफ्टवेयर/ ऐपों में विश्लेषण (Analysis) कर, उनकी ऋण योग्यता (Credit Worthiness) और उनकी ऋण चुकौती क्षमता (Repayment Capacity) का

आकलन किया जा रहा है और अधिक शुद्धता के साथ उन्हें ऋण प्रदान किए जा रहे हैं।

इसलिए, वर्ष-दर-वर्ष देश के डिजिटल ऋण के कारोबार में बहुत अधिक वृद्धि हो रही है। वर्ष 2015 में देश का डिजिटल ऋण कारोबार मात्र 33 बिलियन डॉलर था, जो वर्ष 2020 में बढ़कर 150 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। भा.रि.बैंक द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 31 दिसम्बर'2020 तक अनुसूचित बैंकों व गैर बैंकिंग वित्त कम्पनियों द्वारा स्वीकृत ऋणों और ऋणों की राशि में, डिजिटल ऋणों का प्रतिशत कुछ इस तरह से था :



Source: Analysis based on representative data collected from banks and NBFCs

Chart 2.1

डिजिटल ऋण की चुनौतियां:

इस तरह आज देश में जहाँ अधिक तेजी से डिजिटल ऋण का व्यवसाय बढ़ रहा है वहीं डिजिटल ऋण व्यवसाय को अनाधिकृत डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्मों व मोबाइल ऐपों द्वारा प्रदत्त डिजिटल ऋणों पर लोगों से अधिक ब्याज/शुल्क वसूल किए जाने वाली शिकायतों से निपटने, धन की उगाही हेतु अस्वीकार्य व क्रूर विधियों को अपनाने जैसी बहुत सी चुनौतियां भी मिल रही हैं। संक्षेप में आज डिजिटल ऋण को मिल रही चुनौतियां कुछ इस तरह हैं :



उपयोग हेतु पूर्णतः प्रशिक्षित व अभ्यस्त नहीं है। यही नहीं, डिजिटल ऋण से जुड़े प्रायः सभी मोबाइल ऐप व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर अंग्रेजी भाषा में ही उपलब्ध हैं और हमारे देश की अधिकांश जनता अपने अंग्रेजी भाषा के अल्प-ज्ञान के कारण इन डिजिटल ऋण प्रस्तावों में छिपे ब्याज, शुल्क, शर्तों को ठीक से समझ नहीं पा रही है जिसके फलस्वरूप बहुत सी डिजिटल ऋण प्रदान करने वाली वित्तीय संस्थाएं लोगों से अधिक ब्याज, शुल्क आदि वसूल कर उनका शोषण कर रही हैं।

4. निजता पर हमला :

आज कुछ तकनीकी प्लेटफॉर्म द्वारा लोगों की संवेदनशील जानकारियों को एकत्रित कर, उनकी वित्तीय आकांक्षाओं व जरूरतों को पूरा करने का प्रलोभन देकर लोगों को ऋण के जाल में फंसाने के उदाहरण भी सामने आ रहे हैं जो ग्राहकों के लिए प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न कर रहे हैं। यही नहीं, ये समझौते का दुरुपयोग कर, अपने उधारकर्ता तक पहुँचने के लिए ऋण-वसूली हेतु अनाधिकृत उपायों को भी अपना रहे हैं।

5. अन्य :

आज देश में उच्च व मध्यम वर्ग के लोग ही डिजिटल संसाधनों का उपयोग बहुतायत में कर रहे हैं। इसलिए, डिजिटल ऋण की सुविधा का लाभ भी इन्हीं लोगों को मिल रहा है। देश के कमजोर, अशिक्षित व गरीब लोगों को इसका कोई फायदा नहीं मिल रहा है। इस तरह डिजिटल ऋण भा.रि.बैंक और भारत सरकार के वित्तीय समावेशन के प्रयासों के अनुकूल नहीं बन पाए हैं। आज देश में आयकर प्रदान करने वाले पॉन कार्ड धारकों की संख्या बहुत ही सीमित है और पैन कार्ड के अभाव में हमारी फिनटेक कम्पनियों/बैंक/वित्तीय संस्थान लोगों की वित्तीय स्थिति का

1. नेटवर्क की उपलब्धता :

भले ही डिजिटलाइजेशन की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हों किंतु यह एक कटु सत्य है कि विदेशों की तुलना में हमारे देश की नेटवर्क की स्थिति आज बहुत ही कमजोर है। बार-बार नेटवर्क के अवरुद्ध होने के कारण लोगों को डिजिटल ऋण के आवेदनों को भरने में बहुत ही अधिक समय व श्रम बर्बाद करना पड़ रहा है। बहुत बार नेटवर्क के अवरुद्ध होने के कारण स्वीकृत हुए ऋण तुरन्त उनके खाते में जमा न होकर, पाँच-छः दिन बाद विलम्ब से जमा हो रहे हैं।

2. अनाधिकृत डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्मों की बढ़ती संख्या :

जब केन्द्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु व मध्यम (MSME) उद्योगों हेतु 59 मिनट में दिए जाने वाले PSB59 योजना की शुरुआत की, तब देश में डिजिटल ऋण के प्रति आम लोगों में जागरूकता का विकास हुआ। इसके फलस्वरूप देश में डिजिटल ऋण प्रदान करने वाले वित्तीय संस्थानों व बैंकों की संख्या में

जहाँ बहुत अधिक इजाफा हुआ, वहीं देश में डिजिटल ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या भी बहुत अधिक बढ़ गई है, किन्तु यह अत्यंत दुःख व खेद का विषय है कि कुछ असामाजिक तत्व इस डिजिटल ऋण व्यवसाय व संस्थानों के साथ जुड़कर, अपनी काली कमाई को सफेद व वैध बनाकर देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचा रहे हैं। साथ ही, ये लोगों से अधिक ब्याज व शुल्क आदि वसूल कर उन्हें लूट भी रहे हैं। इससे देश में डिजिटल ऋण की विश्वसनीयता व साख दोनों कमजोर हुई है। इसीलिए, आज भी हमारे देश की अधिकांश जनता इन डिजिटल ऋणों को संशय की दृष्टि से देख रही है।

3. डिजिटल साक्षरता की कमी :

आज भी हमारे देश की ग्रामीण जनता व शहर की झुग्गियों में निवास करने वाली अधिकांश जनता कम्प्यूटर, मोबाइल, नेटवर्क आदि के उपयोग से कोसों दूर है और हमारे देश की अधिकांश जनता जो इन डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर रही है वह भी इन डिजिटल उपकरणों के

सही-सही आकलन नहीं कर पा रहे हैं और ऐसे लोग जिनके पास सिर्फ आधार कार्ड (पैन कार्ड नहीं है) है, उन्हें डिजिटल ऋण प्राप्त करने में अत्यधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

डिजिटल ऋण की इन चुनौतियों से निपटने के लिए भा.रि.बैंक ने दिनांक 13 जनवरी 2021 को एक कार्यदल का गठन किया था जिसके द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर भा.रि.बैंक ने सभी के लिए डिजिटल ऋण पर अपने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के प्रमुख बिन्दु कुछ इस तरह से हैं :

- 1) अब से केवल वही संस्थान डिजिटल ऋण देने का कारोबार कर सकते हैं, जिन्हें या तो भा.रि.बैंक ने विनियमित किया हो या उन्हें देश के कानून के अनुसार ऐसा करने की अनुमति हो।
- 2) ऋण सेवा निष्पादन से पूर्व सभी उधारकर्ताओं को एक मानकीकृत मुख्य तथ्य विवरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
- 3) वार्षिक प्रतिशत दर (APR) के रूप में डिजिटल ऋण की सभी समावेशी लागतों को डिजिटल ऋण प्रदाता संस्थान द्वारा उधारकर्ता को प्रकट किया जाना जरूरी है।
- 4) सभी डिजिटल ऋण पर Cooling up/Look up अवधि होगी और इस अवधि पर यदि कोई व्यक्ति अपने स्वीकृत डिजिटल ऋणों को संस्थान को वापस करता है तो उस पर कोई ब्याज या शुल्क नहीं लिया जाएगा।
- 5) उधारकर्ता की स्पष्ट सहमति के बिना ऋण सीमा में कोई भी वृद्धि नहीं की जानी चाहिए।

डिजिटल ऋण की संभावनाएं :

पिछले सात-आठ वर्षों में हमारे देश में सूचना प्रौद्योगिकी का तेजी से विकास हुआ है और हमारा देश पूर्ण डिजिटलाइजेशन की दिशा में

तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस डिजिटलाइजेशन की बढ़ती भविष्य में देश में डिजिटल ऋण के नवोन्मेषी क्षेत्र व अवसर निर्मित होंगे और हम डिजिटल ऋणों को अधिक व्यवस्थित और कारगर तरीकों से लोगों को उपलब्ध कराने में सफल होंगे।

भविष्य में लोगों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि दस्तावेज अनिवार्यतः डिजिटल स्वरूप में ही जारी होंगे जिसके फलस्वरूप फिनटेक कम्पनियां, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थान, इन दस्तावेजों का अति-शीघ्रता से ऑनलाइन प्रमाणीकरण कर इनमें उपलब्ध जानकारियों को अपने तकनीकी साफ्टवेयरों की मदद से अति-शीघ्रता से विश्लेषित (Analysis) करने में सफल होंगे और वह इस तरह उधाकर्ता की ऋण योग्यता (Credit Worthiness) और उनकी ऋण चुकौती क्षमता (Repayment Capacity) का 100% शुद्धता के साथ आकलन कर, उन्हें ऋण संवितरित करेंगे इससे इन ऋणों के डूबने का खतरा 99.99% मिट जाएगा और बैंकों को 'अनर्जक आस्ति (NPA)' के झंझट से मुक्ति मिलेगी। इसीलिए, भविष्य में बैंकों व अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा स्वीकृत किए जाने वाले सभी ऋण भौतिक (Physical) स्वरूप में स्वीकृत न होकर डिजिटल चैनल से ही स्वीकृत होंगे।

आज ग्राहक की सभी संवेदनशील जानकारियां उनके अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों यथा फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप से फिनटेक कम्पनियां व अन्य वित्तीय संस्थाएं आदि अधिकृत व अनाधिकृत रूप में एकत्रित कर रही हैं। इससे इनके दुरुपयोग की घटनाएं भी बहुत अधिक बढ़ गई हैं। इसलिए, भविष्य में इनकी रोकथाम के लिए एक सख्त कानून बनाया जाना जरूरी है कि सेवा प्रदाता द्वारा किस प्रकार के डाटा को एकत्रित किया जाएगा और उनका उपयोग किसके लिए किया जा सकेगा।

चूंकि वर्तमान में डिजिटल ऋण की धोखाधड़ी की घटनाएं बहुत अधिक बढ़ गई हैं, इसलिए,

इनकी रोकथाम के लिए डिजिटल ऋण प्रदाता संस्थाएं भविष्य में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता व उपभोक्ता संरक्षण सिद्धांतों का पालन करते हुए, स्वनिर्मित आचार-संहिता का पालन करेंगी और वह हरेक ऋण में इसके प्रति अपनी वचनबद्धता को दोहराएंगी, जिससे आम लोगों का विश्वास इसके प्रति और भी मजबूत होगा।

डिजिटल ऋण के बारे में लोगों को शिक्षित व प्रशिक्षित करने और उन्हें इस हेतु जागरूक बनाने हेतु सरकार द्वारा भविष्य में एक एजेंसी का निर्माण किया जा सकता है और यह एजेंसी सभी डिजिटल ऋण समझौतों और डिजिटल ऋण प्रदाताओं/उधाकर्ताओं के इतिहास (History) को ट्रैक करने/जाँचने में भी सक्षम होगी। इससे भविष्य में हम डिजिटल ऋण की धोखाधड़ियों को रोकने में भी पूर्णतः कामयाब होंगे।

उपसंहार :

वर्तमान में अनाधिकृत लेंडिंग प्लेटफॉर्मों द्वारा अधिक ब्याज, शुल्क आदि वसूलने की जो चुनौतियां डिजिटल ऋणों को मिल रही हैं, भविष्य में इसी डिजिटल तकनीकी से निर्मित अधिक सशक्त साफ्टवेयरों की मदद से हम अच्छी तरह से डिजिटल ऋणों का निरीक्षण और परीक्षण करने में कामयाब होंगे जिससे भविष्य में डिजिटल ऋण से किसी भी व्यक्ति को धोखा व नुकसान नहीं होगा। जिस तरह से आज मोबाइल व नेटवर्क हर व्यक्ति तक पहुँचकर अधिक सुलभ व सस्ता बना गया है, ठीक उसी तरह से भविष्य में डिजिटल ऋण भी हर व्यक्ति तक पहुँचकर अधिक सुलभ व सस्ता बन जाएगा और हमारे देश की जनता भी अधिक सुलभता से उपलब्ध इस डिजिटल ऋण की मदद से अपने समाज व देश को विकास की नई ऊचाईयों के शिखर पर ले जाने में कामयाब होगी।



श्रीनिवास कृष्णन

प्रबंधक,

जीवराज शाखा, अहमदाबाद

Periodic updation of KYC information (Re-KYC)



Customer Due Diligence:

Whenever a prospective customer approaches bank to open an account, we need to perform due diligence of the prospective customer.

Customer Due Diligence (CDD) means collecting and evaluating the customers' information and determining their risk for illegal financial transactions.

CDD process is carried out before opening of account to establish identity of customer based on documentary evidence.

CDD process works as deterrent for customer to use banking channel for Money Laundering and Terrorist Financing (MLTF) activities.

In a fast changing environment, banks need to keep customer information updated. Process of updation of KYC information is called Re-KYC.

Customer Risk categorization:

Some customer categories are more prone to facilitate MLTF activities which are treated as high risk i.e. which can pose higher degree of money laundering risk.

Bank has a standardized process to categorize the customers in three categories with regard to MLTF Risk i.e. High, Medium and low Risk.

The risk categorization is based on these parameters:

- Constitution Code
- Occupation Code
- Customer Type
- Gross Annual Income
- Turnover in Account

The risk categorization takes place at the time of Customer onboarding/account opening, considering constitution code, occupation code,

customer type and gross annual income. Thereafter risk category of customer is reviewed twice a year in the month of January and July.

At the time of half yearly review of risk category the turnover in account is also considered for risk categorization of the customer if the turnover is more than the threshold limit the customer is categorized in higher risk category.

To ensure uniformity in risk categorization, the process is automated in CBS system without human intervention and derived result are populated at "free code 1" in CUSTMOD menu. However branch, based on their experience, transaction in the account or other information from confirmed sources may also enrich the risk category in "free code 2" in "CUSTMOD" menu. The risk category derived by system and updated by branch may differ and whichever is higher will be considered for risk category of the customer.

Periodic Updation of KYC information (Re-KYC)

Our regulator RBI has issued guidelines regarding frequency for updation of KYC information of customers based on risk category, which is as under:

	Risk Category	KYC updation frequency, at least
1	High Risk	Once in Two Year
2	Medium Risk	Once in Eight Year
3	Low Risk	Once in Ten Year

Till now, based on half yearly review of risk category, the identification of customers due for Re-KYC were finalised on half yearly basis and at the end of half year i.e. before start of new exercise the operative accounts of customer pending for Re-KYC were required to be debit frozen.

Since the process of implementation of Re-kyc was manual, some lacunas in implementation were observed.

To make the process robust and full proof, a new automated process is has been implemented in finacle system. The process in brief is as under:

- MLTF process for risk category review will be run on half yearly basis as hitherto.
- System will identify customers due for Re-KYC on daily basis and mark in finacle system as due for Re-KYC.

- On the date of identification for Re-kyc a system generated SMS and e-mail will be sent to customer where valid mobile number/ e-mail is available in finacle system, informing the customer that the account is due for Re-KYC.
- Repeat SMS/e-mails will be sent to customers on 30th/60th/90th/105th/141st and 173rd day till KYC updation is not done.
- On 105th day of identification, finacle system will create physical notice to be printed by branch for the customers pending for Re-KYC, if the notice is not printed system will show error and day end activity may be hampered.
- The branch needs to dispatch the notice within four days of generation and update post/ courier name along with consignment number in finacle system, if not updated, day end activities may be hampered.
- Again on 141st day of identification, finacle system will create 2nd physical notice for Re-KYC pending customers to be generated and dispatched by branch on lines of first physical notice.
- If despite all above efforts customer does not turn up for updation of KYC records the operative accounts linked to customer ID will be debit frozen on 180th day of identification by finacle system.

Further, to facilitate customers, Bank is in process to provide various alternate channel to customers to update KYC information without visiting the branch:

- V-CIP (Video based Customer Identification Process)
- BOB world (Mobile Banking)
- Net banking
- Centralized e-mail
- Web based, through Bank's website
- Business Correspondent (BC Point)
- Through ATM



N K Totla
Asst. Gen. Manager,
KYC-AML, Op. & Services, H.O.

METHODS OF MONEY LAUNDERING



Money laundering is a constantly evolving activity that requires continuous monitoring to effectively combat it. Illicit funds can flow through various commercial channels, including accounts, loans, transfers and financial intermediaries. Money launderers adapt their methods to exploit weaknesses in the financial system, with a shift towards non-bank sectors and non-financial businesses/professions. To understand money laundering mechanisms, the Financial Action Task Force (FATF) and regional bodies publish typology reports that highlight key methods and trends, ensuring the effectiveness of anti-money laundering measures and keeping them relevant. These reports provide valuable examples of how money can be laundered using different methods and in diverse settings.

Electronic transfer of fund: Electronic transfers of funds are initiated through various electronic means and can occur domestically or internationally, facilitating the rapid movement of trillions of dollars across millions of transactions daily. Illicit transfers can easily be concealed among legitimate ones within systems like Fedwire, SWIFT and CHIPS. Money launderers exploit unauthorized transfers, stolen credit cards, or purchases with stolen funds to hide illicit proceeds. Electronic transfers are also used in the layering stage of money laundering to complicate tracing efforts. Despite improved verification processes and transaction monitoring software, indicators such as transfers to/from secrecy havens, unexplained or unusual activity and inconsistent patterns can suggest money laundering.

Remote Deposit Capture: Remote Deposit Capture (RDC) is a banking product that allows customers to electronically deposit cheques by scanning them and transmitting the images to the bank. It offers

convenience, especially with the integration of mobile phones for cheque deposits. Remote Deposit Capture reduces processing costs for banks and is part of the transition towards digital transactions. However, it presents risks for money laundering and fraud. Money launderers can exploit Remote Deposit Capture capabilities to move cheque easily through accounts and inadequate controls may facilitate violations of sanctions requirements. Fraud detection becomes challenging with minimal human intervention, emphasizing the need for integrated monitoring and fraud prevention systems. Proper limits, customer eligibility and swift action against detected fraud are essential to mitigate risks associated with Remote Deposit Capture.

Correspondent banking: Correspondent banking involves one bank providing financial services to another bank, enabling international transactions where the providing bank has no physical presence. Correspondent relationships offer various services such as cash management, wire transfers, cheque clearing and foreign exchange. Banks should assess the regulatory oversight and ownership of correspondent banks before establishing correspondent accounts. Correspondent banking poses money laundering risks due to indirect relationships and large transaction volumes, making it challenging to verify identities and detect suspect transactions. The correspondent bank faces additional risks related to determining the effectiveness of Anti Money Laundering controls and the extent of nesting practices, where sub respondents' identities and activities remain unknown.

Payable through accounts: Payable-Through Accounts (PTAs) are correspondent banking arrangements where the customers of the respondent bank can directly control funds at the correspondent bank without clearing transactions through the respondent bank. Payable-Through Accounts allow for an unlimited number of subaccount holders, including individuals, businesses and even other foreign banks. The terms of the Payable-Through Accounts are specified in an agreement between the correspondent and respondent banks. Payable-Through Accounts can pose risks to money laundering defences, particularly when involving offshore financial centres with weak supervision, when the correspondent bank fails to apply proper due diligence to customers of the respondent bank, when subaccount holders have currency privileges, or when used in conjunction with the respondent bank's subsidiary or representative offices.

Concentration accounts: Concentration accounts are internal accounts within a bank used to process and settle multiple customer transactions by aggregating funds into a centralized account. They are commonly used for private banking, trust accounts and international transactions. Money laundering risks can arise if customer-identifying

information becomes separated from financial transactions, leading to a loss of audit trail and potential misuse or improper administration of accounts. Banks utilizing concentration accounts should have robust policies, procedures and processes in place to ensure proper operation and record-keeping, including measures like requiring dual signatures on general ledger tickets.

Private banking: Private banking is a lucrative and competitive industry that provides personalized and confidential services to wealthy clients. Increased scrutiny has been placed on private banks, particularly regarding tax planning strategies. Factors that contribute to the vulnerabilities of private banking in terms of money laundering include high profitability, intense competition, powerful clientele, confidentiality, close relationships between managers and clients, commission-based compensation, a culture of secrecy and the use of private investment companies to reduce transparency. These factors necessitate tighter government controls and oversight in the private banking sector.

Use of private investment companies in private banking: In offshore or international financial centres, private banking customers are typically non-residents who hold their assets in corporate vehicles such as private investment companies (PICs) established in secrecy havens. Private investment companies are shell companies used for maintaining confidentiality and for tax or trust-related reasons. They have been utilized in money laundering cases due to their effectiveness as laundering vehicles. The secrecy laws of offshore havens can hide the true ownership of private investment companies and some are established with nominee directors to further protect the identities of beneficial owners. Private banks often establish private investment companies for clients through affiliated trust companies in offshore secrecy havens and illicit actors may create complex networks of shell companies across multiple jurisdictions.

Structuring: Structuring refers to designing a transaction to avoid triggering reporting or record-keeping requirements and is a widely recognized method of money laundering. It involves breaking down large transactions into smaller ones to stay below reporting thresholds. This can be done by individuals known as runners, who make multiple deposits or purchases in amounts under the reporting limit at various banks. **Smurfing** is a common technique used in structuring, where multiple individuals make multiple transactions to evade detection. Structuring is prevalent in industries such as banking, money services businesses and casinos. Examples include breaking a large transaction into smaller ones, conducting transactions involving multiple people and circumventing currency controls by sending funds through intermediaries.

Micro structuring: Micro structuring is a method used to place large amounts of illicit cash into the financial system by breaking it into numerous small deposits. This makes the suspicious activity harder to detect compared to traditional structuring. For example, instead of splitting Rs.500,000 into two deposits, a microstructure would split it into 20 deposits of around Rs. 25000 each. In one case involving a Colombian drug cartel, cash proceeds from drug sales were deposited into New York accounts linked to ATM cards, which were provided to associates in Colombia for withdrawals. Detection methods for micro structuring include the use of counter deposit slips, frequent activities in newly opened accounts with incomplete documentation, frequent cash deposits of small amounts inconsistent with normal banking activities, cash deposits followed by ATM withdrawals (especially in higher-risk countries) and cash deposits made by unrelated third parties into business accounts.

Credit unions and building societies: Credit unions are member-owned and operated financial cooperatives that serve the financial needs of their members. Membership is based on a common bond, such as a community or place of employment. Credit unions can vary in size and complexity, offering a range of products and services. They primarily focus on personal banking relationships within their community and may also serve small to medium-sized corporate and entity account holders. Credit unions rely on credit union centrals for various services, such as capital liquidity and operational processes. They are subject to similar regulatory requirements as banks and are included under Financial Action Task Force definition of a financial institution. While credit unions pose a lower money laundering risk due to their smaller size, they are still vulnerable to money laundering and terrorist financing schemes. The identified high-risk transactions, such as money transfers to third parties and reluctance to provide identity information when opening an account. Unusual activities in children's accounts should also be monitored as a potential indicator of illicit activity.

Conclusion: Scams in banking are not a new thing. Hawala and money laundering are very common in banking scams. The money that we see in the country, it is not necessary that it has come in the right way. This can be in the form of corruption, drug trafficking, betting, or human trafficking. Money laundering has been happening in the country for a long time and will continue to happen. It cannot be stopped. Whenever there is a new scam, new ways will be invented to legalize the black money. It is necessary to know about the different methods of money laundering in order to prevent yourself and the bank from being used for money laundering.

❖❖❖



Sanjay Kumar
Chief Manager
Baroda Academy, Jaipur

देहरादून क्षेत्र द्वारा अंतर क्षेत्रीय स्पोर्ट्स डे का आयोजन



दिनांक 18 जून, 2023 को देहरादून क्षेत्र द्वारा अंतर क्षेत्रीय स्पोर्ट्स डे मनाया गया। इसका उद्घाटन बरेली अंचल के अंचल प्रमुख श्री एम अनिल, क्षेत्रीय प्रमुख श्री नेत्र मणि और उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बिशम्बर दत्त की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाओं से बड़ी संख्या में स्टाफ सदस्यगण मौजूद रहे।

अंचल कार्यालय, मुंबई द्वारा अंतर क्षेत्र कैरम टूर्नामेंट का आयोजन



दिनांक 23 जून, 2023 को अंचल कार्यालय मुंबई द्वारा अंतर क्षेत्र कैरम टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा एवं उप अंचल प्रमुख श्री अर्शद खान द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेजप्रकाश तुलस्यान एवं मुंबई मेट्रो दक्षिण क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता एवं प्रतिभागीगण।

सुश्री ममता प्रभु, कोच, भारतीय टेबल टेनिस टीम का उत्कृष्ट प्रदर्शन



मुंबई अंचल के नवी मुंबई क्षेत्र की वरिष्ठ प्रबंधक सुश्री ममता प्रभु, कोच, भारतीय टेबल टेनिस टीम ने ट्युनिस 2023 में डब्ल्यूटीटी कंटेडर में भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचने में मदद की। उन्होंने विश्व नंबर 3 कोरियाई जोड़ी और वर्तमान विश्व रजत पदक विजेता जिओन जिही और शिन युबिन को 3-2, 11-9 से हराया। विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए बैंक स्टाफ को हार्दिक बधाई....

क्षेत्रीय कार्यालय अमरावती में खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित



क्षेत्रीय कार्यालय, अमरावती में बड़ौदा अनुभूति के अन्तर्गत अंतर-अंचल खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत दिनांक 29 जून, 2023 को खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका संयोजन श्री रवि प्रकाश, वरिष्ठ प्रबंधक सह उपाध्यक्ष खेल-कूद कमिटी एवं श्री दिलीप जयसिंधानी, वरिष्ठ प्रबंधक सह सचिव खेल-कूद कमिटी ने किया।

मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र में कैरम टूर्नामेंट का आयोजन



अंतर क्षेत्र कैरम टूर्नामेंट के अंतर्गत दिनांक 24 जून, 2023 को मुंबई मेट्रो उत्तर क्षेत्र में कैरम टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को क्षेत्रीय प्रमुख श्री नवीन चंद्र ठाकुर द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर कैरम प्रतियोगिता में भाग लेते हुए उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री शैबल बनर्जी।

दुर्ग क्षेत्र में अंतर क्षेत्रीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता



दिनांक 24 जून, 2023 को बड़ौदा अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग (क्षेत्र) में अंतर क्षेत्रीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता 2023 का आयोजन किया गया जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की टीमों ने सहभागिता की। उक्त अवसर पर दुर्ग क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद काटकर, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सिद्धार्थ वर्मा एवं अन्य स्टाफ सदस्य तथा उनके परिजन उपस्थित थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा की कबड्डी टीम ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय कबड्डी टीम को हराया



राव अकादमी, कोल्हापुर में बैंक ऑफ बड़ौदा की कबड्डी टीम ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय कबड्डी टीम को हराया। शिव छत्रपति पुरस्कार विजेता श्री राजेश पाडावे से प्रशिक्षित बैंक ऑफ बड़ौदा टीम मुंबई ने यह मैच 3 अंकों यानी 31-28 से जीता। बांग्लादेश टीम के कप्तान मिस्टर तोहिन, उप कप्तान अजमल मुंशी और मियाउद्दीन तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के संकेत मोरे, आदित्य गजमल और गणेश महाजन ने ऑल राउंड खेल दिखाया। मैच के दौरान कोल्हापुर जिले के अधिकारी श्री अन्ना गावडे, श्री चन्द्रशेखर शाह, साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा के टीम सचिव श्री पराग सुर्वे भी उपस्थित थे।

कबड्डी टूर्नामेंट में क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरू-ग्रामीण की जीत



दिनांक 3-4 जून, 2023 को कोयंबटूर में आयोजित 'ए' ग्रेड कबड्डी टूर्नामेंट में क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरू-ग्रामीण के खिलाड़ी दूसरे स्थान पर रहे। फोटो में शिल्ड के साथ हैं बेंगलूरू अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री देबब्रत दास, उप अंचल प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी, बेंगलूरू-ग्रामीण क्षेत्र के प्रमुख श्री मुरलीकृष्णा, कबड्डी टीम के खिलाड़ी तथा अंचल एवं क्षेत्र के स्टाफ।

बास्केट बॉल लीग चैम्पियनशिप में क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरू - मध्य की जीत



दिनांक 8 मई, 2023 को बेंगलूरू के श्री कंठीरव स्टेडियम में आयोजित राज्य ए डिविजन बास्केट बॉल लीग चैम्पियनशिप में क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरू - मध्य के खिलाड़ियों ने लीग चैम्पियनशिप जीती। फोटो में हैं विजेता टीम के सदस्य।

कोबे कप बास्केट बॉल 2023 में क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरू-मध्य की प्रतिभागिता



दिनांक 7 मई, 2023 को बेंगलूरू के जे.पी.नगर में आयोजित बास्केट बॉल के कोबे कप 2023 में क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरू - मध्य के खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की। फोटो में हैं-श्री क्रिस्टन ऐंडू-वसंत नगर शाखा, श्री सुकेश एम-सिद्धया रोड शाखा, श्री नागराज एन-शांतिनगर शाखा, श्री मुफीज अहमद गांधी बाजार शाखा।

सैस बास्केट बॉल 2023 में क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरू-मध्य बना चैम्पियन



दिनांक 19 जून, 2023 को आयोजित सैस बास्केट बॉल टूर्नामेंट 2023 में बेंगलूरू ओपन पुरुष टाईटल में बेंगलूरू - मध्य क्षेत्र के खिलाड़ी चैम्पियन रहे। फोटो में हैं श्री क्लिंटन ऐंडू-वसंत नगर शाखा, श्री सुकेश एम.-सिद्धया रोड शाखा, श्री नागराज.एन.-शांतिनगर शाखा और श्री मुफीज अहमद-गांधी बाजार शाखा।

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन



दिनांक 18-20 मई, 2023 को कोवलम (तिरुवनंतपुरम) में अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशक, श्री अजय के खुराना, प्रमुख-(राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र एवं अन्य कार्यपालक तथा देश भर के राजभाषा प्रभारी/ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना ने सभी राजभाषा अधिकारियों को संबोधित किया तथा वर्ष के दौरान श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाले अंचलों/ क्षेत्रों के राजभाषा अधिकारियों/ प्रभारियों को पुरस्कृत किया।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा क्षे.का., रायपुर का निरीक्षण



दिनांक 25 मई 2023 को माननीय संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति के माननीय सदस्यगण द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर का निरीक्षण किया गया जिसमें बैंक की ओर से श्री नीलब चन्द्र राय, उप अंचल प्रमुख, भोपाल, श्री संजय सिंह, प्रमुख-राजभाषा एवं संसदीय समिति, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा, श्री अमित बैनर्जी, क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर क्षेत्र और श्री चंदन कुमार वर्मा, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), भोपाल अंचल उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री संजय सिंह, प्रमुख-राजभाषा एवं संसदीय समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा लगाई गई राजभाषा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा लखनऊ मेट्रो क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण



दिनांक 16 जून, 2023 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा लखनऊ मेट्रो क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण किया गया जिसमें माननीय सांसद महोदय श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोक सभा) एवं उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति व अन्य माननीय सांसद महोदय शामिल हुए। इस निरीक्षण के दौरान अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार सिंह, प्रमुख राजभाषा व संसदीय समिति श्री संजय सिंह, लखनऊ मेट्रो के क्षेत्रीय प्रमुख श्री समीर कुमार ओझा शामिल हुए।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, शिमला का निरीक्षण



दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा शिमला क्षेत्रीय कार्यालय के साथ निरीक्षण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के संयोजक डॉ. मनोज राजोरिया द्वारा की गयी। इस अवसर पर चंडीगढ़ अंचल के अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री विमल कुमार नेगी, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, शिमला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्रीपाल सिंह तोमर, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुभाष ढाका उपस्थित रहे।

नई दिल्ली अंचल में राष्ट्रभाषा सम्मान, 2023 की निर्णायक समिति की बैठक सम्पन्न



दिनांक 01 जून, 2023 को अंचल कार्यालय, नई दिल्ली में राष्ट्रभाषा सम्मान, 2023 के लिए गठित निर्णायक समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना (कार्यपालक निदेशक), ज्यूसी प्रमुख सुश्री गीतांजलि श्री सहित अन्य ज्यूसी सदस्य तथा सचिव श्री संजय सिंह (प्रमुख - राजभाषा एवं संसदीय समिति) भी उपस्थित रहे।



हम अप्रैल-जून 2023 के दौरान पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों / महाप्रबंधकों /
उप महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और
इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं - संपादक

मुख्य महाप्रबंधक



श्री सौरभ रविशंकर शुक्ला
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री रविन्द्र सिंह नेगी
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री ब्रजेश कुमार सिंह
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्रीमती के वी शीतल
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

महाप्रबंधक



श्री शशिधर जयकिशोर
प्र. का., कम्पाला, बॉब यूगांडा



श्री प्रतीक अग्रिहोत्री
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री राकेश कुमार शर्मा
नई दिल्ली अंचल



श्री रितेश कुमार
हैदराबाद अंचल



श्री अनिल एम
मेरठ अंचल



श्री लंका बालासुब्रमण्यम
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री अमूल्य कुमार
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

उप महाप्रबंधक



श्री वी बी पोलुस
जेडआईएडी, नई दिल्ली



श्री दिलीप मानसिंग
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री प्रहाद कुमार सिन्हा
एसएमबी, मुंबई



श्री बरुन मेहेर
नेटवर्क डीजीएम, मुंबई अंचल



श्री मनोज गुप्ता
मुंबई दक्षिण क्षेत्र



श्री अच्युत कोसुरु
यूईई, दुबई अंचल कार्यालय



श्री राजेंद्र वल्लाभुनी प्रसाद
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री बोदूर रवि, यूके, लंदन
समूह नियंत्रक कार्यालय



श्री अतुल कुमार कर्ण
नेटवर्क डीजीएम, नई दिल्ली
अंचल



श्री राजेश कुमार शर्मा
नेटवर्क डीजीएम, चंडीगढ़ अंचल



श्री नीलेश दीप साव
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री रोहित जिनिवाल
एसएलबीसी, लखनऊ



डॉ. शैलेंद्र कुमार अवस्थी
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री चन्दन साहू
विजयवाड़ा क्षेत्र



श्री साई गणेश उज्जिना
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री जयन्त कुमार पट्टजोशी
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री रोहित कुमार
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री अभय के अग्रवाल
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री अमित कुमार गुप्ता
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई



श्री तेज प्रकाश तुलसियान
मुंबई सेंट्रल क्षेत्र

कॉर्पोरेट एल्बम

Corporate Album

बैंक को प्राप्त सम्मान एवं पुरस्कार

Awards & Accolades received by the Bank

Atal Pension Yojana Exemplary Award



SLBC UP received the esteemed Atal Pension Yojana Exemplary Award for the fiscal year 2022-23. The award was received by Sammita Sachdev, GM, Government Business on behalf of SLBC, UP in the gracious presence of Dr. Deepak Mohanty, Chairperson of PFRDA, and Shri A G Das, Executive Director of PFRDA.

Best Customer Service Initiative of the Year (Banking) Award



Bank won the 'Best Customer Service Initiative of the Year (Banking)' Award by Quantico India. Shri Dinesh Pant, CGM, (Operations), Shri Rajiv Ranjan, DGM (Customer Experience) and Shri Jagannatha Sarma, AGM (Customer Experience) received the honour on behalf of the Bank.

AI100 Award 2023



Shri Akhil Handa, Chief Digital Officer, Bank of Baroda received the AI100 Award 2023 India, recognizing him as one of India's top 100 influential AI leaders.

ACEF Global Customer Engagement Forum & Awards



Bank was honored in the ACEF Global Customer Engagement Forum & Awards with 3 medals for 'Best Event Promotion for Sun Run 2.0 (Silver Medal)', 'Best Use of Celebrity Endorsement for Sun Run 2.0 (Bronze Medal)', and Best Innovative Radio Campaign (Silver Medal) for 115 hours of non-stop RJ Marathon on the occasion of the Bank's 115th Foundation Day.

Great Place to Work Award



Bank was awarded with the "Great Place to Work" Certification 2023 for the 2nd year in a row. Bank also received "India's Best Employers among Nation Builder 2023" and "India's Best Employers in Public Sector Undertaking 2023" Award.

Best Retail Financier Award



Bank of Baroda won the Best Retail Financier award amongst PSU Banks at the Annual Financiers Awards 2022 organised by JCB India. Shri Dhruvashish Bhattacharya, Head, MSME received the award on behalf of the Bank.

बिना परेशानी ऋण ट्रांसफर करें कहीं से भी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के
डिजिटल वैयक्तिक ऋण टेकओवर
सुविधा के साथ



तत्काल
मंजूरी



आकर्षक
ब्याज दरें



शून्य प्रक्रिया
शुल्क



बढ़ी हुई
ऋण अवधि



टॉप अप
ऋण सुविधा